



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 3, 1979 (कार्तिक 12, 1901)

No. 44] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 3, 1979 (KARTIKA 12, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखपरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा आरो की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० ए० 35014/79-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोप्राफर सेवा के प्रेष्ठ ए के स्थापी अधिकारी श्री ए० गोपालकृष्णन् को आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए 3-9-1979 से 30-11-1979 तक की अवधि के लिए अथवा ग्रामामी आदेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर नियुक्त होने पर श्री ए० गोपालकृष्णन् को वेतन समय-समय यथासंशोधित वित्त मन्त्रालय के का० ज्ञा० सं० एफ० 10(24)-ई०III/60 दिनांक 4-5-1961 के अनुसार विनियमित होगा।

एस० बालचन्द्रन,
अबर सचिव

कृते सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 अक्टूबर 1979

सं० पी०/1857-प्रशा०-I—भारतीय अर्थ सेवा के अधिकारी एवं संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (सलाहकार नामिका) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री ज्ञान प्रकाश ने 3 अक्टूबर, 1979 के पूर्वान्तर में इस कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (सलाहकार नामिका) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

श्री ज्ञान प्रकाश की सेवाएं अखिल भारतीय हस्त शिल्प बोर्ड नई दिल्ली को सौंपी जाती हैं।

एस० बालचन्द्रन,
अबर सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 मित्तम्बर 1979

सं० पी०/1827-प्रशा०-I—इन्जीनियरी कालेज, केरल सरकार, त्रिवेंद्रम में सिविल इंजीनियरी के भूतपूर्व लोकचरार तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत डा० ए० सी० मर्थाई की

सेवाएं 28-9-79 (भपराहू) से केरल सरकार, इंजीनियरी कालेज, त्रिवेंद्रम को पुनः सौंपी जाती है।

वाई० आर० गंधी,
प्रशासनिक अधिकारी
हृते अध्यक्ष,
संघ लोक सेवा आयोग।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० 29 आर० सी० ठी० 5—केन्द्रीय सतर्कता आयोग आयुक्त एतद्वारा श्री एन० एन० मुकर्जी, आई० ए० एस० (आ० म० 1964) को 5 अक्टूबर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, स्थानापन्न रूप से, केन्द्रीय सतर्कता आयोग में विभागीय जांच आयुक्त नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्रा,
अवर सचिव,
हृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

का० एवं० प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्टूबर 1979

सं० एन०-36/66-प्रशासन-5—श्री एन० जे० कार्निक, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विभाग पुलिस स्थापना का दिनांक 5 अक्टूबर, 1979 को 0145 पर स्वर्गवास हो गया।

की० ला० ग्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औषधिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, विनांक 17 सितम्बर 1979

सं० ई० 29020/28/79-सा०-प्रशा० I—राष्ट्रपति, श्री ठी० पी० बासु को 30 जनवरी, 1978 से के० औ० सु० ब० में मूल रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० ई०-16014(2)/1/78-कार्मिक—अपने मूल विभाग अर्थात् सीमा सुरक्षा बल, में प्रत्यावर्तित होने पर, श्री एम० बी० सेन ने 15 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी० दुर्गपुर के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/5/79-कार्मिक—स्थानात्मक होने पर, श्री सन्तोष सिंह, ने 21 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट एच० आई० एल० नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने

उसी तारीख से के० औ० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय दिल्ली के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सुरेन्द्र नाथ,
महानिरीक्षक, के० औ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यस्थल

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० 11/55/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, हरियाणा, चण्डी-गढ़ में जनगणना कार्य निवेशालय में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत श्री एम० आर० दाहरी को जनगणना कार्य निवेशालय, मध्य प्रदेश, भोपाल में तारीख 19 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर, एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, इनमें से जो भी अवधि कम हो, सहायक निवेशक जनगणना कार्य के पद पर सहित नियुक्त करते हैं।

2. श्री दाहरी का मुख्यालय भोपाल में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री दाहरी को उस ग्रेड में नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को किसी भी समय बिना कोई कारण बताए रह किया जा सकता है।

पी० पदमनाभ,
भारत के महापंजीकार

मुद्रण निवेशालय

नई दिल्ली-11, विनांक 12 अक्टूबर, 1979

सं० एस० (67)/प्रशासन-II—मुद्रण निवेशक ने श्री ए० बी० नायक सतम, तकनीकी अधिकारी (फोटोलिथो) को 18 सितम्बर, 1979 के अपराह्न से अगले आदेश होने तक, भारत सरकार पेटेण्ट्स प्रिंटिंग प्रेस, बम्बई में उप प्रबन्धक (फोटोलिथो) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

पी० बी० कुलकर्णी,
संयुक्त निवेशक, प्रशासन

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

फा० सं० बी० एन० पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की सम-संबद्धक अधिसूचना दिनांक 27-3-79 के अनुक्रम में श्री बी० बैंकटरमणी की तकनीकी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियमित की अवधि उन्हीं शर्तों पर दिनांक 1-8-79

से आगामी तीन माह के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है।

दिनांक 12 अक्टूबर 1979

सं० बी० एन० पी०/सी०/५/७९—श्री अषोक जोशी स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (न्यूमरोटा) को रूपये ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१०००-द० रो०-४०-१२०० के वेतनमात्र में बैंक नोट प्रैस मुद्रणालय में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) (समूह 'ख' राजपत्रित) के रूप दिनांक १२-१०-१९७९ (पूर्वाह्न) से तीन माह के लिए अथवा इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो, तदर्थं आधार पर गियुक्त किया जाता है।

२. इस तदर्थं नियोजन से नियुक्ति को इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्रदत्त नहीं होंगे, यह तदर्थं नियुक्ति किसी भी समय, बिना कोई कारण बताए, समाप्त की जा सकती है।

पी० एस० शिवराम,
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० १८७७-सी० ए०-१/६८-७८—अपर उपनियंत्रक महा लेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री एन० बासकरण, लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को भारत सरकार, गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या २५०१३/७-७७-स्थापना(ए०) दिनांक २६-८-७७ के उपबन्ध के अधीन तारीख १६-८-७९ (अपराह्न) से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० १८८९ सी० ए०-१/३४६-६९—अपर उप-नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री बी० वसंथराव लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को मूल नियमावली ५६(ट) के उपबन्ध के अधीन तारीख २-१०-१९७९ (अपराह्न) से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

एम० एस० श्रीवर,
उप-निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय, महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश
खालियर, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० प्रशा० १/२९६—श्री एम० आर० कपूर, स्थाई लेखा अधिकारी को अधिवाधिकी की आयु हो जाने पर दिनांक ३०-९-७९ को अपराह्न से, शासकीय सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

धू० अ० साहू,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय : निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्टूबर 1979

सं० प्रशासनI/का० आ० सं० ३५२/५-५/पदोन्नति/७९-८०/१३१८—भारत सरकार, गृह मंत्रालय के ज्ञापन संख्या २५०१३/७-७७-इस्ट० (ए) दिनांक २६-८-७७ की शर्तों के अधीन २० वर्ष से अधिक की अर्धक सेवा पूरी करने के बाद ३१ अक्टूबर १९७८ अपराह्न से इस कार्यालय के श्री डी० बी० सहाय स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी भारत सरकार की सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा-निवृत्त हुए।

२. श्री सहगल सरकारी सेवा में ९-४-१९४८ को प्रविष्ट हुए थे और उनकी जन्म तिथि २१-९-१९२९ है।

क० एच० छाया,
संयुक्त निदेशक, लेखापरीक्षा (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक
नई दिल्ली, दिनांक ९ अक्टूबर 1979

सं० १८४६२-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रूपये १५००-६०-१८००-१००-२०००) में दिनांक १ नवम्बर, १९७८ से मूल पदधारी के रूप में सहृष्टि नियुक्त करते हैं।

क्रम अधिकारी का नाम
संख्या

सर्वाधी

१. सी० बी० के० रेड्डी
२. एस० बी० सुब्रामणियन
३. आर० बी० कपूर
४. बी० के० बनर्जी
५. एस० एस० शुक्ला
६. एच० एस० मेहता
७. एस० मलिक
८. बीपांकर सरकार
९. सी० बी० नगेन्द्रा
१०. जी० भद्राचार्य
११. आर० बैंकटारत्नम
१२. बी० एन० रस्तन
१३. आर० एन० त्यागी
१४. क० पी० राव
१५. आर० कृष्णामूर्ति
१६. बी० एस० जफा
१७. क० सम्पत कुमार
१८. बी० स्वामीनाथन
१९. आर० कल्याणासुन्दरम्
२०. बी० बी० अदाबी

आर० एस० बड्डी,
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा और विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय

बम्बई-400022 दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० 17/24/75-स्थापना—महानिदेशक, कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, बम्बई ने श्री एस० एम० दिवेकर उत्पादिता अधिकारी (सांख्यिकीय) का सरकारी सेवा से त्याग पत्र 30 जून, 1979 अपराह्न से मंजूर कर लिया है।

ए० के० चक्रवर्ती, महानिदेशक

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

आयात निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/481/57-प्रशासन (राज०)/7326—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री एच० एल० बहल ने 31 अगस्त, 1979 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 6/1216/77 प्रशासन (राज०)/7335—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रबरण वर्ग के अधिकारी श्री खुशी राम ने 31 अगस्त, 1979 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० एस० श्रावण, उप-मुख्य नियंत्रक
हुते मुख्य नियंत्रक

उद्योग मंत्रालय

(श्रीदीगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 सितम्बर 1979

सं० ए०-19018/(156)/74 प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग शाखा संस्थान जम्मू में सहायक निदेशक ग्रेड-II (आर्थिक अन्वेषण) श्री केनाश नाथ को दिनांक 4 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक उसी संस्थान में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (आर्थिक अन्वेषण/उत्पादन सूचकांक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(401)/79-प्रशासन (राज पत्रित)—राष्ट्रपति जी, श्री डी० वंधोपाध्याय को दिनांक 3 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक विस्तार केन्द्र, यमुनानगर में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (धातुकर्म) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 सितम्बर 1979

सं० ए०-19018(427) 79-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (कांच/मृत्तिका) श्री ए० एस०

अनन्त को दिनांक 3 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (कांच/मृत्तिका) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्रपाल गुप्त, उप निदेशक
(प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1978

सं० प्र०-1/1(870)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) भारतीय पूर्ति सेवा, गुप्त ए० के ग्रेड-III) श्री के० के० दीवान को दिनांक 24-9-79 के पूर्वाह्न से इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में तदर्थ आधार पर उप-निदेशक पूर्ति तथा निपटान (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर, उप-निदेशक
(प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० ए०-19011(257)/79-स्था० ए०—श्री पी० जी० कुलकर्णी भारतीय सांख्यिकी सेवा ग्रेड-III अस्थाई अधिकारी को भारतीय खान ब्यूरो में उप-खनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकीय) के पद पर दिनांक 25-8-1979 के पूर्वाह्न से नियुक्ति प्रदान की गई है।

एस० बालागोपाल, कार्यालय अध्यक्ष

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० 4(85)/77-एस०-I—आकाशवाणी, पूणे के कार्यक्रम निष्पादक, श्री एस० सी० टप्पा, ने अपना त्याग पत्र स्वीकृत होने के फलस्वरूप, 31 अगस्त, 1979 के अपराह्न को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उपनिदेशक।
हुते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

(फिल्म प्रभाग)

बम्बई-26, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० ए०-19012/1/79-सिवन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली के स्थानापन्न आर्टिस्ट ग्रेड-I, श्री जी० एस० सिंगर को दिनांक 3-9-1979 के पूर्वाह्न

से अगले आदेश तक फ़िल्म प्रभाग, बम्बई में इन बिट्टीन फ़िल्म एनीमेटर के पद पर नियुक्त किया है।

न० ना० शर्मा, सहायक
प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निमत्ता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर, 1979

सं० 12026/6/79-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री सिंहा राम गोयल को इस निदेशालय में 3 अक्टूबर, 1979 से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-38013/1/79-स्थापना—अधिवार्षिकी आयु हो जाने पर इस निदेशालय के श्री एन० परमानन्द लेखा अधिकारी 30 सितम्बर, 1979 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

जनकराज लिखी
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते वि० और दू० प्रचार निदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० ए०-12025/12/78 प्रशासन-1 (भाग)—राष्ट्रपति ने डा० ए० बी० हीरोमणि को 6 सितम्बर, 1979 अपराह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई विल्ली के आधीन केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो में उप निदेशक (अनुसंधान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

सं० ए०-19019/13/79-के० स० स्वा० से०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री मोहम्मद इल्यास खां को 6 सितम्बर, 1979 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में यूनानी फिजीशन के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 15 अक्टूबर 1979

सं० ए० 19019/14/79-के० स० स्वा० यो०-I :—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० मोहम्मद कुतुबुद्दीन फ़रखी को 6 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद में यूनान चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

एस० पी० पाठक,
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण भवालय
विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय
फरीदाबाद, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

सं० ए० 19023/1/78-प्र०-III—जामनगर में इस निदेशालय के विषयन अधिकारी डा० एम० राजा रोम का तारीख 24-9-79 को निधन हो गया है।

सं० ए० 19025/78/78-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री कृष्ण कुमार सिंह सिरोही, को जो अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 15-9-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 16 अक्टूबर 1979

सं० ए० 19025/17/79-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री एच० एन० शुक्ल को, जो अल्पकालीन आधार पर स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं, तारीख 15-9-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार,
कृते कृष्ण विषयन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग
नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना
नरौरा, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० न० प्र० वि० प०/प्रशा/1(156)/79-एस०/11278—नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियंता, श्री विजय पाल सिंह, स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में तद्देश आधार पर, नियंत्रण अस्थाई रूप में रु० 650-30-740-35-880-द० रो० 40-960/- के वेतनमान में दिनांक 25 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्न से भूमि विवरण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से अधिक्षम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन,
प्रशासन अधिकारी
कृते मुख्य परियोजना अभियंता

(परमाणु ऊर्जा विभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

मं० प० ख० प्र०-1/12/79-प्रशासन—इस कायालिय की दिनांक 23 अगस्त, 1979 के समसंब्धक अधिसूचना का स्थानापन्नता करते हुए परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाण

खनिज प्रभाग के निदेशक परमाणु खनिज प्रभाग के हिन्दी अनुवादक श्री सोम नाथ सचदेव को उसी प्रभाग में 16 अगस्त, 1979 की पूर्वाह्न से 15 सितम्बर, 1979 अपराह्न तक और 24 सितम्बर, 1979 की पूर्वाह्न से 27 सितम्बर, 1979 अपराह्न तक की अवधि के लिए श्री टी० एस० नारायण सहायक कार्मिक अधिकारी जिन्हें प्रशिक्षण कार्यालयी छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर पूर्णतया अस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

संख्या प्र-1 1/12/79 प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक श्री टी० एस० नारायणन को उसी प्रभाग में 28 सितम्बर, 1979 को पूर्वाह्न से 31 अक्टूबर, 1979 अपराह्न तक की अवधि के लिए श्री टी० एस० नारायणन सहायक कार्मिक अधिकारी जिन्हें प्रशिक्षण कार्यालयी के लिए गए हैं, के स्थान पर पूर्णतया अस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-1/12/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक श्री लक्ष्मी नारायणन को उसी प्रभाग में 3 अक्टूबर 1979 को पूर्वाह्न से 9 नवम्बर, 1979 अपराह्न तक की अवधि के लिए श्री जे० आर० गुप्ता सहायक कार्मिक अधिकारी जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर पूर्णतया अस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 अक्टूबर 1979

सं० ए० 32014/2/79-ई० डब्ल्यू०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री संदीप कालरा को 29 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से छः महीने की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर नागर विमानन प्रभाग में सहायक परियोजना अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। और उन्हें मुच्यालय के उपस्कर निदेशालय में तैनात किया है।

वी० वी० जौहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय,

देहरा दून, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

सं० 16/326/79-स्थापना-1,—अध्यक्ष, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरा दून, श्री जी० एन० खर्कवाल, अनुसंधान अधिकारी (तदर्थ) को दिनांक 23-3-1979 से नियमित रूप से सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरुदयाल मोहन
कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहृतालय

बंगलौर, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० 15/79—निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क के निरीक्षणकों (वरिष्ठ श्रेणी) को स्थानापन्थ प्रधीक्षक, समूह “बी” के रूप में समयमान वेतन श्रेणी रु० 650-30-740-35-810 रु० 35-880-40-1000-रु० 40-1200 में, अगले प्रावेश होने तक उनके नामों के प्राप्त अंकित तारीख के अनुसार उनकी पदोन्नति हुई है।

क्रम	अधिकारी का नाम	दिनांक
सं०		
1	2	3
1.	वी० एन० देशपांडे	16-7-1979 पूर्वाह्न
2.	एल० एन० देसाई	9-7-1979 पूर्वाह्न
3.	एस० जी० नाइक	6-8-1979 पूर्वाह्न
4.	एम० एस० गार्ड	9-8-1979 पूर्वाह्न
5.	जी० एच० पाटिल	9-7-1979 पूर्वाह्न

रवीन्द्रनाथ मुक्त श्राई० आर० एस०
समाहृता

बड़ीदा, दिनांक 12 सितम्बर 1979

सं० 12/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, सूरत के सहायक समाहृता के अधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ख” के प्रधीक्षक श्री एच० एन० सभ्रवाल वृद्धावस्था पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-8-1979 के अपराह्न से निवृत हो गये हैं।

दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० 13/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, अहमदाबाद के उप समाहृता के अधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “क” के सहायक समाहृता श्री जे० एस० दवे वृद्धावस्था पेशन की आयु होने पर दिनांक 30-9-79 के अपराह्न से निवृत हो गये हैं।

सं० 14/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद के सहायक समाहृता के अधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ख” के प्रधीनक श्री वी० एस० पड़या वृद्धावस्था पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-9-79 के अपराह्न से निवृत हो गये हैं।

जे० एस० वर्मा
समाहृता,

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1979

सं० 10/79—कार्यालय प्रधीक्षक, श्री मानवेश चन्द्र मालिक को, दिनांक 25-9-79 के पूर्वाह्न से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नयी दिल्ली में, श्री एस० एन० वर्मा (प्र० श्र०) के निरीक्षण प्रधिकारी मुप्र “ख”

के पद पर नियुक्त किए जाने से रिक्त हुए स्थान पर स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

ह० अपठनीय
निरीक्षण निदेशक

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० 11 टी० आर० (7)/78—राष्ट्रपति श्री भारती एन० देरा को 1 अगस्त, 1978 (पूर्वांक) से आगामी आदेशों तक मरीन इंजीनियर प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में इंजीनियर अफसर के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० सिधु,
नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक अक्टूबर 1979

सं० 19013/6/79-प्रशा० चार—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, एतद्वारा श्री विनोद कौल को पूर्णतया तत्वर्थ आधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 16-8-79 के अपराह्न से, अगले आदेशों तक, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० ए०-19012/776/79-प्रशा० पांच—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों के आधार पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री रमेश लालचन्द कवाले को गंगा ब्रेसिन जल संसाधन संगठन में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न क्षमता में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 8 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

2. श्री रमेश लालचन्द कवाले उपरोक्त पद पर 8-8-1979 से दो वर्ष तक की अवधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

दिनांक 10 अक्टूबर 1979

सं० 19013/7/79-प्रशा० चार—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस० वेंकटरमन, वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक (हाइड्रोमेट) को अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 17-8-79 (पूर्वांक) से पूर्णतया अस्थायी एवं तत्वर्थ आधार पर, आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अक्टूबर 1979

सं० 19013/9/79-प्रशा० चार—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री पी० भूयान, वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक (हाइड्रोमेट) को अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 16-8-79 की पूर्वाह्न से पूर्णतया अस्थायी एवं तत्वर्थ आधार पर, आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं।

जे० के० साहा,
अवर सचिव

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

सं० 23/2/77-ई०सी०-२—के० लो० नि० वि० के निम्नलिखित अधिकारी वार्षिक की आयु प्राप्त करने पर विनांक 31 अगस्त 1979 (अपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

अधिकारी का नाम वर्तमान पदनाम

- श्री टी० विक्टर . कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यांकन) यूनिट 3, इन्कम टैक्स विभाग, बंगलौर।
- श्री के० एम० अश्रवाल कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) “एच” डिवीजन, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली 29-8-79 (अपराह्न) को सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

2. सेवा निवृत्त होने के नोटिस की स्वीकृति होने पर श्री जी० एस० गोपालाकृष्णन, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), मूल्यांकन विभाग, नई दिल्ली 29-8-79 (अपराह्न) को सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सु० सु० प्रकाशराव
प्रशासन उपनिदेशक
कृते निर्माण महानिदेशक

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1979

सं० 78/डब्ल्यू० 6/टी० के०/२—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) एतद्वारा मध्य रेलवे के नागपुर मण्डल के परसिया यार्ड में छोटी लाइन के रेल पथ (1.17 कि० मी०) के अनुरक्षण के काम को विक्षिप्त पूर्व रेलवे को हस्तान्तरित करने की स्वीकृति प्रदान करता है।

2. यह समायोजन रेल पथ के समुचित अनुरक्षण की वृष्टि से किया गया है।

के० आलमगढ़न,
सचिव, रेलवे बोर्ड
पवेन संयुक्त सचिव

दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काउंट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

स०० नारायणन,
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
कानपुर यू० पी०

दर्शिण मध्य रेलवे

कार्मिक शाखा

सिकन्दराबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1979

सं० पी०/गजट/185-लेखा—निम्नलिखित अधिकारियों को भारतीय रेल लेखा सेवा के वरिष्ठ वेतनमान (रु० 1100-1600) में प्रत्येक के नाम के सामने बतायी गयी तारीख से स्थायी किया जाता है:

क्रम सं०	अधिकारियों के नाम	जिस तारीख से स्थायी किये गये हैं
1.	श्री पी० कौ० बसु (मुख्य खाजारी के रूप में)	25-09-77
2.	श्री एस० पार्थसारथी (वरिष्ठ लेखा अधिकारी के रूप में)	06-07-78
		एन० नीलकंठ शर्मा, महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और यू० पी० गैरेज प्राइवेट लिं० के विषय में

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1979

सं० 11751/3788-एल० सी०—अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर यू० पी० गैरेज प्रा० लि० का नाम इसके प्रति कूल कारण

कम्पनी अधिनियम 1956, और बालमुरुगन चिट फंड (पा० डि० चे० री प्राइवेट लिमिटेड) के विषय में

पांडिचेरी, दिनांक 8 अक्टूबर 1979

सं० 93—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) की अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि बालमुरुगन चिट फंड (पांडिचेरी) प्राइवेट लिमिटेड का ना मार्ग रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गई है।

एस० भार० थी० वी० सत्यनारायना
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पांडिचेरी

आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 11 अक्टूबर 1979

सं० एफ० 48-ए०डी० (एटी०)/79—श्री बनवारी लाल, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जिला परिषद, बलिया, उत्तर प्रदेश सरकार को सहायक पंजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ, इलाहाबाद में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर श्री एच० सी० श्रीवास्तव, सहायक पंजीकार जिन्हें स्थानान्तरित किया गया, के स्थान पर दिनांक 4-10-79 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश होने तक अस्थायी कामता में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 4-10-79 (पूर्वाह्न) से दो वर्षों के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

पी० डी० माथुर,
अध्यक्ष
आय-कर अपील अधिकरण

प्रकृष्ट प्राइंट ई। एस। एव।—
प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
बारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेन रोड-2, पूना

पूना-9, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० बाम्बे/457/79-80—
यतः, मुझे, ए० सी० चन्द्रा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 185 गोडोली सातारा और
सी० टी० एस० नं० 523-ए सदर बाजार, सातारा, है, तथा जो
बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-1979
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहस्पतान
प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की गई है और मुझे वह विवास करने
का कारण है कि वहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
बृहस्पतान प्रतिफल से, ऐसे बृहस्पतान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों)
के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए तथा पाया बया प्रतिक्रिया, भिन्न भिन्न
उत्तरण से उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्तविक कप हें किंतु महीं
किया गया है—

(क) उत्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी घन या प्रथम वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1923
(1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-हर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोवतावर
अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया थाहिये था, छिगाने में सुविधा के लिए;

आ। अब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ए के बन्दुकरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ए की उपबारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ता :—
2-306GI/79

1. कल्यानी कंसटेट्स प्रा० लिमिटेड 221/डी पार्वती
निवास, कल्यानी नगर, पूना-411040।
(अन्तरक)

2. भारत फोर्ज कंपनी लिमिटेड मुंबई, पूना-411039।
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके गुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, भग्नोहस्ताक्षरी के पाय
सिखित में किये जा सकेंगे।

तरलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो आर० एस० नं० 185 गोडोली गांव सातारा
और सी० टी० एस० नं० 523-ए सदर बाजार सातारा में है
और जिसके लाई नं० 1 से 27, 29 से 42, 45, 46, 48
से 59, 74 से 107 जिसका क्षेत्रफल 35,020-66 वर्ग मीटर
है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नमांक 1082 दिनांक
30-3-79 को सदर-रजिस्ट्रार, बम्बई के दफ्तर में लिखा
है)।

ए० सी० चन्द्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
ग्रजेन रोड, पूना

तारीख : 27-9-1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, प्ररणाकुलम कोचिन

कोचिन-16, दिनांक 4 अक्टूबर 1979

निर्वेश सं० एरन० सी० 319/79-80—यतः, मुझे, के० नारायण मेनोन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो त्रिचूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, त्रिचूर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-5-1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रनत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और प्रनत्तरिती (प्रनत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी बार की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या दिसां धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ प्रतिरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूँदा के लिए;

अतः मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपलाय (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. श्री एन० विश्वाला वेई अम्गाल और अन्य, प्रचूर।
(अन्तरक)
2. श्री के० सी० प्रकाशन और 6 अन्य, कैलार्ड हाउस, मिशन क्वार्टर्स, विचूर।
(अन्तरिती)
3. कम्बार्ड ट्रिप्टोरियल कॉलेज, त्रिचूर (वह व्यक्ति, जि र सम्बन्ध में नम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रश्नेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुख्य की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी यवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग जो उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

37 Cents of land with buildings in Sy. Nos. 1313/6, 7 and 8 of Trichur Village, as detailed in the Schedule attached to document No. 2658/79 dated 8-5-1979 registered at the S.R.O. Trichur.

के० नारायण मेनोन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कोचिन-16

तारीख : 4-10-1979
मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिंडा,

भटिंडा, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० पी० सं० 608—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शामार मूल्य 23,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो जैतों मण्डी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जैतों में रजिस्ट्रोफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंतर्गत, तारीख मार्च 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिकार के उचित प्रतिक्रिया के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वराहार्थीम सम्पत्ति का उचित शामार मूल्य, उसके दृष्टिकोण प्रतिक्रिया में, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तर पाया गया प्रतिक्रिया प्रतिक्रिया उद्देश्य से उक्त फ़ार्मारण लिखित में शास्त्रिय रूप से किया रहा रिकार्ड रखा गया है:—

(*) अन्तरग में हूई किसी प्राप्त की शब्दत, उक्त प्रधिनियम के प्रतीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविषा के लिए; और/या

(**) ऐसी किसी प्राप्त या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविषा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती वीरो देवी विधवा लाला नगीना मल पुत्र रत्ना राम वासी जैतो मण्डी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कैलाण रानी पुत्री कौट सैन 1/2 कौट सैन पुत्र बाबू राम वाली B-VI-107 गली माटिया मन्दा राम जैतो।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताभारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अनुसूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकें।

इच्छाकार्य:—इसमें प्रायुक्त शब्दों और रद्दों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रधायाप 206 में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, और उस प्रधायाप में दिया गया है।

अनुसूची

मान का एक कमग जो कि विलेख नं० 1460, मिला मार्च 79 को रजिस्ट्रीकर्ता जैतो में लिखा गया है।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिंडा

तारीख: 17-8-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० ए० पी० सं० 609—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो
कसूरीगेट फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा॒ अधिकारी
के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विवास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का अन्तर अतिकृत अधिक है और अस्तरक
(अस्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ज्ञेय
से उक्त अन्तरण लिखित में वाहउचित रूप से कार्यित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और

(ब) ऐसी किसी आय पा किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या अन्तर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
के लिए;

अउः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपलाप्त (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अवैतुः:—

1. श्री सोहन लाल राजपाल कपूर पुत्र मोहनी लाल पुत्र
राम चन्द्र मला छोलीयत बाल फिरोजपुर।
(अन्तरक)
2. श्री सन्त राम पुत्र मोहन लाल आई०एस कसूरी गेट
फिरोजपुर।
(अन्तरिती)

3. जैसे कि ऊपर न०० २ में लिखा गया है (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन
सिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में साप्ताह होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

महता छोलीया कसूरी गेट फिरोजपुर जैसे कि विलेख न००
5310 मिती फरवरी 1977 को रजिस्ट्रीर्टा॒ अधिकारी
फिरोजपुर में लिखा गया है।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 17-8-1979

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० ४० पी० न० ६१०—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो मखूगेट सरकुनर रोड में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकरण के लिए प्रत्यक्षित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि याहूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपरे दृश्यमान प्रतिकरण से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रत्यक्षित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रतन कुमार सरदा पुत्र प्ररेजन सिंह पुत्र सुखदेव पूत्र चन्द्र।

(अन्तरक)

2. श्री जगतार सिंह पुत्र अर्जन सिंह वेनी सिंह पुत्र गुरमुख सिंह भगत सिंह पुत्र वासी गुरमुख सिंह आई०/एस० भागदादी गेट फिरोजपुर शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोदृस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मखू गेट सरकुनर रोड जैम कि बिलेक्ष नं० 5646 मिती फरवरी 79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा गया है।

सुखदेव चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 17-8-1979

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एम०----

अप्रहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 614—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इच्छित उपवात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सभ्म प्राधिकारों को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि ऊपर अनुसूची में लिखा गया है तथा जो विविल लाईन भट्टिडा में स्थित है (और इससे उपाबण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, भट्टिडा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या भव्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रसः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारों, प्रार्थी:—

1. श्रो रमेश चन्द्र पुत्र सदा राम वकील
(अन्तरक)
2. श्री अतीत प्रशाद जैन पुत्र ज्ञान चन्द्र जैन डी०-12 मिलिल स्टेशन, भट्टिडा
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की वह सूचना जाये करके पूर्वीन सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के व्यवस्था में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इप सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन से प्रवृत्ति गा तरत्तुम्बी व्यक्तियों पर पूचना की गामी ते 30 दिन ता प्रवृत्ति, जो भी व्यवृत्ति बाब में तनाम्त होनी हो, के भीतर पूर्वीन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्वाप्ति सम्पत्ति में हितबद्ध होनी प्रति व्यक्ति द्वारा, प्रयोगसाक्षरी के पास रिक्ति में किए जा सकेत।

प्रधीनी हटा:—इन्हे रामा गढ़ी और पर्वती हा जो उक्त प्रधिनियम के प्रयोग 20-ह में परिमाणित हैं, उड़ी प्रवृत्ति द्वारा ये उत्तराप्ति में दिया गया है।

अनुसूची

ज्ञाट प्रिविल स्टेशन भट्टिडा जो कि विलेख नं० 5141 में तिथि 7-2-79 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भट्टिडा में लिखा गया है।

सुखदेव चन्द्र
सभ्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख : 10-9-1979
मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश मं० ए० धी० नं० 615—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो
नीरीया वाला में स्थित है (श्री और इससे उपाबद्ध अनुसूची में,
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 13 फरवरी 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाठा गया प्रतिफल निम्नलिखित
बद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्य
अन्तरिती द्वारा प्रकट करी किया गया वा वा किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्तियों अधीस्त—:

1. विनोद कुमार पुत्र हरवंस लाल जैनो मंडी
(अन्तरक)
2. (1) श्री भूष मिह पुत्र श्री कूडासिंह श्रीमति मुख्यत्वार
(2) कौर पत्नि श्री भूष मिह नहेन वाला
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति,
जिसके अविभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सशक्ति में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जातना है
कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहेयः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तन्मन्दी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी अवधि द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
पन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिवारित हैं, वही
पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 100 कनाल नहेन वाला जैसा कि विलेख नं०
5226/13-7/79 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा
गया है।

सुखदेव चन्द

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, भटिंडा

तारीख : 10-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-----

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० पी० 616—यतः, मुझे, सुखदेव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अपर अनुसूची में लिखा गया है तथा जो कोटकपुरा रोड, मुक्तसर में लिखा गया है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एम्ब्राह प्रतिगत से प्रदिल्ल है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या

(च) ऐसी किसी पाय या लिसी घर या घर्य आमितियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के प्रमाणण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्रीसावणसिंह वकील मुक्तसर (अन्तरित)

2. (1) श्री गुरदीप सिंह सिंघु पुत्र संत तिह सिंधु पुत्र रणजीत सिंह सिंधु, (2) हरविन्दर सिंह पुत्र संत सिंह (3) जापिन्दर सिंह पुत्र गुरदीप सिंह, दलबिन्दर सिंह पुत्र गुरदीप सिंह निवासी नाथे फील्ड कोठी, कोटकपुरा रोड, मुक्तसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

5. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यशालियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरें अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि थाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाचर तंत्रित में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

इष्टव्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 73 मरला कोटकपुरा रोड, मुक्तसर जैसा कि लिखा गया नं० 3093 तिथि 28-2-79 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुक्तसर में लिखा गया है।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 10-9-1979
मोहर :

प्रूफ आई० एन० टी० एस०
प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० नं० 622—यत् मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि और संपत्ति त्रिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि उपर अनुसूची में लिखा गया है तथा जो कोटकपूरा (फौजी रोड) में स्थित है (और इससे उपर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, फरीद कोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनाने कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाले अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के दृश्यमान में, जैसे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षात् :—

3—306GT/79

1. सूरज भान पुष्प बिदरा वास पुल सभू राम साकिन कोट कपूरा
(अन्तरक)

2. श्री मोहर चन्द पुल नानक चन्द पुल राम दिल्ला मल साकिन गिला वाला जिला फिरोजपुर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोलिस्ताधरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोन्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधिया, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकें।

इन्द्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान जो कि विलेख नं० 215 तिथि 25-2-79 जो कि रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

सुखदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख : 17-9-1979

मोहर :

श्रृंगप शाही टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

268-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

4/14क आसफ़ ली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/फरवरी-34/4865/3268/11/0/79—यत्, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 268-व के प्रधीन सभी प्राधिकारी द्वा० यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी०-4/5-ए (नार्ट) है, तथा जो माडल टाऊन दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख, 7 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षद्वय प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से तुझे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उच्चने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छत या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की आरा 268-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 268-व की उपलब्धा (1) अधीन, विश्वासित अधिकारी, अवृत्त, ।—

1. श्री राम दत्त शर्मा सुपुत्र पंडित मनोहर लाल निवासी सी-415 ए, माडल टाऊन, दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमती निशाला जैन धर्म पर्नी सुमीर फुमार जैन निवासी मकान नं० ई० -43, न्यू राज नगर गाजियाबाद
(आनंदिती)

3. श्री बरसाती लाल शर्मा (-415ए, माडल टाऊन दिल्ली) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कायेवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में जोइ भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मकी अविकल्पों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अविक्षित द्वारा, प्रघोषित द्वारा, प्रघोषित द्वारा के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रकृत भव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20वां में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुखों

2 1/2 मंजिल मकान, जो कि बना है फी होल्ड प्लाट नं० सी-4/5 ए (नार्ट) भ्रेफल 146.10 वर्ग गज जो संपत्ति है। कालोनी माडल टाऊन एरिया गांव मलिकपुर उछाली दिल्ली। निम्न प्रकार स्थिति है :—

दक्षिण : मकान बना हुआ प्लाट नं० सी 4/6
उत्तर : मिडल विवार और पोरशन प्रोपर्टी का नं० सी 4/5 ए।

पूर्व : रोड़

पश्चिम : प्लाट नं० सी 4/5।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सभी प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-10-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी • एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/फरवरी-7/4838/
3268/11/10/79—यतः, मुझे, आर० बी० एस० आवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-क
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति विस्तार उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० 4223/1 है, तथा जो अन्सारी रोड़ दरिया गंगा
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 2 फरवरी 1979 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षहूँ
प्रतिगत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विविध में
व्यापक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तरण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त प्रस्तरण
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन्य या अन्य प्राप्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उससे प्रधिनियम, या अन्तर-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ भ्रस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपराने में सुविधा
के लिए;

अनु: अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-क के प्रनु-
सरण में, ये, उक्त अधिनियम की वारा 269-क की उच्चारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्राप्ति।—

1. कुमारी सुनीता नारायण, निशा नारायण और सुरेखा
नारायण सपुत्री श्री राज नारायण प्रो० श्रीमती ऊषा
नारायण धर्मपत्नी लेट श्री राज नारायण ए-17,
ग्रीन पार्क, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्रीमती शकुन्तला पाल धर्म पत्नी श्री जे० एस० पाल
382, घान सिंह नगर आनन्द पर्वत, नई दिल्ली ।
(2) श्रीमती पाल आशा धर्म पत्नी एस० डी० पाल
निवासी बी-5/175, सफदरजंग डलपर्मेट एरिया
नई दिल्ली । (अन्तरिती)
3. मेघर एसोसिएटी पिगमेंट कम्पनी लिमिटेड, रवि रवर
वर्क्स ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बाये रूपे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापेय।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्वारा किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोव्याप्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

इष्टव्यापरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस
ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 अनडिवाईडीड शेपर प्रोपर्टी नं० 422311 वार्ड
नं० 11 जिसका एरिया 117 वर्ग गज जो स्थित है अन्सारी
रोड़, दरिया गंग नई दिल्ली-2, निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्रोपर्टी नं० 4224

पश्चिम : अन्सारी रोड़,

उत्तर : गली

दक्षिण : प्रोपर्टी नं० 4222।

आर० बी० एस० आवाल
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-10-1979

मोहर :

प्रस्तुत प्राइंट डी० एन० एस०————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1,

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निरेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/फरवरी-6/411/
4837/3268/11/10/79—यतः मुझे, आर० बी० एल०
अग्रवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के
प्रधीन सकाम प्राविकारी को यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से
अधिक है।

और जिसकी सं० 4223/1 है, तथा जो अन्सारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली में स्थित है (आंग इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख 2 फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
युक्तमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को
जिन्हें भायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्ता अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधिन नम्नलिखित अवित्यों अर्थात्—

1. कुमारी सुमीता नारायण, निशा नारायण, सुरेखा नारायण
सपुत्री राज नारायण प्र० श्रीमती उषा नारायण
धर्मपत्नी लेट श्री राज नारायण निवासी ए-17
प्रीन पार्क, नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. श्री राहु पाल, रिशी पाल और गुजाल पाल
सपुत्र श्री एस० डी० पाल श्री श्रीमती आशा पाल
धर्मपत्नी एस० डी० पाल निवासी बी-5/175,
सफदरजंग डबलपर्सेट एरिया नई दिल्ली । (अन्तरिती)
3. मै० मैटल एण्ड मिनरल स कार्पोरेशन प्रा० लि०
4223/1 अन्सारी रोड, दरियागंज दिल्ली ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या उत्तरवांधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोटोक्सारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर, बेसमेंट प्रापर्टी नं० 4223/1 जो कि
अन्सारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली जो बनी प्लाट थोकफल
117 वर्गमीट्री 351.5 वर्गमीट्री जो निम्न प्रकार से स्थित
है :—

पूर्व	: प्रोपर्टी नं० 4224
पश्चिम	: अन्सारी रोड
उत्तर	: गली
दक्षिण	: प्रोपर्टी नं० 4222।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1
तारीख : 10-10-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी टी. एन. एस. —

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ए (1) के पश्चीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/फरवरी-8/4842/
3268/11-10-79—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ए
के पश्चीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि उक्त उक्त सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है।

और जिसकी मूल्य 4223/1 है तथा जो अन्सारी रोड, दरियागंज
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पुणी रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तुरक (अन्तर्को) और
प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य को बाबत, उक्त
प्रधिनियम के पश्चीन, कर देने के प्रस्तुरक के
वायित वें हमी करने या उपर्युक्त सूचना में सुविधा
के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या गम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाये प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के सुविधा के लिए;

यतः यद्यपि उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ए के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ए की उपग्राहा (1)
के पश्चीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्:—

1. कुमारी सुनीता नारायण, कुमारी निशा नारायण,
कुमारी सुरेखा नारायण पुत्री श्री राज नारायण
श्री श्रीमती ऊषा नारायण धर्म पत्नी लेट श्री राज
नारायण निवासी ए-17, ग्रीन पार्क नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रा जे० एल० पाल सपुत्र राम रत्न पाल, 382,
थान सिंह नगर आनन्द पर्वत, नई दिल्ली, कुमारी
काजाल पाल सपुत्री एस० बी० पाल, श्री श्रीमती
श्राणा पाल धर्म पत्नी एस० बी० पाल, बी०-5/175,
सफदरजंग डब्ल्यूमेट एरिया, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

3. मौ० एलकोवक्स मैटलस कार्पोरेशन 4223/1
अन्सारी रोड दरिया गंज दिल्ली।
(वह अक्तिन जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही
घर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक गेरीज निचले स्थान पर, दूसरी मंजिल और दो बरसाती,
शेष फलोर जिसका क्षेत्रफल 117 वर्गगज, धन छिवाइड भूमि
351.5 वर्ग गज प्रोपर्टी नं० 4223/1 स्थित है। अन्सारी
रोड, दरिया गंज, वार्ड नं० 11 नई दिल्ली-110002 और
बोडिड निम्न है:—

पूर्व : प्रोपर्टी नं० 4224 श्री भगवान दास

पश्चिम : अन्सारी रोड

उत्तर : गली

दक्षिण : प्रोपर्टी नं० 4222 श्री किरण शंकर।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-10-1979

मोहर :

प्रधन आई०टी०एन०एस०---
आयकर व्यविधिम्, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भजन रेज-II, दिल्ली-1
नई दिल्ली-1, दिनांक 10 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आई०ए० सी० एक्य०II/फरवरी-71/4963
3768/11/10/72—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर व्यविधिम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यविधिम्' कहा गया है), की
भारा 269-व के अधीन सकाम प्रविधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है
और जिसकी सं० 1732 है, तथा जो सोहन गंज, सोहरा कोठी
सड़ी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (श्रीदृष्टि से उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त व्यविधिम्
के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कभी
करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर व्यविधिम्, 1922
(1922 का 11) या उक्त व्यविधिम्,
या व्यव-कर. व्यविधिम्, 1957 (1957 का 27)
के प्रशोत्रनाथ प्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी जाता साहित् या, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त व्यविधिम् की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त व्यविधिम् की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रकारः—

1. श्री बनी प्रसाद सपुत्र श्री धनरूप मल निवासी 1732
सोहन गंज, सोहरा कोठी, सड़ी मण्डी, दिल्ली ।
(अन्तरक)
2. श्री नहार मिह जैन सपुत्र सीतल प्रसाद जैन, श्री पाल जैन
सेलफ विजय पाल जैन । श्री महीपाल जैन, प्रदीप
कुमार जैन सपुत्र नहार मिह जैन श्रीमती कैलाश वती
धर्म पत्नी नहार मिह जैन, 2880 गली धर्मशाला
मण्डी मण्डी, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

3. (1) श्री आर० पी० कौशिक
(2) किशोरी लाल
(3) श्री मान सिंह तमाम निवासी 1732, सोहन गंज
शोरा कोठी, सड़ी मण्डी, दिल्ली ।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के
लिए कार्यान्वयिता करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सदब्द में कोई भी व्यापेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
ओं भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में
हितवद्धि याद में समाप्त होती हो, प्रधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एवं व्यक्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त
व्यविधिम् के अन्याय 20-क में परिवर्णित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दो मंजिलामकान जो कि प्लाट नं० 59 और 60, एरिया
288 वर्ग गज, प्रोपर्टी नं० 1732 सोहन गंज, सोहरा कोठी
जो कि वार्ड नं० 12, सड़ी मण्डी दिल्ली में निम्न से हैः—

- | | |
|----------|-----------------------------|
| पूर्व : | प्रोपर्टी श्री उमराउ सिंह |
| पश्चिम : | गली |
| उत्तर : | प्रोपर्टी प्रादर्स |
| दक्षिण : | प्रोपर्टी पंडित जय नारायण । |

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अजन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 10-10-1979

मोहर :

प्रश्न प्राइंट टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफ़उली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० आर्ह० ए० सी०/एक्य०-JI/फरवर्स०-74/4930
—यतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
प्रधीन संभव प्राधिकारी को, यह विभास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० 746 से 748 (1/2 हिस्सा) है, तथा जो
चर्च मिशन रोड दिल्ली में स्थित है (आँग इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्टा अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 24 फरवरी 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विभास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
प्रभरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त से
उक्त प्रभरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।—

(क) उक्तरण से ही किझी आप की बाबत, उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त: प्रब्ल, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के मनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अवधियों, अर्थात्:—

1. श्री फकीर चन्द पुत्र लाला मंगत राम करता मैं० मंगत
राम फकीर चन्द (हि० अ० प०) निवासी 1-बी
अपर हिल रोड, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश, चन्द्र प्रकाश, वेद प्रकाश आनन्द प्रकाश
पुत्र गण श्रो फकीर चन्द निवासी-1 बी, अपर हिल
रोड दिल्ली व यशपाल मल्होत्रा पुत्र लक्ष्मी नारायण
मल्होत्रा निवासी डी-87, ईस्ट आफ कैलाश नई
दिल्ली

(अन्तरिती)

3. (1) श्री मोहन लाल नस्ला,
(2) श्री गुरचरण सिंह, जोगिन्द्र सिंह,
(3) गुर नाना ठायर हाऊस,
(4) श्री गुरदित्त सिंह जौली,
(5) नियोन साइन्स निवासी 746—
748, चर्च मिशन रोड, दिल्ली
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्लेन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अविक्त द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रभ्य अविक्त, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिचायित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 746-748 (नया) 403 ए (पुराना) बाई
नं० 3, चर्च मिशन रोड, सराय अहमद पर्स दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित है :—

- उत्तर : होटल प्रिस
दक्षिण : विक्रम होटल बिल्डिंग
पश्चिम : गली
पूर्व : बेन चर्च रोड।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्रदूष प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन मुश्तका

मारन भरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, आसफ़ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू-II/फरवरी/74/4966/
—यतः, मुझे, आर० वी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए-1/37 है, तथा जो राजपुर रोड़, सिवल
लाइन विल्ली में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 28 फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रनतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पराम
रण की प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण सिक्षित में
अन्तरिक्ष कर में फलित नहीं किया गया है)।—

(क) पन्तरण में हुई किसी धारा की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के पन्तरक के शायित्व
में कमी करन या उसमें बदलने में सविक्षा के लिए;
ओर/या

(क्ष) ऐसी किसी धारा की अन्तरिती को अन्तरित करने के अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरित
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वा ए प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त प्रधिनियम का धारा 269-वा के पन्तरण
में, ये, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-वा की उपकान (1)
अधीन निम्नलिखित अधितयों, अवृत्ति:—

1. मैं० सिध्धिया इन्वेस्टिमेंट प्रा० लि० मुख्य आफिस
वालियर, मध्य प्रदेश
(अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार मोदी, इन्दर कुमार मोदी, कृष्ण
कुमार मोदी पुत्रगण श्री सीता राम मोदी 8-राजपुर
रोड़ सिविल लाइन दिल्ली
(अन्तरिती)

जो यह मुश्तक आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए रायेंवाहियां करता है।

उक्त नियम के अर्जन के मुश्तक में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस मुश्तक के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधि या तस्मान्यां व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन जी प्रबंधि, जो भी
प्रबंधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मुश्तक के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्तान्कारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्वरूपोहरण:—इसमें पद्धति और वदों जा, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही
थर्थ होगा जो उस धृष्टाय में विद्या गया है।

अनुसूची

मकान नं० 37 ब्लाक नं० ए-1, जो फ्री होल्ड प्लाट
क्षेत्रफल 1521 वर्ग मीटर पर बना है, राजपुर रोड़, सिविल
लाइन, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व :	30 फुट चौड़ी सड़क
पश्चिम :	राजपुर रोड़
दक्षिण :	ब्लाक ए-2/37, राजपुर रोड़
उत्तर :	30 फुट चौड़ी सड़क।

आर० वी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई. टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

4/14क, आसफ़अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 अक्टूबर 1979

निर्देश मं. आई० ए० सी०/एक्य०II-/फरवरी/79/4964/

पठः, मुझे, आर० बी० ए.ल० अग्रवाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ए के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं.ए-2/37 है, तथा जो राजपुर रोड़, मिलिन लाईन दिल्ली में स्थित है (शोर इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य प्राप्तियों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवत्ति:—

4-306 GI/79

1. मैं प्रधिया इन्ड्रेस्ट्रीज प्रा० लि० मुख्य आफिस
ग्वालियर, मध्य प्रदेश
(अन्तरक)

2. मैं रूप चन्द्र विनोद कुमार (दि० श्र० प०) इनके
करता श्री रूप चन्द्र कटारिया, 145, जैन कालोनी
बीर नगर, राना प्रताप बाग, दिल्ली-7
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मांसपंथ में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजाव्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्द किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

सरलीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही मर्यादा होता है, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 37 ब्लाक सं. ए-2, जो फी होल्ड प्लाट भेवफल 1250 वर्ग मीटर पर बना है, राजपुर रोड़, सिविल लाइन दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है:—

पूर्व : 30 फुट चौड़ी सड़क

पश्चिम : राजपुर रोड़

उत्तर : ब्लाक ए-1/37, राजपुर रोड़

दक्षिण : 30 फुट चौड़ी सड़क।

आर० बी० ए.ल० अग्रवाल

मध्यम प्राधिकारी,

महायक प्रावकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-10-1979

मोहर :

प्र० प्र० भा० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग
शिलांग, दिनांक 6 अगस्त 1979

निर्देश सं०—अतः मुझ, रा० ना० बरा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दाग-नं० 3838 एवं 3825 पी० पट्टा नं०
17, एक० नं० 1 जोरहाट टाउन तथा जो रूपाही अली रोड,
शिव ब्लाक सागर जिला, आसाम जोरहाट में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जोरहाट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए
तथा गग गग प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण
लिखित में चास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मुहम्मद अब्दुल फजिल बरबोरा रूपही अली रोड,
जोरहाट
(प्रन्तरक)
2. श्री विमल भट्टाचार्य जी, रूपही अली, जोरहाट
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का परिमाप 2 कट्टा 4 1/2 (चार और आधा)
वर्षा उसके साथ आसाम टाइप घर परिमाप 1000/ब (अनु-
मान) रूपाही अली रोड, जिला, जोरहाट में स्थित है।

रा० ना० बरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

नारीख : 6-8-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी टी.एन.एस.—

आयकर व्यवित्रियम्, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 च (1) के प्रधीन सूचना:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, विनांक 11 जुलाई 1979।

निर्देश सं० ए० जे आरटी/28-29/418-19 यतः,
मुझे, रा० ना० बार,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा जाया है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० वाग नं० 3885 पी० पट्टा नं० 80 ब्लाक नं० 1 जोरहाट दाउन है, तथा जो जोरहाट रूपही अली रोड में स्थित है (और इससे उपावद भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोरहाट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख : 6 फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का प्राप्त ह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बोर्ड।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी बत या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया याया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जमीन का माप 1 कट्टा 1/2 आधा लड्चा, रूपही अली रोड, जोरहाट का सीब सागर जिला (असाम) में स्थित है।

रा० ना० बारा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

अतः यह, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णातः—

1. श्री कमल जजमान हजारीका रूपही अली, रोड, जोरहाट
(अन्तरक)

2. श्री भवर लाल गटानी पिता श्री चम्पा लाल गटानी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी घाषेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या उत्तममध्ये व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्राप्तोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिये जा सकेंगे।

इष्टोक्तरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में पदा परिभाषित है, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया जाया है।

तारीख : 6-8-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी टी.एन.एस.—

प्रधानकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जून 1979

निर्वेश सं० पी० आर० नं०/686 ए सी० क्य० 23-1415/
19-8/79-80—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।
और जिसकी सं० नोंध नं० 138, वार्ड नं० 13 है, तथा जो
अठवा लाईंस विस्वार, टी० पी० स्कीम, नं० 5, न्यूसीटी सर्वे
नं० 2773, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख फरवरी 1979 में
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यद्युपर्योक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे
अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित में वास्तविक रूप से क्षणित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षित के
दायित्व महमी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या इसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपबारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती उमिलाबेन बापु भाई श्रोफ, गोपीपुरा, सूरत
हाल में—54, मणीभुवन, हुजी रोड, सूरत-1
(2) श्री सतीश भाई बाबुभाई श्रोफ गोपीपुरा, सूरत,
हाल में 54, मणीभुवन हुजी रोड, सूरत-1
(अन्तरक)

2. श्री महेन्द्र छगनलाल झवेरी, जैन मन्दिर के सामने,
अठवा लाईंस, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाषेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि, या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उत्त प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, जिसका क्षेत्रफल 467-86 वर्ग मीटर है जो
वार्ड नं०-13 नोंध नं० 138 तथा वार्ड नं०-13 नोंध नं०
139 टी० पी० एस० नं० 5 सूरत में स्थित है, नया सीटी सर्वे
नं० नोंध नं० 2773 है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा
फरवरी 1979 में रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-6-1979
मोहर :

प्रूफ प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी० आर० 690/ए० सी० क्य० 23-1319/
19-7/78-79—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन
संख्या प्राप्ति को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर
सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० नोंदू नं० 692 है, तथा जो सिध्माता शेरी,
वाढ़ी पालिया, वार्ड नं० 9 सूरत में स्थित है (प्रीर इससे
उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-2-1979
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति ६ उचित बाजार मूल्य में कम का
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्याहारत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रत्याहारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं
किया जाया है:—

(क) प्रत्याहारण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त प्रत्याहा-
रण के अधीन कर रहे के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौरपा

(ब) ऐसी किसी शाय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बदलकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपाधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अंकितयों, अस्ति:—

1. श्रीमती विमलाबेन, रंगीलदास परमानन्द दास रसकपूर
वाला की विधवा सिध्माता शेरी, वाढ़ी पालिया,
सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री कंचन लाल सोमाभाई जाथापुरा, कनबी शेरी,
सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालियाँ जारी हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी अंकितयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
अंकितयों में में किसी अंकित ग्राहा ;
- (ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त अवधि बाद सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अंकित द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
प्रिवित में किए जा सकेंगे।

संज्ञीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वही मर्यादा द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
प्रिवित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

जमीन और मकान जो वार्ड नं० 9 नोंदू नं० 692
सिद्धमाता शेरी, धोशारी लोहाना महाजन वाढ़ी, सूरत में स्थित
हैं तथा जिसका कुल माप 129 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी सूरत द्वारा फरवरी 1979 में दर्ज किए गए रजिस्ट्री-
कृत विलेख में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख
संघर्ष प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 17-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०———
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी० आर० 687/ए० सी० क्य० 23-1421/
19-7/78-79—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इयथे से अधिक है
और जिसकी सं० नं० 121, 122, 123, 124 तथा सं० नं०
96, 97 और 127 है, तथा जो गांव सुलतानाबाद (डुमस)
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
तारीख फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिरथ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौद्योगिकी

(ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रता०, घब०; उक्त अधिनियम की घारा 269-ष के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-ष की उचितारा के (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति ।—

1. (1) श्री चिमन लाल मूलचन्द नवापुरा, फकीरा पूजा
शेरी, सूरत ।

(2) श्री चन्द्रकान्त मूलचन्द, नवापुरा, नागरदास शेरी,
सूरत

(अन्तरक)

2. श्री गोविन्दभाई डाह्याभाई पटेल भीमपोरवा ओरासी
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यद्य सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्राप्त व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित रूप से किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान जो सं० नं० 121, 122, 123, 124 तथा सं० नं० 96, 97 और 127 सुलतानाबाद (डुमस) सूरत में स्थित हैं जिसका कुल माप 16000 वर्ग गज है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा फरवरी 1979 से दर्ज किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1089 में प्रदर्शित है ।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1979

निर्देश सं० पी० आर० 689/ए० सी० व्य० 23-1422/
19-7/78-79—यह; मुझे, एस० सी० परीख,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद्ध नं० 329-बी वार्ड नं० 13 है, तथा
जो आरोग्य नगर, अठवा, सूरत में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-1-1979
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
एम्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरण) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में व्यापक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधां
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
आहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रद, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपस्थाता (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. (1) श्री हसमुखलाल ईश्वरलाल गांधी मोनी फालिया,
मेन रोड, सूरत।
(2) श्री नदवरलाल जैकिमनदाम मेहता, सूरत।
(अन्तरक)

2. श्री नयनाक्षी दिनेश चन्द्र वैद्य 2/1086, सग्रामपुरा,
छावालानी शेरी, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बद्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्हींकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुप्रत्र

नोंद्ध नं० 329-बी प्लाट नं० 5 में से पश्चिम दिशा में
422.34 वर्ग मीटर जमीन जो वार्ड नं० 13 नोंद्ध नं० 329-
बी आरोग्य नगर, अठवा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी सूरत द्वारा जनवरी 1979 में दर्ज किए गए रजिस्ट्री-
कृत विलेख नं० 827/79 में प्रदर्शित है।

ए० सी० परीख,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-23-2-2243/(829)/1-1/
79-80—यह, मुझे, एस० सी० परीष,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सबै नं० 79-1, 80 म्युनि० सेन्स नं० 1275-
ई-1, फायनल प्लाट नं० 390, टी० पी० एस०-3 के, अहमद-
बाद है। तथा जो मीठाखली दाने चंगीसपुर, चन्द्र कालोनी के
पास, अहमदाबाद में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूचीमें और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16, के अधीन 28-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ह) अन्तरण ने ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; प्रौर्या

(ख) ऐसो हिसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे नाशोर पाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पयोनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमः—

1. श्रीमती विनोदाबेन, माधवलाल नाथुभाई की पुत्री,
पुष्पक नं० 1, चन्द्रकालोनी के पास, गुलबाई का
टेकरा, मीठाखली, अहमदाबाद
(अन्तरक)

2. श्री मंगलवास डाहाभाई पटेल, बर्जनजीया हाऊस,
बीजापुर, (उत्तर गुजरात)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस पुक्ता के राजपत्र वे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रछाय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस प्रछाय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत, जो 'पुष्पक नं०-1, नाम से प्रख्यात है, जो 835
वर्ग गज क्षेत्रफल वाले प्लाट पर खड़ी है जिसका सबै नं०
79-1, 80, म्युनि० सेन्सस नं० 1275-ई-1, फायनल प्लाट
नं० 390, सब प्लाट नं० 1, टी० पी० एस०-3 के, है जो
मीठाखली चन्द्रकालोनी, गुलबाई टेकरा के पास अहमदाबाद
में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रेशन नं० 1974
तारीख 28-2-1979 वाले रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदाबाद
द्वारा रजिस्ट्री किए गए बाकी दस्तावेज में दिया गया है।

एस० सी० परीष
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 13-7-1979

मोहर :

प्र० श्रीमती मंजूलाबेन कांति लाल, श्रीमती मधुबाला प्रविणचन्द्र तथा अन्य दीवानपरा, मेन रोड, राजकोट।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सक्षायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-I-32085(830)/16-6/
79-80—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राविकारों का यह विश्वास करने का लाभ है कि स्थावर पम्पनि, श्रिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डा० याजिक रोड पर, रामकृष्ण नगर टेम्पल के पास, राजकोट है, तथा जो याजिक रोड., राजकोट में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से रु० के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए यह विश्वास करने का लाभ है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया में, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमाणण लिखित में जानकारी के साथ सुनिश्चित रूप में किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त प्राधिनियम का प्रभावित कर इन के प्रस्तरक के शरिक में उक्त उक्त उक्त प्रस्तरक के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राया किसी भूत या प्रत्या व्यक्तियों का अनुभावी आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 44) वा उक्त अधिनियम, या अनुभावी अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोगनावेद्य द्रव्यान्वयों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया गया ।

यतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-च अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपलब्धा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

5-306GI/79

1. श्रीमती मंजूलाबेन कांति लाल, श्रीमती मधुबाला प्रविणचन्द्र तथा अन्य दीवानपरा, मेन रोड, राजकोट।
(अन्तरक)

2. श्री हरीनाल नानजीभाई जोषी, पो० औ० के सामने,
5, भक्ती नगर सोसायटी, राजकोट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयी मूल्य करता हूँ।

उक्त संगति का प्रमेण न नवंग्रह दे कार्ड प्राप्त हो।

(क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या नक्सेबंदी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी उचित दाता;

(ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में द्रिश्वद किसी पन्थ विभिन्न द्वारा प्रघोषिता अनुभवी के पाय लिखित में किए गए मर्मों।

उपलब्धीकरण :-- इसमें प्रयुक्ता गद्दों और उक्त सा० त्रुक्त प्रधिनियम, के प्रधायाय 20-व में विभासित है, वही प्रथम होगा जो उक्त प्रधायाय में दी गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 692-6-54 वर्ग गज है जो डा० याजिक रोड, रामकृष्ण आश्रम के पास राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज नं० 742 तारीख 15-2-1979 में पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राविकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 18-7-1979

मोहर :

प्रह्लप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 जुलाई 1979

निवेदण सं० पी० आर० 692 श्रोती 23/1320/19-7/
79-80—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद्ध नं० 386, वाई नं० 1 है, तथा जो
भाया मोहल्ला, नानपुरा, सुरन में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, सुरन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 8-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
मय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
बिचित्र में शास्त्रार्थिह स्था ने लिखा नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी प्राय या किसी उत या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दाया प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

1. श्री फगामरीम खुदा बक्श, नारवाड़िया बिल्डिंग,
मालकम बाग, जोगेश्वरी, बम्बई ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री जयंतीलाल भगुभाई

(2) श्री जमनलाल, जयती लाल,

(3) श्री वनश्याम जयंतीलाल ब्रेगमपुरा, सूरन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओपः—

(क) इस भूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस भूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधीक्षस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

उपर्योक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान नोंद्ध नं० 386, जो भाया मोहल्ला
नानपुरा वाई नं० 1, सुरन में है और जिसका क्षेत्रफल 223,
स्क्वेयर गज है (223 स्क्वेयर मीटर) जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
सुरन में तारीख 8-2-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 27-7-1979

मोहर :

प्राई•टी०एन०एस०————

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

हार्षानंत्र, महायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1979

निदेश सं० पी० आर० ए० 711, पक्वी० 23-1488/
7-4/79-80—यतः, मुझे, एस० सी० परीब्र,
प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिपक्ता उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में प्रधिक है,

और जिसकी सं० नं० 256 पक्ती जमीन, टीका नं० रे० 68
प्लाट नं० 25 है, तथा जो नूतन को० आप० हा० सो० लि० नं० 1
दूधिया, तलाव, नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायाकिय
नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ख
16) के अधीन, तारीख 17-2-1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिरूप के लिए प्रत्यक्ष नी गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षिती
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथ याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्त-
विक रा में किया गया है:—

(१) अन्तरिक्षण ने इसी रिपो आव ला बाबन उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षके वायित्व में कमी
करन गा उसमें बचने में पुरिषा के किए; और/या

(२) एसा 'हो वाय गा रिमी गन या अन्य मास्तियों
को, जन्म भारतीय पायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 ख 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर भाग्नियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयाजनावं प्रत्यक्षती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
पुरिषा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग के अनु-
मत्तण में, जैसे, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त:—

1. (1) श्री राजन मनुभाई देसाई
(2) मुमोनबेन बापुभाई
(3) श्रीमती नीनाबेन मनुभाई देसाई
नूतन को० आप० हा० सो० लि० दूधिया तलाव,
नवसारी। (अन्तरक)
2. (1) हरीलाल पुरबोन्हम कपाडिया
(2) श्री महेश बन्द्र हरीलाल कपाडिया,
(3) नटवरलाल हरीलाल कपाडिया
(4) प्रकुनबन्द्र हरीलाल कपाडिया
2-3 टाटा हाउसिंग सेन्टर, लल्लूभाई पार्क रोड,
अंग्रेजी बेस्ट, बम्बई। (अन्तरित)

का यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्न के
विए कायंत्रादिया करा हूँ।

उक्ता संपत्ति के पर्वत न नं० ८० का भी प्राप्तेप।—

- (क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशर को तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अवित्तियों पर सूचना
की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों
में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशर की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलोक्तरण :—इस प्रयुक्ता अंदरी और बाहरी का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो, उस प्रधायाय
में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

जमीन जिसका रेवन्यू सं० नं० 256 है। और जो टीका
नं० 68 है और जो प्लाट नं० 25 में है। इसका क्षेत्रफल
415.208 स्क्वेयर मीटर्स है और जो नूतन को० आप०
हा० सो० लि० दूधिया तलाव नवसारी में स्थित है और जो
रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी नवसारी के कायाकिय में तारीख
17-2-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० परीब्र
सक्षम प्रधिकारी
महायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद
तारीख : 18-8-1989
मोहर :

प्रसूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त 1979

निवश सं० एस० सी० क्यू० 23-2-2083 (840)/11-1
79-80—अतः, मुझे, एस० सी० परीक्ष

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 258-1, पैकी जमीन है, तथा जो
लाल बाग तथा काशी विश्वनाथ मंदिर के पास, जुनागढ़ में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
26-2-1979 को।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
नन्दद्वय प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा यादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विवित में वस्तुविह रूप में किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन करने के प्रभारक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी ग्राम या प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
अनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रन: प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के प्रनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतु:—

1. (1) सर्वेश्वी नागरदास कालीदास,
- (2) प्राणलाल कालीदास,
- (3) अमृतलाल कालीदास,
- (4) धीरजलाल गोर्धन दास तथा
- (5) नवीनचन्द्र गोर्धन दास—उनके कुल मुख्यत्वार
श्री तुलसीदास कालीदास के मारफत नगर रोड,
हरकिशन मेन्जन, जुनागढ़।

(अन्तरक)

2. यदुनन्दन को० ओ० हाउसिंग सो० लि० प्रेसीडेंसी श्री
भरनभाई एन० काम्बलीया, के मारफत अद्वीर ग्रादर्स
क्लाउ अरचन्ट मांडवी चौक जूनागढ़

(अन्तरिती)

मा यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यकार्ताओं करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताभारी के पाय
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रस्तोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रम्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्यंत होगा जो उस प्रम्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 258/1, पैकी 1 एकर 0 गुणा है
जो लालबाग तथा काशी विश्वनाथ के पास जुनागढ़ में स्थित है
तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जुनागढ़ धारा विश्वनाथ देवीज नं०
203/26-2-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है याने प्राप्ती का
पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख
सभीम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 20-8-1979

मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त 1979

निर्देश मं० फ० सी० क्य० 23-ई-2083(841)/11-1/
79-80—पत्र; मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्रायिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 258/1 पैकी जमीन है, तथा जो लालबाग तथा काशी विश्वनाथ मंदिर के पास, जुनागढ़ में स्थित है (ओर इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश में उक्त अन्तरग निखित में वास्तविक रूप में कायत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरग से हुई किसी ग्राह की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निसी याव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षण:—

1. (1) श्री नागरदास कालीदास,
(2) श्री प्राणलाल कालीदास,
(3) श्री अमृतलाल कालीदास,
(4) श्री धीरजलाल गोरखन दास,
(5) श्री नवीनचन्द्र गोरखन दास, उनके कुल मुख्यार श्री तुलसीदास कालीदास के मारफत नगर रोड, हरकिंगन मेनशन, जुनागढ़

(अन्तरक)

2. श्री यदुनन्दन को० ओ० ह० मो० लि० प्रेसीडेंट श्री भरतभाई एन० काम्बलीया के मारफत अहीर ब्रदर्स, क्लोथ मरचन्ट मांडवीचौक जुनागढ़

(अन्तरिती)

ना० १५ जून १९८० तरीका द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोरणः—इनम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 258/1 पैके एकर-2 तथा 27 गुंठा है जो लालबाग तथा काशी विश्वनाथ मंदिर के पास जुनागढ़ में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जुनागढ़ द्वारा बिक्री दस्तावेज नं० 213/28-2-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है याने प्राप्ती का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख
महाम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 20-8-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायनु आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त 1979

निवेश सं० ए० सी० क्य० 23-2-2079(842)/11-6/
79-80—अतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
में प्रधिक है।

और जिसकी सं० सबै नं० 481-सी, रामनवमी' नाम से प्रख्यात
हमारत है, तथा जो डा० गोरखन दास रोड, सट्टा बाजार, वेरावल
में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेरावल
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तररीख फरवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमात्र
प्रतिफल के लिए प्रतिरक्षित की जर्ह है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि याचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान निहत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से प्रधिक है प्रोत्तर अनुरक्षण (प्रन्तरक) प्रोत्तर प्रन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं 'करा' गया है—

(क) अभारत से हुई किसी आय की बबत उक्त अधिनियम के वधीन कर देने के प्रत्यक्ष रूप दात्य
में कमी करने या उससे बचने में पूर्ण
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धारा या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, लियाने में मुश्किल के लिये;

प्रतः, प्रत, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1)
के वधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधिक—

1. श्रीमती राधा वेन उर्फ नर्मदा वेन मनसुखलाल शाह,
39, मंगटोपार्क, टैगोर रोड, सात्त्वाकुम (वेस्ट)
बम्बई-54—उनके कुल मुख्यार श्री चुनीलाल
नर्मदिनदास शाह सुभाष रोड, वेरापल, के मारफत
(अन्तरक)

2. श्री शांतीलाल दयालजी ठक्करगांव—मालीया हरीना
जिला—जुनागढ़
(अन्तरिती)

हा यह गुरुता गारो नरके गुरुता नमनि के अर्जन के
निराकारणीय करता है।

उक्त ग्रन्ति के अर्जन के प्रधान में लाई गी प्राप्तेः—

- (क) इस सूचना के ग्रन्ति में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उसके अंतियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्णतामें से
किसी अविन द्वारा,
- (ख) इस सूचना के ग्रन्ति में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त उपावर सम्पत्ति में हितष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ग उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
है। वहाँ अर्थ दाता, ग उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

'रामनवमी' नाम से प्रख्यात ईमारत जिसका सब नं०
481-सी है जो श्री गोरखन दास रोड, बहारकोट सट्टा बाजार
वेरापल में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वेरावल
द्वारा दिक्षित दस्तावेज नं० 397/फरवरी, 1979 से रजिस्टर्ड
किया गया है याने प्राप्ती का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया
है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
महायनु आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख : 20-8-1979
मोहर :

प्रष्टप प्राईंटी०एन०एस०——

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 अगस्त 1979

निर्देश सं. ए सी क्यू 23-I-2084(843)/11-1/
79-80—अतः, मुझे, एस० सी० परीख,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सभी प्रांधीनों का, वह विभाग हरा का कारण है
कि स्थानीय सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
प्पए से अधिक है।

और जिसकी सं. सर्वे नं. 258-1 जमीन है, जो लालबाग
तथा काशीविश्वनाथ मंदिर, जूनागढ़ में स्थित है 'और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
फर्टा अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1979
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिरक्षित को गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बावजूद अन्तरण के लिए वथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रकार कर के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य प्रास्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए.

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरम
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अवतः :—

1. (1) श्री तुलसीदास कालीदास स्वयं तथा

श्री नागरदास कालीदास,

श्री प्राणलाल कालीदास,

श्री अमृतलाल कालीदास,

श्री धीरजलाल गोरखन दास,

के कुल मुख्यत्वार—नागर रोड, हरविशन मेन्सन, जूनागढ़ ।
(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मी कार्पोरेशन, भागीदार श्री मोहनलाल धर्मशी
ध्रुव के मारफत, उपरकोट 'मोहन निवास' जूनागढ़ ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रतिधि या उसमध्ये अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रतिधि, जो भी
प्रतिधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अविक्षित द्वारा प्रयोगस्थानी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिचालित हैं, वही
प्रधं होया जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

प्रमुखसूची

जमीन जिसका सर्वे नं. 258/1 पैकी 3 एकर 27 गुण्ठा
है जो लालबाग तथा काशीविश्वनाथ मंदिर, जूनागढ़ में स्थित
है तथा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जूनागढ़ पारा बिक्री दस्तावेज
नं. 214/ 28-2-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है यानि
प्राप्ती का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 20-8-1979

मोहर :

प्रह्लप थाई० टी० एन० एम०-----

आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 23 अगस्त 1979

निर्देश सं० एसो० क्य० 23-I-2331(846)/11-6/
79-80—यह, मझे, एस० सी० परीब्र,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सम्भव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० म्युनिं वार्ड नं० 10, 5463 वर्ग मीटर
जमीन ऑफिस रूम वर्गीकृत है तथा जो तलाला रोड तथा सोमनाथ
टोकीज के सामने, वेरावल में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, वेरावल में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-21-979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
या

(ख) ऐसो निया पाय या निया धन व अन्य अन्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनक-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात् :—

1. सोनी रामनाथ जीवणभाई लोधिया तथा अन्य, बेंगलोर के,
कुनमुख्यार श्री सोनी ईश्वर नाथभाई के मारकत—
फोटोग्राफर स्टूडिओ, सड़ा बाजार, वेरावल।
(अन्तरक)

2. (1) श्री रमेशचन्द्र केशवलाल } केशुभाई की लाटी
(2) श्री धीरजनाल केशवलाल } वेरावल
(3) श्री हरपीठिं लोनावर, हंगीपन्नम निशाम,
राजमहल रोड, वेरावल।
(4) श्री तुरमोदाम जावड़ी, कोट के पास, वेरावल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवासित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
रामबाहिधा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्षियों पर
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति से हितकर
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
प्रत्येक होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5463 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाली वार्ड नं० 10 में जमीन
कम्पाउन्ड वाल तथा ऑफिस बैर वाली जो तलाला रोड तथा
सोमनाथ टाकीज के बाजु में वेरावल में स्थित है तथा बिक्री
दस्तावेज नं० 489/27-2-1979 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
वेरावल पारा रजिस्ट्रीकृत है (37 जी फार्म मार्च 1979 के
प्रथम फोर्टनाईट में प्राप्त हुआ) यानि प्राप्टी का पूर्ण वर्णन उसमें
दिया गया है।

एस० सी० परीब्र
सभम प्राधिकारी

महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-8-1979

मोहर :

प्रलेख आई० टी० एन० एम०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मिनम्बर 1979

निर्देश सं० पी० आर० 722 पृष्ठी० 23/1392/6-1/
79-80—यतः, मुझे, एम० सी० परीब,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 195/2 है, तथा जो 9-
भवनीनगर, वाडी वार्ड, प्रतापनगर रोड, उमिया विजय माँ मिल,
बड़ौदा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पृ
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 23-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्राप्त प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—306GI/79

1. श्री गजफर अली फनेह अली, 9-भवनीनगर, वाडी
वार्ड, प्रतापनगर रोड, उमिया विजय माँ मिल, बड़ौदा।
(अन्तरक)

2. मै० उमिया विजय माँ मिल, 9-भवनीनगर, वाडी वार्ड
प्रतापनगर रोड, बड़ौदा।
(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
तिरं कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रत्यधि वाद में रवाना होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वाद सम्पत्ति में हितबद्ध
होने प्रत्यक्ष ताकि द्वारा, अश्रोद्दस्ताश्री के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

इष्टोहरण :—इनमें प्रमुख गव्हर्नर और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
उन्होंने प्रत्यक्ष ताकि द्वारा, अश्रोद्दस्ताश्री के पास
दिया गया है।

अनुसूची

मनकियत जो 9-भवनीनगर, वाडी वार्ड, प्रतापनगर रोड,
बड़ौदा में है और जो उमिया विजय माँ मिल में है,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा के दफनर में तारीख
23-2-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है और जिसका रजिस्ट्रे-
शन नं० 196 है।

एम० सी० परीब
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-9-1979

मोहर :

प्रसूप प्राई. टी. एन. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं. पी०-प्रार० 726-एक्सी० 23-1326/19-7/
78-99—यतः, मुझे, एम० सी० परीख,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प
के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है

और जिसकी सं. नोंदा नं. 3416 और 3423 है, तथा जो
लीमडा शेरी, रामपुरा वार्ड नं. 7 सूरत में स्थित है (और
इसमें उपांचल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-2-1979
को उत्तोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
निम्नित उद्देश्य स उक्त अन्तरण नियित में बास्तविक रूप से
कठिन नहीं किया गया है :—

(क) यससे स ही किसी भाय की वाजत, अक्त
प्रायिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में वापी दर्जने या उसमें दर्जने में सुविधा के लिए;
बोर्ड।

प्रनुसूची

(ख) एसा कियी आय या उसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भासनीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-६३
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए या, लिपान में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269प के अनुसरण में
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269प की उपशासा (1)
के अधीन निम्ननिम्नित अवधार्त :—

1. श्री प्रेमजीभाई धोमनभाई मिस्ती रामपुरा मुख मार्ग, सूरत
(अन्तरक)
2. श्री गोपालभाई देवराजभाई पटेल महीधर पुरी, कसाग
शेरी सूरत
(अन्तरिती)

जो यह सूचना धारो करने पूर्याकृत सम्भाल के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

इन समानि के पर्वत के उच्चावधि में नोई वी पर्याप्त :—

- (क) इस यूनियन के राजावाड में पलांगन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो सी अवधि वार्द में
भमाल होती हो, के भीन्हर पर्वाकृत अविक्तियों में से किसी
अविक्त द्वारा;
- (ख) इस यूनियन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थापत्र सम्पत्ति अंतिम दस किसी
अन्य अविक्त द्वारा घोषोऽस्ताक्षरी के भास नियित
में किए जा रहे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, वा उक्त
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं
यही तर्ज होगा, जो उस अध्याय में हिया गया है

जमीन और मकान, जो नोंदा नं. 3416 और 3423
लीमडा शेरी रामपुरा वार्ड नं. 7, सूरत में हैं। और जो
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में तारीख 27-2-79
को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मित्स्वर 1979

निदण सं० पी० आर० 733 ग्रामीण० 23/19-7/79-80—
अतः, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/-
रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 141 पुराना स० नं० 159-1,
159-2, 161, 162 और 176 पैकी है तथा जो गांव
लसकाना, ता० कामरेज में स्थित है और हस्ते उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के प्रधीन, तारीख 15-2-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
मोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्दि किसी धारा की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी धारा किसी विशेष या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कर्ता ओफ एच० यू० एफ० बाली और मैनेजर :

(1) श्री हसमखलाल डाल्हाभाई

(2) मुशीला वेन डाल्हाभाई

रामपुरा, मेन रोड सूरत।

(अन्तरक)

2. मै० सभीर डायमन्ड मेन्य० के भागीदार :

(1) श्री सतीष कीर्तिलाल कोठारी

(2) श्री प्रदीप कीर्तिलाल कोठारी

(3) श्रीमती मधु मतीष कोठारी

(4) श्रीमती कल्पना प्रदीप कोठारी

(5) श्री महेन्द्र शान्तिलाल जावेरी

(6) श्रीमती स्मिता नरेन्द्र भेहता

(7) श्रीमती दशना अश्विन मेहता

नं० 1 का पता: 81, मुधा सोमायटी, बरेला रोड, सूरत।

नं० 2 से 7 का पता: 2502, "पंच रत्न" औपेरा हाउस,

बम्बई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भावेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मानी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो माप में 3 हेक्टर है और जो लसकाना गांव में
तालुका कामरेज में है जिसका नं० ब्लाक 141 पैकी, पुराना
स० नं० 159-1, 159-2, 161, 162 और 176 है जो
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कामरेज के दफतर में तारीख 15-2-79
को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रामदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निवेश सं० पी० आर० 734 एमीक्य० 23/19-7/79-80—
ए०, मुझे, एस० सी० परीख,
...कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ब्लाक नं० 141, पुराना सं० नं० 180 और
176 पैकी है, जो गांव लसकाना में ता० कामरेज में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथायौक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे ग्रन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफल रिमनिलिंग।
उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त, प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में
कमी करने था तभीसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आमिन्या
या, जिन्हें, भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः :—

1. कर्ता आंक पंच० घू० एफ० ब्रालो और मैनेजर —
(1) श्री वसंतलाल डाल्याभाई जर्जावाला
(2) श्रीमती तचनकान्ता वसंतलाल डाल्याभाई
(3) राजेश वसंतलाल
(4) श्री परेश वसंतलाल
रामगुरा, मेन रोड, सूरत। (अन्तरक)
2. मै० समीर डायमंड मैन्य० के साझीदार :
(1) श्री सतीश कीर्तिलाल कोठारी
(2) श्री प्रदीप कीर्तिलाल कोठारी
(3) श्रीमती मधु सतीश कोठारी
(4) श्रीमती कल्पना प्रदीप
(5) श्री भद्रेन्द्र शांतीलाल जावेरी,
(6) श्रीमती स्मिता नरेन्द्र मेहता,
(7) श्रीमती दर्शना अश्विन मेहता
नं० 1 का पता : 81, मुधा सोसायटी, वरेढा रोड,
सूरत और नं० 2 से 7 का पता : 2502, 'पंच रुन'
ओपेरा हाउस, बम्बई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका नं० ब्लाक 141 पैकी, पुराना सं० नं०
180 और 176 है। और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कामरेज
के दफ्तर में, फरवरी, 79 के महीने में रजिस्टर की गई है।

प्र० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के पद्धीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पी० आर० 735 प्र० सी० 23/19-7/
79-80—अतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के पद्धीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि सरावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से प्रधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 138, रे० स० नं० 175 और
177 है, जो गांव लक्साना, तालुका कामरेज में स्थित
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरितो (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल
मिन्हलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में व्याप्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बाध-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथवा घास्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उस प्रधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना आविष्ट था, छिपाने में दृष्टिक्षण के लिये;

अतः प्रद, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित वर्गितियों, पर्वती:—

1. श्री डाह्याभाई वजेराम, रामपुरा, मेन रोड, सूरत।
(अन्तरक)

2. मैं समीर डायमन्ड मैन्यू० के भागीदार:

(1) श्री सतीश कीर्तिलाल कोठारी

(2) श्री प्रदीप कीर्तिलाल कोठारी

(3) श्रीमती मधु सतीश कोठारी

(4) श्री महेन्द्र शंतिलाल जावेरी

(5) श्रीमती कल्पना प्रदीप कोठारी

(6) श्रीमती स्मिता नरेन्द्र मेहता

(7) श्रीमती दर्शना अश्विन मेहता

नं० 1 का पता: 81, साधना सोसायटी, वरेधा रोड, सूरत,

नं० 2 से 7 का पता: 2502, 'पंच रन' ओपेरा हाउस,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के
निम्न कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत सम्बन्ध में कोई आपका—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तक सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरों के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो माप में 3 हैक्टर, 30 चौरस मीटर है और
ब्लाक नं० 138 रे० स० नं० 175 और 177 है। ये गांव
लक्साना, तालुका कामरेज में हैं, और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,
कामरेज के दफ्तर में रजिस्टर की गई है।

एस० सी० परीख
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निदेश सं. पं० आर० नं० 736/एक्स० 23-2/19-2/
79-80—यह, मुझे, एस० सी० परिख,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और इसकी सं० लाक नं० 76 सं० 57 पैकी है, तथा
जो गांव सेगवा तह० कामरेज में स्थित है (और इससे उपबाह्य
श्रनुसूची में थीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के हायलिय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1903
(1908 वा 16) के अधीन, तारीख 23 फरवरी 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह
दिक्षिण दरते का तारण है कि यथापूर्वका सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
नियम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है—

(अ) अन्तरण से 3½ किमी दूर या लाजत उक्त अधि-
नियम, के अधीन बढ़ाने के अन्तरण के विषयव-
में कमी करने या उत्तरे उपरे में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1923
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपबाहा
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात्—

1. (1) श्री कल्याणभाई मगनभाई पटेल,
(2) श्री नटवरभाई मगनभाई पटेल

गांव, सेगवा ता० कामरेज

(अन्तरक)

2. श्री ठाकरभाई नारनभाई पटेल गांव सेगवा, तह०
कामरेज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

- (क) इष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्पञ्चन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

सरलीकरण :—इषमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो माप में 31552 चोरस फिट है और जो
गांव सेगवा तह० कामरेज में है, ये जमीन रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी कामरेज के कार्यालय में ता० 23-2-1979 को
रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परिख
सक्षम प्राधिकारी
महायक प्रायकर प्रायुक्त, निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम० ---

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 गिनम्बर 1979

निर्देश म० पी० आर० 737/एसीक्य०/23-II/19-2/79-
80—अन: मझे, एस० सी० पारीख,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269ब
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी म० ब्लाक म० 76, म० नं० 57, पैकी है
जो गांव सेगवा ता० कामरेज में स्थित है (श्रीर डम्बे उपायद्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 23-2-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री कल्यानभाई मगनभाई पटेल
(2) श्री नटवगभाई मगनभाई पटेल
गांव सेगवा, ता० कामरेज ।

(अन्तरक)

2. श्री रमेशभाई ठाकोरभाई पटेल
गांव सेगवा, ता० कामरेज ।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी रखने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
हिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो माप में 31784 चौरस मीटर है और जो
गांव सेगवा में ता० कामरेज में है जो रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, कामरेज के कार्यालय में ता० 23-2-1979 के दिन
रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
स्थायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 15-9-1979

मोहर:

का प्राइंट शॉप नं. १००-
ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, संवायकर ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 नवम्बर 1979

निदेश सं० पी० आर० 739/एक्यू/23-II/7-3/79-80--
अतः मुझे, एस० सी० परीख,

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अंतीम संबंध प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
प्रति से प्रधिक है।

और जिसकी सं० नं० 440 पैकी और सं० नं० 443 पैकी सं०
नं० 3154 से 3162 तक हैं जो दण्डा ता गनदवी में स्थित हैं
(और इससे उपावढ़, नुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय द्वारा, दिलीग्रेरा, गनदेश
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
17-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी ग्राम की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी ग्राम या किसी घन या अन्य ग्रामियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, ग्रा
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,
उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

1. (1) कानागोरी ईश्वरलाल देसाई
- (2) तमवेन डाहूयोमभाई देसाई

चीखली, नां चीखली।

(अन्तरक)

2. (1) मोहनभाई फुवेरभाई पटेल
- (2) पर्णपोतमभा फुवेरभाई पटेल
- (3) नवनीतनाल रनछोडभाई पटेल
माँफत रनछोडभाई काबाभाई,
देशगा-महादेवपुरा, विनीमोरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के नम्बर में कोई भी ग्रामेष्ट :—

(क) इन सूचना के नम्बर में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(घ) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :——इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सं० नं० 440, 443 पैकी फीटी
सं० नं० 3154 से 3162 तक है ये जमीन माप में
2818 चौरस सीटर्स हैं और देशरा विनी ओराम में है
ता० 17-2-1979 के दिन रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी, गनदेश के
कार्यालय में रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख
मकाम प्राधिकारी
संवायकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1979
मोहर

प्रलूप प्राईडे टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 नवम्बर 1979

रेफ० नं० ए० आर० 741/एक्स 23-II/7-3/79-80-

अतः मुझे एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधीकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिवकी सं० सर्वे 623 और सर्वे नं० 31 पैकी हैं तथा जो चिखला ग्राम पंचायत तालुका वलसाड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलमार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आप पा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति—
7—306GT/79

1. (1) श्री जिनाभाई केशुरभाई गना
- (2) श्री पुहषोलम दास केशुरभाई रामा वलसाड ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीनकुमार रावजीभाई पटेल द्वारा प्रकाण पोलटी फार्म डुनगा, ता० वलसाड,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त हो गी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो चिखला ग्राम पंचायत कि हृद में है और जिसका सं० नं० 623 और 31 कि पैकी है, ये जमीन माप में 9 एकड़ और 23 गुंडा है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वलसाड के कार्यालय में ता० 28-2-1979 को रजिस्टर्ड किए गई हैं ।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

निवेश मं० पी० आर० 742/एक्स० 23/4-3/79-80—

अतः मुझे एस० सी० परीब

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 28,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सबैं नं० 5 कि पैकी है तथा जो एस० टी० स्टैन्ड के पास भारूच में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूरी रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय भारूच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीननिम्नलिखित व्यक्तियों पर्यातः—

1. सोमाभाइ नानाभाइ

प्रवी पत्ती टेकरी फलीशा,
भारूच

(अन्तरक)

2. मै० अजन्टा कारपोरेशन के भागीदार,

(1) पूनेमभाइ एस० प्रजापति,
(2) नयनकुमार एम० भजमदार
ए० 1206, आफियसॅ कम्पाउन्ड,
एस० टी० बस स्टैन्ड के पास,
भारूच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायेवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जिसका सं० नं० 5 है और जो पैकी ए-3, और गुंडा 14 माप में है, ये जमीन ता० 9-2-79 के दिन रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, भारूच में रजिस्ट्रेशन की गई है ।

एस० सी० परीब
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 17-9-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी०आर० 743/एक्वी/23-II/1284/79-80—
अतः मुझे एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-प
के प्रधीन मामल प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 18, कि अतीरीकरन 0-26 गुंडा है तथा
जो और स० नं० 21 अतीरीकरन 0-16 गुंडा में स्थित है
(और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोजपुर न० भरुच में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 7-2-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पदा गया प्रतिक्र, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दूई किसी ग्राम की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, जिसने में
सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम, की आरा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की आरा 269-प की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों अन्तर्त:—

1. श्री इमराहीम इसा आदम मिडा

(2) अरेकद इसा आदम मिडा पटेल

(3) बाई कालीबेन, इसा सावालम मिडा पटेल
गांव भोजपुर
ता० भरुच।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स नरहरी प्रसाद एन्ड कं.

के पार्टनर :

- (1) श्री विनोद चन्द्र, भानुप्रताप पड़ौया,
- (2) दलीप कुमार, नरहरी प्रसाद भाऊ
- (3) ज्योतीसिंह दिनेश चन्द्र पंडया
- (4) नरहरी प्रसाद ए० भाऊ
- (5) सुमनबेन, नरहरी भाऊ

भरुच

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
पार्वतियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्प्रबन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोऽहरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सं० नं० 18 कि अतीरीकरन है जो भाष
में ए० ओ० और गुंडा 26 है, और स० नं० 21 की अतीरीकरन
ए० ओ० और गुंडा 26 है ये जमीन गांव मोजापुर में ता०
भरुच में है। और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भरुच के कार्यालय म
फरवरी, 1979 का रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख: 17-9-79

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घासा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० आर० 744/एक्वी 23-i-1313/19-8
79-80—अतः मुझे एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घासा 269-ब
के प्रधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इये
से अधिक है।

और जिसकी सं० नोंधनं० 890 है तथा जो वार्ड नं० 1, सूरत
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-2-79
को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वापावूर्तीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल त, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
पन्द्रहरा (पन्द्रहरी) व वार्ड ऐन प्रत्यरूप के लिए तर पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
आनंदित रूप न छिपा नहीं किया गया है :—

(क) पन्द्रहरा से हुई किसी प्राप को बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसो किसी प्राप या किसी बन या अन्य प्रापितयों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम भी भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, जो घासा 269-ब की उपबासा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. (1) श्री महेर कावशा नानावटी—पी० एच० होल्डर
- (2) श्रीमती खोरशेद रस्तम जी,
जेसीम बिल्डिंग, जमशेदजी रोड,
पारसी कालोनी दादर,
सूरत।
- (3) दोलत महेर नानावटी,
सूरत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री पमनजी खरशेदजी, बोम्बेवाला,
खेरनी बाजार, लाल गेट,
सूरत।
- (2) श्रीष्ठ भाई खरशेदजी,
खेरनी बाजार, लाल गेट,
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी आक्षयः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अधिकारी द्वारा
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अन्योदस्ताकारी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में परि-
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय
में विभा भया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो नोंधनं० 890, वार्ड नं० 1, सूरत में
हैं और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के कार्यालय में
तारीख 23-2-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 17-9-1979
मोहर:

प्रस्तुप पाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० क्रार० 744-ए/एक्वी 23-11/19-8/79-
80—अतः मुझे एस० सी० परीख

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इपए से अधिक है

और जिसकी सं० नोंडनं० 889-ए और 889-बी है (तथा जो
बोर्ड नं० 1, सूरत में स्थित है (प्रौढ़इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 23-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया परिकल्पना, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) प्रौढ़ग्रन्थ में दुई "हसीं पाय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कहाँ करते या उससे बचते में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसो कियी प्राय या निमो वन या वन्य प्रासितियों
को, जिन्हें भालौंय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-प की उपघारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के लिए :—

1. (1) महरे कापशा नानावटी, पी० ए० एल्डर

श्रीमती खोरशेद रमतमजी

(2) दौलत महरे नानावटी,

जेसीस बिल्डिंग,

जमशेद जी रोड, पारसी कालोनी,

दादर,

बम्बई।

(अन्तरक)

2. परसनजी खार चन्दजी बोम्बे वाला,

श्रीसभाई खारचन्द भाई

कट्टनी बाजार, लाल गेट

सूरत।

(अन्तरिती)

जो पूर्व सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरम्मनधी अवधियों वर
पूर्वना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अवधि द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्थानोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों परं द्वीपा जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो सूरत में हैं, जिसका नोंडनं०
889-ए और 889-बी और बोर्ड नं० 1 है ये मिलकत
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में 23-2-79 को
रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 17-9-79

मोहर :

प्रह्लप बाई० टी० एन० एस०—

प्रापकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा

२६९-ब (१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक १७ सितम्बर १९७९

निदेश सं० पी० आर० ७४५/एक्वी/२३-II-१३२४/१९-७/
७९-८०—अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'दस अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ब के प्रधीन संकाय प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० भी प्रधिक है और

जिसकी सं० नोंध नं० १९३९ वार्ड नं० २ है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६), के प्रधीन २०-२-७९ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का १५ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमाण निविन में वास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरग में तुझे किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम के बद्धीन कर देने के प्रत्यक्षक के दाविल में कमी करने या उसके बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त प्राप्ति की विवरण में अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६९-ब की उपधारा (१) के बद्धीन, निम्नलिखित अविळियों वर्ताव —

१. श्री ईश्वरलाल परमुभाई पटेल,
गांव भालीथा,
ता० बारडोली ।

(अन्तरक)

२. श्री इन्द्रावन प्रानलाल भट्ट,
सजयकुमार जेतनकुमार के बाली,
दरजी, शेरी, नानपुरा,
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी आमेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविळियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविळियों में से किसी अविळित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिव्यवद्ध किसी अन्य अविळित द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एप्पलीकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रापकर अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो सूरत में हैं जिसकी नोंध नं० १९३९ वार्ड नं० २ है और जो माप में ४७५.६ चौरस मीटर्स हैं। ये मिलीयत का रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में ता० २०-२-१९७९ को किया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: १७-९-१९७९
मोहर:

प्रध्य प्राईडी० एन० एम०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० आर० 746/एक्सी/23/II/1325/19-7/

79-80—अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० नोंध नं० 1939 वार्ड नं० 2 है तथा जो
सूरत में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन 20-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तित्वी
(अस्तित्वीयों) के बीच ऐसे प्रस्तुतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुतरण विवित वा स्वास्तिक रूप
से कठित नहीं किया गया है।—

(क) प्रस्तुतरण से हुई किसी आय की वायत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तुतरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आय की
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनन्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया
जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुवाद में,
उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपायक (1) के
प्रधीन, विम्बिलिस अधिनियमों, बतातः—

1. श्री गंकर भाई दयाराम पटेल,
गंव टीवा
ता० कामरेज,
जि० सूरत।

(अन्तरक)

2. खीराज फलैंट कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
चैयरमैन: शुभास चन्द्र कान्ती लाल,
हिरामोदी शेरी, सगरामपुरा,
सूरत।

(अन्तरित)

जो यह सूचना आरे करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवंदाहियों करता है।

उक्त सम्बन्ध के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापेसः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद में
समाप्त होती थी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण——इसमें प्रयुक्त शब्दों और फटों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त
दृष्टा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

जमीन

जमीन जिसका नोंध नं० 1939 और वार्ड नं० 2 पैकी
लैंड है और जो सूरत में है। ये जमीन माप में 475.6
चौरस मीटर्स है, ये रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय में
ता० 20-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 17-9-1979

मोहर:

प्रस्तुप माई० टो० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रशासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

एफ० नं० पी० आर० नं० 747/एक्विं० 23-II/1445
19-8/79-80—अतः मझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-ग
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाहसंकरने का कारण है
कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० री० स० नं० 42, प्लाट नं० 28 है। तथा
जो अड्डेवा लाइन सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
प्राधिकारी का कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 26-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रति-
फल के लिये अनुसूचित की गई है और मुझे यह विवाहसंकरने का
कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का प्रबंध प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(a) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में
कभी करने या उससे उसने में सुविधा के लिए; और/या

(b) ऐसी जिसी प्राय प्रक्रिया या प्रन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएँ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आना चाहिये था, उपरोक्त में सुवेषा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपवारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अन्तरिती, अन्तरित :

- (1) श्रीमती मधुंती नानाकाले सुरनी 29, नमंलतगर
अड्डेवा लाइन, सूरत (प्रत्तरक)
- (2) श्री मोहम्मद मोरारजी चांपानेरी 30 आफिसर्स
कालोनी, उकाई नां० प्यारा (अन्तरिती)

को यह सूचना आरोप करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (a) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना को लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा ;
- (b) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के बीतर उक्त स्वावर मन्त्रिति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अष्टोडस्तावरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे :

स्वावोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

जमीन जो अड्डेवा लाइन में, सूरत में है और जिसका
री० स० नं० 42 तथा प्लाट नं० 26 है। यह रजिस्ट्रीकर्टा
प्राधिकारी सूरत के कार्यालय में ता० 26-2-79 को रजिस्टर्ड
की गई है।

एस० सी० परीख
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 17-9-79

मोहर:

प्रह्लप प्राईटी टी.एन.एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1979

निदेश सं० प० आर० नं० 748/एक्षियो-23-II/19-8/
79-80—श्रतः सुन्ने, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 1690 है तथा जो नर्मद सोसाइटी बोर्ड
अठेवा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-2-79 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का सचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है
और प्रमत्तरक (प्रन्तरकों) और प्रमत्तरिती (प्रमत्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तरण से उक्त प्रमत्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रमत्तरक के वायितव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ष के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की बारा 269-ष की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रबादः—
8-306GI/79

(1) जसवन्त सिंह गुवाहाटी, ठाकोर, नगर फलिया,
सूरत (अन्तरक)

(2) श्री जवाहर कमुदवन्द्र डाक्टर 10/637, बां-
गिया चक्का महाबोर स्वामी स्ट्रीट, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के पंचम में कोई मी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी
अधिकत द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी द्वारा, प्रधोइस्ताकारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

उत्तरण :—इसमें प्रयुक्त अन्ध्रों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अड्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अड्याय में दिया
गया है ।

प्रनुसूची

जमीन जिसका नं० स० नं० 1690 है और जो नर्मद
सोसाइटी अठेवा बोर्ड सूरत में है। ये जमीन माप में
366.52 चौरस मीटर्स है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत
के कार्यालय ता० 28-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II

तारीखः 17-9-79

मोहरः

प्रधन प्राईटी एस० एस०—

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, 18 सितम्बर 1979

निवेश सं० ए० आर० 758/एक्वी० 23-III-1338/
7-5/79-80—ग्रतः, मुझे, एस० सी० परीख,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० स० नं० 64, 65 और 75 है तथा जो
मोतीपाड़ा, वाढ़ी में स्थित (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 8-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा या किसी प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया
है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं
अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन;
निम्नलिखित अधिकारी, ग्रहीतः—

1. जेडाभाई चुनीभाई पटेल मोतीपाड़ा तालुका
पारडी, ज़ि: वलसाड (अन्तरक)

2. (1) लालजीभाई बेलजीभाई शाह (2) मेनजी
भाई बेलजीभाई शाह (3) जाइबजीभाई
लालजीभाई शाह, 'विक्टर फार्म' किल्ली पारडी,
ज़ि: वलसाड (अन्तरित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत
लिए, रायेवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रवेन के संरंध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी
अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य अधिकारी द्वारा, अधोइस्ताकारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सं० नं० 64, 65 और 75 है और
माप मे 2 एकर और 24 गुंडा, और 3 एकर, 33 गुंडा
है। ये जमीन मोतीपाड़ा पारडी में हैं और रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी पारडी के कार्यालय में ना० 3-2-1979 को
रजिस्टर्ड की गई है और रजिस्ट्रेशन नं० 156, 157, और
158 है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राप्तिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 18-9-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निदेश मं० पी० आर० नं० 759/एव्वी० 23-II-1451/
7-5/79-80—अतः मझे एस० सी० परीख

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269व (1) के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी मं० सं० नं० 320-ए० पाइकी, और मं०
320-बी० पाइकी है तथा जो छाता-वापी में स्थित है
(और इसमें उपांचद्र अनुसूची और पृष्ठद्वय से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी, में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-2-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबा उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः इब्द, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269व को उपधारा, (1) के
अधीन, निम्ननिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मुनेमान इसमाइल मोहरीदु, निवास छाला तां० पारडी
जिं० सलसार (अन्तरक)
- (2) मै० शक्ति इन्टरप्राइजिस पापी, वालंदा मंजील,
तूर० झंडा चौक के पाम, परेला मजला वापा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यालयाद्वयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रैलस्तावरों के पान
निवित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मरान जो छाला पारडी में है जिसकी इं० नं० 320-ए
और 320-बी० अतिरिक्त हैं और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
पारख के दफतर में रजिस्ट्रेशन नं० 159 से तां० 12-2-79
को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II
अहमदाबाद

तारीख: 18-9-1979
मोहर:

प्रश्नप्राई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 सितम्बर 1979

निवेश सं० प० आर० 770-एक्ची० 23/II-1323/19-7/
79-80—अतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

(और जिसकी नं० नौंध नं० 864/ए०-1, बाँड नं० 1 है तथा
जो अथुगर भोहलो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबन्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन 20-2-79 को

पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुप के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक रूप में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री मोरारभाई केशवभाई पटेल मौजे भिप और त०
चोरवानी जि० सूरत (अन्तरक)
- (2) श्री राम एपार्टमेंट को० आप० हाऊ० सोसाइटी
की चेयरमैन जनिन्द्रभाई ठाकुरभाई नायक अथुगर
मोहलो, नानपुरा, सूरत (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:—

- (क) 'इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रतिया तक सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभासित
हैं, वही प्रयोग होगा जो उप अध्यात्र में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और भकान जो अथुगर मोहलो, नानपुरा सूरत में
हैं, जिसका नौंध नं० 864/ए०-1 बाँड सं० है, सूरत है।
और ये मिलकन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के कार्यालय
में ता० 20-2-79 को रजिस्टर्ड की गई हैं।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

तारीख: 19-9-79
मोहर:

प्रस्तुप पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आदा

269 च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० आर० 780/एक्वी० 23-II-194/79-80—
अतः, मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-च के अधीन मकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जियका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है।

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 275/1 पैकी है तथा जो
स्टेणन रोड, बारडोली में स्थित है (और इससे उपरद्वा अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्या-
लय, बारडोली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 8-2-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि व्याप्रूपकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक नियित में बाल्तिक स्प से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किनी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर बेतों के अन्तरक के दायित्व
में कमी बरने या उससे ब्रह्मने में हुक्मिता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय का विसी वन या अन्य आमिलयों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रारोक्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या यित्या जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बतः प्रब, उक्त अधिनियम की आदा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की आदा 269-च की उपरारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री खुशाल भाई नवथाभाई पटेल (2)
ललभाई छिना भाई पटेल (3) नरनीभाई ललभाई
ग्रामेशीकर तारीख बालाछ जि० सूरत ।
(अन्तरक)
(2) मै० लीम्बर एजेसी के पाठनर श्री ललभाई लाका-
भाई मकता गांव, दसाइ, जि० सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना आदो करके पूर्वांक मंत्रिय के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करना है।

उक्त मंत्रिय के अर्जन के नंबर में कोई भी आंशें :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
मापदण्ड होती है, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त आवारण संपत्ति में हितवद्ध
किसी मध्य व्यक्ति द्वारा अधिकारीश्वरी के पाय मिला त
में निए जा सकते ।

इष्टशोङ्करण :—इसमें प्रपुक गुंडों पारे पर्दों का, जो
उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में
परिभाषित है, जी अर्थ होगा जो उस
अन्याय में दिया रखा है।

प्रामुख्य

जमीन जिसका नं० आर० एस० 275/1 पैकी है
है और जो स्टेणन रोड बारडोली में है। ये जमीन माप में
ए०-० और गुंडा- है और रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कायलिय
बारडोली में ता० 8-2-79 को रजिस्ट्रीटर्ड की गई है।

एस० सी० परीख
मकान प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II
अहमदाबाद ।

तारीख: 24-9-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० पी० एन० ७८०-----

आयोग प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरम्भार

कार्यालय, मद्रायर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पी० आर० 781 एक्वी० 23-II/7-4/79-80
—अतः मुझे एस० सी० परीक्षा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सभाप्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है।

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 275/1 पैकी है।
तथा जो स्टेनेशन रोड, बारडोली में स्थित है (और इसमें
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बारडोली में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-2-79 को
पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल
के लिये प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यद्युपर्वोंकृत सम्पत्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके दृष्टराग
प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है : —

(क) अन्तरण से हुई किसी गाँव की बावत उक्त अन्तरण-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तारक के शायित्व
में कमी करने पा उसमें उचित में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी गाँव पा किसी वा या प्रन्त आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) पा उक्त प्रधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्म
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में मुविष्ठा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपलापा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् ।—

(1) खुशालभाई नाथाभाई पटेल (2) लल्लभाई
छिताभाई पटेल (3) पी० ए० होल्डर नानीभाई
लल्लभाई पटेल गांव : मोहर तालुका : बालोद
जि० मूरत (अन्तरक)

(2) मै० लिम्बर एंजेसी के भागीदार श्री लल्लभाई
लाखाभाई भकता गांव दसाड तालुका कामरेज
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पंद्रह में रोई या प्राप्ते :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि पा तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना
की नामीन से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत अवित्यों में से
किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र पे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किमो
प्रन्त अवधि द्वारा, ग्रामोद्योगिकारी के पाप निवित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पी० परा का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रधायाप 20-क में परिभाषित है,
वही यथ होता, जो उन प्रधायाप में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका नं० आर० एस० 275/1 पैकी, जो स्टेनेशन
रोड बारडोली परिस्थिति है। और माप में पैकर 9=0 और
पंडा 10 है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बार-
डोली में ता० 8-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीक्षा
सभाप्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II
अहमदाबाद

तारीख : 24-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप पाईद० टी० एन० एस० —

आयत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, नदायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एक्यो० 23-I-24 95 (849/16-6/79-80—

अतः मुझे, एस० सी० परीक्षा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन ज्वाली के साथ जागनाथ से भी नं० 25 है तथा जो जागनाथ से भी नं० 25, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपवद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन 27-2-1979

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री गिरधरलाल केनाभाई जनकल्याण सोमायटी राजकोट (अन्तरक)

(2) (1) मुशीलावेन चंद्रलाल, (2) कंचनबेन चंद्रलाल, (3) मंजुलावेन चंद्रलाल, जागनाथ प्लाट राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी नहरे पूर्वान्त ममति के मर्जन के लिए लार्यांशदिग्दारी करता है।

उक्त संगति के अर्जन के पंद्रह में कोई भी आधेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योक्तरण :—इसमें प्रयुक्त सब्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष वे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य पास्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्वाली के साथ खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है जो जागनाथ प्लाट, शेरी नं० 25 राजकोट में स्थित है तथा बिक्री दम्तावेज, जो रजिस्ट्रेशन नं० 944 दिनांक 27-2-1979 में रजिस्टर्ड हुआ है उसमें दिये गए पूर्ण वर्णन के अनुसार है।

(एस० सी० परीक्षा)
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1
अहमदाबाद

तारीख: 13-9-1979

मोहर:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-वा में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अवधि :—

प्राप्ति पाई० टो० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269४(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 सितम्बर 1979

निदेश सं० एसीव० 23-I-2476(850)/16-6/79-80—

अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 451, पैकी प्लाट नं० 39 है। तथा जो रैयारोड, राजकोट में स्थित है (ओर इससे उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1979 को पूर्णत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मत्तरक (अन्तरकों) और मत्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रबन्धण के लिए तथा पाया यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रबन्धण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) पन्द्रह में त्रुटि किया पाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ओ) देसी किसी प्राय या किसी छन पा प्राय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा पकट नहीं किया यथा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269४ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्द्धांत:—

(1) श्री कनकराय जगजीवन शाह द्वारा, मनमुखलाल जीवराज शाह, मोराफ बजार राजकोट
(अन्तरक)

(2) श्री शशीकाल श्रीधवजी राजा, जयराज प्लाट शेरी नं० 8, राजकोट (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करक पूर्वान्तर सम्पत्ति के प्रवृत्ति के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सूचना के तंत्रज्ञ में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की प्रवधि मा तस्वीरधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भव्य अधिकारी द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इस प्रयुक्ति शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रदाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भव्य होगा, जो उस प्रदाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 213.8 वर्ग गज है जिसका सर्वे नं० 451 पैकी प्लाट नं० 39 जो रैया रोड, राजकोट में है तथा ता० 25-2-79 को रजिस्ट्रेशन नं० 741 से रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज में, जैसा पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I
अहमदाबाद

तारीख: 13-9-1979

मोहर:

प्रालौप आई० टी० एन० एस०---
आधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्राधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निदेश सं० नं० एसीक्य० 23-I-2497(851)/16-6/79-
80—अतः, मुझे एस० सी० परीक्षा

प्राधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 451 पैकी प्लाट नं० 40 है तथा जो
रेया रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, 15-2-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी घाय की वावत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी घाय या किसी छत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राधिकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्त-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुसर
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित वर्तियों अर्द्धतः—

9-306GI/79

- (1) श्री नन्दलाल जिवराज शाह श्री मनेशुलाल
जिवराज शाह के मारफत सरोक बाजार, राजकोट।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती ईलाबेन कीरीटकुमार कामदार, किरन
सोसायटी, ब्लाक नं० 38, गलैक्सी सिनेमा के
वीथे, राजकोट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 213-8 वर्गमील
है जिसका सर्वे नं० 451 पैकी प्लाट नं० 40 जो रेया रोड
राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 740 ता० 15-2-
1979 से रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज में जैसा पूर्ण वर्णन
दिया गया है।

एस० सी० परीक्षा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्राधिकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1
अहमदाबाद

तारीख : 13-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंडी० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निवेश सं०-एसीक्य० 23-I-2498(852)/16-6/79-80-
प्रतः मुझे एस० सी० परीक्षा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
प० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 451 पैकी प्लाट नं० 36 है
तथा जो रैया रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
ग्रन्तुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 15-2-1979

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत प्रविधि है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नवीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने वें सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय पायन्कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपबारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तुलसीदास हरीदाम (1) श्रीमती हीरालक्ष्मी
तुलसीदास तथा (2) श्रीमती जयश्रीबेन पुश्करराय
के कुलमुख्यार तीन बत्ती चाल, द्वारका।
(अन्तरक)
2. (1) श्री धरमशीभाई खीमजीभाई राठोड (2)
श्रीमती अनमुयाबेन दामजीभाई राठोड,
5, जंकशन प्लाट, राजकोट। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवादियों छरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

त्वचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

बनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका लेन्डफल 168-0-126
वर्गगज है जिसका सर्वे नं० 451 प्लाट नं० 36 है जो रैया
रोड राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 735
ता० 15-2-1979 में रजिस्टर्ड विक्री दस्तावेज में दिये गए
पर्ण विवरण के अनुसार।

एस० सी० परीक्षा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1
अहमदाबाद

तारीख: 13-9-1979
मोहर:

प्र० प्र० श्री० टी० एन० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
289 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निवेदण सं० एमीस्य० 23-I-2499(853)/16-6/79-80—
अतः, मुझे, एस० सी० परीब

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-घ के प्रधीन संशोधन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 451, पैकी प्लाट नं० 36 है। तथा जो रेया रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुभुवी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-2-1979 को पूर्णता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरिन को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्णता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अंतरिक्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) भन्तरण से तुझे किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को दिनहें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

इस: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 289-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम को धारा 289-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अंकितियों अधारे :—

1. श्री तलसीदास हरीदास, (1) श्रीमती हीरालक्ष्मी तुलसीदास तथा (2) श्रीमती जयश्रीबेन पुश्कर राय, के कुलमुखत्यार 3 बत्ती चौक, द्वारका। (अन्तरक)

2. (1) श्री धरमशीभाई खीमजीभाई राठोड़, (2) श्रीमती अनुसुयाबेन दामजीभाई राठोड़ 5, जंकशन प्लाट, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरो बरके पूर्णता सम्पत्ति के भंजन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अंकितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णता अंकितियों से से किसी अंकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अंकित द्वारा, पूर्णता अंकित के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका अंतरफल 168-0-126 वर्ग गज है। जिसका सं० सं० नं० 451 प्लाट नं० 36 है जो रेया रोड राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 736 ता० 15-2-1979 से रजिस्टर्ड विक्री दस्तावेज में दिये गये पूर्ण वर्णन के अनुसार।

एस० सी० परीब
संशोधन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1
अहमदाबाद

तारीख : 13-9-1979
मोहर :

प्रलेप थाई० टी० एन० प्रस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निदेश नं० एसीक्य० 23-I-2500/सी८५४/१६-६/७९-८०—

अतः मुझे, एस० सी० परीक्षा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधोन समाप्ति विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भगा दुवा प्लाट है तथा जो रेसकोर्स साइड की ओर पश्चिम में भगा दुवा प्लाट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पश्चात् (पश्चातकों) और मन्तरियी (मन्तरितयों) के बीच ऐसे पश्चात्रण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से निर्धारित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई दिसो वाय को बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधोन कर देने के प्रस्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ब) ऐसी दिसी आदि वा दिसो वाय को बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधोन कर देने के प्रस्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनावं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकार्यों अधीत् :—

1. श्रीमती कंबनबेत शीबल शाह, मनसुखलाल जिवराज शाह के मारफत शराफ बजार, राजकोट । (अन्तरक)
2. श्री नन्दलाल रामज थाई राजा अकेडमी के पीछे पंच-नाथ प्लाट राजकोट । (अन्तरस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में छोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधिया तत्संबंधी अधिकार्यों पर सूचना जी तामील से 30 दिन की प्रबंधिया, जो भी प्रबंधिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकार्यों में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा अवाहन्त्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्षणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अवृं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 213.8 बर्ग गज है जिसका प्लाट नं० भगा दुवा प्लाट रेसकोर्स की ओर पश्चिम साइड में राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 890 ता० 22-2-1979 से रजिस्ट्रेई विक्री दस्तावेज में दिये गये पूर्ण वर्णन अनुसार ।

एस० सी० परीक्षा,
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

दिनांक : 13-9-1979

मोहर :

प्रह्लाद प्राइंट टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 महमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक, 13 सितम्बर 1979

निवेश सं० ए०सी०क्य० 23-I-2501(855)/16-6/79-80:-
अतः मुझे एस० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और उसकी सं० भगा दुदा प्लाट है तथा जो पश्चिम साईड रेसकोर्स से भगा दुदा प्लाट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उत्त: प्रत्यक्ष अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तर में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त।—

1. श्रीमती कंचनबेन शीवलाल शाह, मनसुखलाल जिवराज शाह के मारफत माराफ बाजार, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री नन्दलाल रामजीभाई राजा, प्रकेडमी के पीछे, पंचनाथ प्लाट, राजकोट।

(अस्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी अधिक हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितवड किसी गम्भीर अधिक हारा, ग्राहोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिचालित हैं, वही अन्य होगा जो उस अन्तर्गत में दिया गया है।

अनुसूची

बुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 213.8 बर्ग गज है जो भगा दुदा प्लाट में, रेसकोर्स की ओर पश्चिम साईड में राजकोट में स्थित है तथा विक्री बस्तावेज में जैसा पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख
सहम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, महमदाबाद

दिनांक: 13 सितम्बर 1979

मोहर: []

प्रैरूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए०सी०व्य० 23-I-2502(856)/16-6/79-
80—प्रतः, मुझे, एस० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन संघर्ष प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भगादुदा प्लाट पैकी प्लाट नं० 39 है तथा जो
रेसकोर्स का पश्चिम साईड में भगादुदा प्लाट, राजकोट में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या छिसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के
अनुचरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कनकराय जगजीवन शाह जयराज प्लाट, जेरी नं० 8
हेमन्त निवास, राजकोट। (अन्तरक)

2. श्री शशीकान्त ओद्धवजी राजा, श्री ओद्धवजी भवनभाई
राजा के मारकत, बाणापीठ, राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के मंदिर में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के महायाय 20-क में परिमाणित है, वही
पर्यं होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 213.8 वर्ग गज है
जो भगा दुदा प्लाट, पैकी प्लाट नं० 39 रेसकोर्स की ओर पश्चिम
साईड में भगा दुदा प्लाट राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं०
764 से ता० 16-2-1979 को रजिस्ट्रेट विक्री दस्तावेज में जैसा
पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख,
संधार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 13-9-1979

मोहर:

प्रक्षेप प्राई० टी० एन० एन०—

आदत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर प्रापकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 13 सितम्बर 1979

सं० प०सी०ष्य० 23-I-2053(857)/16-6/79-80—

अतः मुझे पम० सी० परीब्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दाके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० भगादुदा प्लाट, पैकी प्लाट नं० 39 है। तथा जो सगादुदा प्लाट की परिधि साईड, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण स्फ से वर्णित है, ग्रिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-2-1979 को पूर्वोक्त सं॒ति नृ उचित बाजार मूल्य, एक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तर्फ पाया गया विफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिखित में बाह्य-विक रूप वे रखित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में कभी हरने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था तो किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का वर्णन:—

1. श्री नन्दनाल शिवगंगाराई श्री मनमुखलाल राज शाह के मारफन, शराफ वसार राजकोट। (अन्तरक)

2. श्रोमति ईनावन कोरीटकुमार कामदार कीरीटकुमार कामदार के मारफन, कोरण सोनायनी, दुसरी मंजिल प्लाट नं० 39, मनेकरी सीनेमा के पीछे राजकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने के दृश्यमान संति के मर्जन के लिए आपेक्षित है।

उक्त संति के मर्जन के दृश्यमान में कोई भी व्याप्रेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमो व्याप्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ दियो अन्य वासित व्याप्ति द्वारा, अवौद्योगिकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित है, वही अर्थ होणा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 213.8 वर्ग गज है जो भगा दुदा प्लाट वैकी प्लाट नं० 39 जो रेसकोर्स की परिस्थिति साईड में राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 764 ता० 16-2-1979 से रजिस्टर्ड विकी दस्तावेज में जैसा पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० परीख
सकाम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I अहमदाबाद

दिनांक: 13-9-1979

मोहर:

प्रस्तुत प्राईंटी० एन०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर, 1979

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

निदेश सं० ए० सी० क्य०-23-I-2197(858)/
16-6/79-80—अतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), भी भारा 269-ए
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए०
से अधिक है।

और जिसकी सं० बेडीपरा में स्ट्रक्चर है तथा जो बेडीपरा
मेन रोड, नदी के किनारे के पास, डीलक्स टोकीस के
सामने राजकोट में स्थित है (और इससे उपावश्य ग्रनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 8-2-1979
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरिक्ष की वई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पश्चात्
प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया
प्रतिक्रिया उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में
वार्ताविह कर से अवित नहीं किया गया है:—

(क) उत्तर से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के पश्चातक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी धाय या किसी इन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
उन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा के
लिए;

अतः यदि, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ए के अनुचरण
में, में उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ए की उपशारा (1)
प्रधीन, लिखित अवितयों, नवांतः:—

1. (1) श्री पटेल डाह्याभाई तेजाभाई
(2) पटेल मोहनलाल तेजाभाई,
(3) पटेल प्रपिणचन्द्र तेजाभाई, जागनाथ मंदिर
के सामने, कैलाश, राजकोट (अन्तरक)
2. राजकोट नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड, नागरिक
भवन, छेवरभाई रोड, राजकोट (अन्तरिक्षी)

को यदि सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त उपलब्ध शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20 के परिपालित
हैं वहीं पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

489.75 वर्गगज क्षेत्रफल वाली जमीन पर खड़ा
स्ट्रक्चर जो बेडीपरा, नदी के किनारे के पास मेनरोड राजकोट
में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 644 ता० 8-2-1979
से रजिस्ट्रेशन किये गये थिए विश्री दस्तावेज में दिए गए वर्णन
के अनुसार।

एस० सी० परीख
सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: १३-९-१९७९

मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निदेश सं० प० २० न० ए० सी० व्य०-23-I-2198
(859)/ 16-6/79-80—अत. मुझे, एस० सी० परीख
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 15, वार्ड नं० 6 है तथा जो
डेबर रोड, राजकोट में स्थित है (और इसमें उपावढ़ अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृष्टेय से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से
कहिए नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय पा किसी बन या अन्य भास्तियों
को 'उन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: प्रब, ३ नं अधिनियम, की धारा ३७ के अनु-
सरण में, मैं उक्त धिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

10-306G1/79

1. श्री रत्नीलाल नागेश्वर पाठक, श्री रत्नीलाल नागेश्वर
पाठक के एच० य० एफ० के कर्ता, डेबर रोड, एस० टी०
बस स्टैन्ड के पीछे, राजकोट। (अन्तरक)

2. (1) पटेल मेघाबाई नाथुभाई
(2) श्री रजनीकान्त मेघाभाई गुंदाबाड़ी, राजकोट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाड़
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

82.1 वर्ग गज जमीन पर खड़ा मकान जिसका मकान
नं० 15 वार्ड नं० 6 है जो गजपुर पैरा तथा डेबर रोड
के बीच में राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रेशन नं० 970
ता० 28-2-1979 से रजिस्टर्ड विश्वी दस्तावेज में दिए
गये पूर्ण वर्णन के अनुसार।

एस० सी० परीख
सक्षम अधिकारी
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख: 15-9-1979

मोहर:

प्रकाश प्राईंटो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनोंक 25 सितम्बर, 1979
निदेश सं० पी० आर० नं० 783 एकवी 23-11/
1352/7-1/79-80—अतः मुझे, एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रे० सं० 165/1, पेकी है तथा जो
गांव अबरामा नां० बलसाड में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 3-2-79
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और पन्द्रह (पन्द्रहरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासिक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधान कर देने के अन्तरके के दायित्व में कर्मी
करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। प्रौढ़/ना

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या धन्य जांचों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुना
के लिए।

अतः यद्युपर्याप्त उक्त अधिनियम का आरा 269ए के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269ए की उपकारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री मगनभाई निळाभाई नायक कर्ता आफ एच०
प्र० एफ० अबरामा नां० बलसाड फिलहाल गवर्नर्मेंट क्वार्टर्स
एम०-8, गुलबाई टेकरा, अहमदाबाद-15 (अन्तरक)
2. (1) श्री अर्जुन भाई मोहनलाल टांक
(2) बाबुभाई मोहनलाल टांक
(3) श्री भरत कुमार नानालाल मकवाना, धरमपुर
रोड, अबरामा, नां० बलसाड। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी घावेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारीयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों
में से किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उन्ना स्थावर संपत्ति में हित-
बदू किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधीक्षित व्यक्तियों के पास
स्थिति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन फैसला नं० नं० 165/1 कि अतिरिक्त परिचयी
प्रस्ताव ही गांव अबरामा में तह० बलसाड में है, मैं जमीन
का रजिस्टर रजिस्टर्ड करता, अधिकारी बलसाड के कार्यालय
में नां० 3-2-1979 का रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 25-9-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट दी०एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एम० आर० नं० 784 एक्वी० 23-11/
1352/7-1/79-80—अतः मुझे, एस० सी० पारीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० रें० स० नं० 165/1 कि अतिरिक्त जमीन
है तथा जो गांव अबरामा ता० बलसाड में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलसाड में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-2-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या छासे बचने वे सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपराठा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री रमनलाल निष्ठाभाई देसाई
(2) प्रतापभाई रमनलाल देसाई
(3) किरीट कुमार रमनलाल देसाई, बलसाड—
पारडी, बलसाड। (अन्तरक)
2. (1) श्री अर्जुनभाई मोहनलाल टांक
(2) बाबुभाई मोहनलाल टांक
(3) भरतकुमार नानालाल मकवाना धरमपुर रोड,
अबरामा ता० बलसाड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त होगा, जो उस प्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची !

जमीन जिसका रें० स० नं० 165/1, है और जो
इस नम्बर का मध्य हिस्सा है। ये जमीन गांव अबरामा
ता० बलसाड में है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बलसाड के
कार्यालय ता० 3-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 25-9-1979

मोहर :

प्रस्तुति शाई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1979

निदेश सं० पी० आर० नं० 785/एक्वी० 23-1352/
7-1/79-80—भ्रतः मुझे, एस० सी० पारीब्र

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० रे० स० नं० 165/1 कि अतिरिक्त जमीन
है तथा जो गांव अबरामा में ता० बालसाड में स्थित है
(और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलसाड, में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 3-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से
मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तर भाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निवार में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक्षण
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ष की उपचारा(1)
अधीन निम्नलिखित अवधार्ता:—

1. श्री प्रागजीभाई तित्यभाई कर्ता आफ एफ० य० एच०
अबरामा ता० बलसाड फिलहाल 18, सुहास सोसायटी
फतेहगंज, बड़ौदा-18। (अन्तरक)

2. (1) श्री अर्जनभाई मोहनभाई टांक
(2) श्री बाबूभाई मोहनलाल टांक
(3) श्री भरतकुमार नानालाल मकवाना धरमपुर
रोड, अबरामा ता० बलसाड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी नहीं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवृत्ति या उत्तरवंशी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सं० नं० 165/1 के अतिरिक्त है और
ये जमीन का पश्चिमी हिस्सा है। जमीन गांव अबरामा
ता० बलसाड में है ये जमीन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बलसाड
के कार्यालय में ता० 3-2-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० परीब्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 25-9-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

हायरलिप, प्रायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 सितम्बर 1979

निदेश भं. ए० सी० क्य०-23-1-2208(860)/
16-३/७९-८०—अतः मुझे, ए० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रतीन पक्षीय प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण
है कि स्थावर उपकरण, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० सबैं नं० 315 है तथा जो चन्द्रमौलेश्वर
मंदिर के पास, जैतपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कायलिय, जैतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-२-१९७९ को
पूर्वोक्त उपकरण के उचित बाजार मूल्य में रुप के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उत्तरादित ही नहीं है और मुझे यह विवाद करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्डू
प्रतिशत अधिक है, और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शान्तिक रूप से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी व्रत या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, (1957 का 27) के
प्रयोगनालैं अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की व्यापार्य (1)
अधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री रामजीभाई कालाभाई पटेल
(2) श्री केशवभाई डाहयाभाई पटेल, टांकुड़िया परा,
जैतपुर। (अन्तरक)

2. मेसर्स हरीकृष्ण डाइंग एण्ड प्रिंटिंग इन्डस्ट्रीज,
भागीदार श्री मुरेशभाई डाहयाभाई के मारफत, टांकुड़ीपरा,
चन्द्रमौलेश्वर मंदिर के पास, जैतपुर। (अन्तरिती)

को यह पूछना बारो जहाँ पूर्वोक्त समाति के प्रबंधन के
लिए हायरलिंगां करता है ।

उक्त समाति के प्रबंधन के प्रबंधन में हाई बी आक्सेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या वस्त्रमन्दी व्यक्तियों पर
सूचना को तापील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि तारीख में ममात्त होती हो, के प्रीन पूर्वोक्त
अस्तियों में निम्न व्यक्तियाँ द्वारा;
- (ख) इस एवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी मन्त्र अस्तियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपर्योगकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस प्रधार में विद्या
रप्ता है ।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 2236 वर्ग
गज 2 वर्ग फुट है सबैं नं० 715 है जो चन्द्रमौलेश्वर
मंदिर के पास जैनपुर में स्थित है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीखः 25-९-१९७९

मोहरः

प्रश्न प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 अगस्त, 1979

निवेश सं० 1139/एक्रिव०/उरई०/78-79—अतः मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से —— प्रधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो राजेन्द्र नगर उरई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उरई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-2-79

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीरप्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य मालियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्राष्ट्रीय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालय प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आपा आदिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ब की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अक्षियों, प्रचारत :—

1. श्री दशरथ सिंह पुत्र श्री गोकरन सिंह व श्री सलेन्द्र सिंह सेंगर एडवोकेट पुत्र श्री विजय बहादुर सिंह मोहल्ला राजेन्द्र नगर कस्बा तथा पोस्ट उरई जिं ० जालौन। (अन्तरक)

2. श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह भद्रैरिया पुत्र श्री शिव वरन भद्रैरिया ग्रा० अमखेड़ा प० व जिं ० जालौन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवैत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रवैत के तरंग में कोई भी आंकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रवधि या तदसम्बन्धी अक्षियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अर्थ अक्षित द्वारा, अघोत्स्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाया 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाया में दिया गया है।

प्रमुख

एक किता मकान राजेन्द्र नगर गवर्नरमेंट हॉटर कालेज के सामने उरई में 90,000/- का बैचा गया।

भ० च० चतुर्वेदी
संस्करण प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-8-1979

मोहर:

प्रस्तुत दाई० दी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के पश्चीम प्रभाव

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अगस्त, 1979

निदेश सं० 438-ए—अतः मुझे, बी० सी० चतुरवेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), ती व्यापा० 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 443, 444 वा० है तथा जो कृषि भूमि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्द शहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-6-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ़ॉर्म ह प्रतिशत प्रथिक है और अन्तरक (अन्तर्लो) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में जगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या ग्रन्थ अधिनियमों को जिन्हे भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रभाव में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बजेन्द्र पाल सिंह पुत्र जसवन्त सिंह निवासी हरतौली डा० नैथला हसनपुर पर० वरन जिला बुलन्दशहर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती दौलत कुंवर पत्नी छोतर सिंह निवासी धीवरी, रोदलपुर, पर० वरन डा० नैथला जि० बुलन्दशहर।
(अन्तरिती)

को यह पूछना बातों के दृश्यमान सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियाँ करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेव :—

- (क) इस पूछना के दृश्यमान में वकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर पूछना की तारीख से 30 दिन ही अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियम में ये किसी व्यक्ति नहीं,
- (ख) इस पूछना के दृश्यमान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति ते हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्राप्त गढ़ों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यात्र 20-वा० मे० परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उक्त स्थावर में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खेत नं० 443 व 444 वा० स्थित रोदलपुर परगना वरन डा० नैथला हसनपुर जिला बुलन्दशहर में 40000/- में बेची गई है।

बी० सी० चतुरवेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 29-8-1979
मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 अगस्त 1979

निदेश सं० 416-ए/गा० बाद०-7980—ग्राम: मुझे, बी० सी० चतुरवेदी,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० 172 है तथा जो दयानन्द माडल टाउन
पूर्वी गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रन्तुमध्य
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-4-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित छोटी गई है और मूले यह विष्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत प्रथम है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथा याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में
वास्तविक रूप से रूपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए घोरया

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या बन्ध आस्तियों
को जिहे ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपग्राम (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:—

1. श्री बीरेन्द्र सिंह भला पुत्र श्री अनन्त सिंह भला
निवासी मकान 90 ग्रेटर कैलाश, पार्ट नं० 1, नई दिल्ली-48
वैहसियत मुज्जार आम और श्री सत्त कुमार सूद पुत्र
लालाइलमतराम निवासी मकान नं० डी-13, दयानन्द नगर,
गाजियाबाद हाल निं० अनन्दीलाल पोदार रोड मलाह स्टेट
बास्टे-64, महाराष्ट्र (अन्तरक)

2. श्री दीप चन्द गुप्ता पुत्र श्री गोविन्द राम निवासी
135 तुराव नगर गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यान्वयन करता है।

उक्त संपत्ति के उचित के संबंध में कोई भी ग्रामकर :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तमस्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवड़
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, अधीक्षस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकें।

उपर्युक्त दरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
प्रधिनियम के प्रथाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रथम होगा जो उस प्रथाय में दिया जावा
है।

अनुसूची

एक मकान नं० 172, जिसका पुराना नं० 155 एक
मंजिला स्थित दयानन्द माडल टाउन पूर्वी गाजियाबाद में
70000/- रु० का बेचा गया।

बी० सी० चतुरवेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 30-8-1979

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) से प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1979।

निवेश सं० 974—कानपुर—7980—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 28/122 एच है तथा जो शिरकी मोहाल कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अस्तरेक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा है; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवधि: —

11—306GI/70

1. श्री रामदुलारे तिवारी पुत्र राम प्रधीन तिवारी 28/1 फीलखाना, कानपुर (अन्तरक)
2. श्रीमती रानी पत्नी शिवाजी प्रसाद निवासी 28/130 शिरकी मोहाल, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीत्स्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया दुआ है।

अनुसूची

गह सम्पत्ति नम्बर 28/122 एच स्थित कशमीरी घासा सिरकी मोहाल कानपुर म 40000/- रु० को बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 1-9-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइ. ट्रॉ. एन्. एड०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269 व (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, वनांक 3 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 948-ए कानपुर-7980—ग्राम, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा या है), की वारा 269-व के प्रवीन तथा प्रायिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विवाह का उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है।

और जिसकी सं० 16/72 है तथा जो सिविल लाइन कानपुर में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि दृश्यमान सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरित रोपण अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रायकर विवित व वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी वाव की वाव उक्त प्रधिनियम, के प्रवीन कर देने के अन्तरक के वावित में कभी करने या उससे वाव में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी भाव वा ग्रन्थ प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया गया वाहिए था, छिपाने व वापसी के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-व की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री गौतम रोहतगी डी, 20 पञ्चवील इल्लौल, मई दिल्ली-17।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बानू अग्रवाल 16/50 सिविल लाइन कानपुर। (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिका करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति हारा, पथोहृस्ताकारी के पास विवित में किये गये सहेजे।

इष्टीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिवापित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृती

प्लाट नम्बर 16/72 सिविल लाइन कानपुर जिसका क्षेत्रफल 450 गज है एक लाख पेंतीस हजार रु० 1,35,000/- ए० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्रायिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 3-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राईंटी ० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 1122/एक्वि०/कासगंज/78-79—मतः मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० वे प्रतिक है
और जिसकी सं० है तथा जो सरकुलर रोड़, कासगंज
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कासगंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 2-2-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फल
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरूपण के लिये तय पाया गया।
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नियुक्त नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से ही किसी बाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दे
सिए; प्रारूप/या

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाम अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
बदा बा या किया जाना चाहिए बा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

बता अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अवर्तत:—

1. श्री झंगवीर पुत्र श्री सरदार केसर सिंह साह
कासगंज जि० ऐटा। (अन्तरक)
2. श्रीमती सरला देवी पत्नी श्री सुरेश चन्द्र अग्रवाल
कासगंज, ऐटा। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरै करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवेश के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवेश के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मात्थी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रम्य अविक्त द्वारा, प्रबोहस्ताभरी के प्रस
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधानमंत्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधान्य 20क में परिचालित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधान्य में
विद्या गया है।

अनुसूची

एक किता कोठी दो मंजिल सरकुलर रोड़ कासगंज में
75,000/- रु० की बेची गयी।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-9-1979

मोहर:

प्रृष्ठप्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना;
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्वेश सं० 1121/एक्सि०/कासगंज/78-79—अतः,
मझे, भ० च० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विवास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो सरकुलर रोड़, कासगंज
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कासगंज
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 2-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उग्रके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप तो किंवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रौद्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

वर: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपस्थाता (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्ती, अर्वात् ।—

1. श्री धर्मचार पुद्र श्री सरदार केसर सिंह निं०
कासगंज, ऐटा। (अन्तरक)
2. श्री सुरेश चन्द्र अग्रवाल पुद्र श्री पश्चा लाल जी
निं० कासगंज, जि० ऐटा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
निए कार्यवातियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोइे भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना को
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाल में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता कोठी दो मंजिला सरकुलर रोड़, कासगंज
में 75000/-रु० की बेची गई (1/2 भाग)।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-9-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निवेश सं० 1119/अर्जन/फि० बाद/78-79—अतः,
मुझे, भ० च० चतुर्थेंदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 8209 रकम है तथा जो ग्राम दत्तौजी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 6-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरमन पुत्र श्री जीवा राम ग्राम दत्तौजी त०
फिरोजाबाद, आगरा। (अन्तरक)
2. मैसर्म जनता सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड
फिरोजाबाद द्वारा हेमचन्द्र सचिव पुत्र लाला रामेश्वर द्वारा
अग्रधारा नि० जलेसर रोड, फिरोजाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम दत्तौजी तहसील फिरोजाबाद में कृषि भूमि 6,000/-
रु० की बेची गई। जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,14,380/-।
भ० च० चतुर्थेंदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-9-1979

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

सारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निवेश सं० 795-ए/गा० बाब०/78-79—अतः, मुझे, बी०
सी० चतुर्वेदी,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 43 है तथा जो औरंग नगर में स्थित
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 6-2-1979

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमात्र
प्रतिफल के लिए अस्वीकृत की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृद्धमात्र प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमात्र प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और पन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अनुसरण
निम्नित में वास्तविक रूप से किया ताही किया गया है।—

(क) पन्तरण से ही किसी धारा की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के पन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(क्ष) ऐसी किसी धारा या किसी धारा के अधिनियमों
को जिसमें मारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाव
में/सुविधा के लिए।

अतः धर्म, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत :—

1. श्री किरण सिंह पुत्र पूरन सिंह निवासी औरंग
नगर किनहापुर परा० जलालाबाद तह० व० जिला
गाजियाबाद।
(अन्तरक)

2. श्री मोदी सिंह व मलखान सिंह पुत्र सुखदेव सिंह, निवासी
सैकपुर गेहपुर डा० इस्माइलपुर तह० सिकन्दराबाद जिला
बुलन्दशहर।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए आरंभातियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधिता तस्वीरी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिता, जो भी
प्रबंधिता बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अर्थ अधिकारी द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

अध्योक्ता :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-व में परिभावित
हैं, वही वर्ण होता, जो उस अध्याय में विद्या
रक्षा है।

मनुसूची

कृषि भूमि रक्कई 5) 3+8² बीघा स्थित औरंगनगर
किनहापुर परा० जलालाबाद जिला गाजियाबाद में 66500/-
रु० की बेची गयी। इस ग्राम में इस भूमि की दर 17000/-
रु० प्रति बीघा है जबकि खरीदार ने इस भूमि को
13000/-रु० प्रति बीघा की दर से खरीदा है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-9-1979

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर
 कानपुर, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 1114/अर्जन/झांसी/78-79—अतः मुझे,
 बी० सी० चतुर्वेदी,
 आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 206/1.206/2 है तथा जो ताकबपुरा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, ललितपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-2-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तु, :—

1. श्री जमुना गिरी तन्या बाल गिरी गोस्वामी, ताकबपुरा, ललितपुर, जिला झांसी। (अन्तरक)

2. श्री राजाराम इकोदया पुत्र श्री रघुनाथदास इकोदया पुराँ उक्टा पोस्ट परा परगना व तहसील ताम्बले, व श्रीमती सुशीला बाई बेवा श्री रामदास इकोदया आम व पोस्ट परा परगना व तहसील ताम्बले व छिदम्भीलाल गुप्ता पुत्र श्री राम दास गुप्ता सिविल लाइन्स, ललितपुरजिला झांसी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान, जो ताकबपुरा, ललितपुर, जिला झांसी में स्थित है, 42750/- रु० का बेचा गया जबकि उचित बाजारी मूल्य 54,798/- रु० है।

बी० सी० चतुर्वेदी
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 24-9-1979

मोहर:

प्रलेप प्राईटी० एस० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वं (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 788-ए/बुद्धाना/78-79—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वं के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 256 है तथा जो मौजा खुब्बापुर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुद्धाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर हैने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धर्म मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधारौ :—

1. श्री राम कला पुत्र श्री मनकुल निवासी मुजपुरा पर० शिकारपुर तह० बुद्धाना जिला मुजफ्फरनगर। (अन्तरक)

2. श्री गोपनेश्वर, रामकुमार पुत्र ईश्वरचंद्र विशेष कुमार, मुजफ्फरपुर, बालगांव, दीर्घकुमार नावालिक पुरगण घरमवीर मिह त्यागी निवासी खुब्बापुर पर० शिकारपुर तह० बुद्धाना जिला मुजफ्फर नगर। (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 256/1 रक्का 1711/4 स्थित मौजा खुब्बापुर पर० शिकारपुर तह० बुद्धाना जिला मुजफ्फरनगर में वैची गई। इस भूमि का विक्रय मूल्य 92000/- रु० है तथा सम्पत्ति का उचित बाजारी मूल्य 1,42,000/- है।

बी० सी० चतुर्वेदी,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 24-9-1979

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 मितम्बर 1979

निर्देश सं० 966-ए/गा० बाद-79-80—प्रतः भूमि, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ऐसे कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1011 है तथा जो ग्राम सीकरीकला में स्थित है (और इसमें उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरूप की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशत अधिक है और प्रत्यरुप (अन्तर्को) और प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे भन्नरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरुप, लिखित में वास्तविक रूप से अनुरूप नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरुप के तुरंत किसी आय की बावजूद, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरुप के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी छिसी प्राय या किसी घन या अन्य पारितियों को लिन्हे प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए या, छिपाने सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यरुप में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविकल्पों, अर्थात् :—

2 —306GI/79

1. मै० नव भारत आई० ए० ल० कोल्ड स्टोरेज़ डिलीरोड, मेरठ। (अन्तर्क)

2. मै० शंकर आई० ए० ल० कोल्ड स्टोरेज़ सीकरी कलां, मोदी नगर, पाठननर श्री बालकृष्ण रघुनाथ सहाय पुत्र स्व० मध्यदाम, श्रीमती माया बन्ती पत्नि स्व० मध्या दास श्रीमती मीरा बाई पत्नी स्व० चुम्ही लाल, श्री चमन लाल पुत्र श्री चुम्ही लाल निवासी मोहल्ला गुरुनानकपुरा भोदीनगर, श्री बलबीर चन्द पुत्र श्री द्यालचन्द निवासी हापुड़ रोड, भीदीनगर और श्री नन्दराम सिंह तथा श्री जगत सिंह पुत्र श्री राजाराम निवासी ग्राम रघुनाथपुराखेगा, तह० हापुड़ जिला गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी अविकल्पों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से किसी अविकल्प द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविकल्प द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 203 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यह अन्तर्ल सम्पत्ति आई० ए० ल० कोल्ड स्टोरेज ग्राम सीकरीकलां पर० जलालाबाद तह० व जिला गाजियाबाद जिसका कि कुल क्षेत्रफल 4840 वर्ग गज है इसको मूल्यांकन अधिकारी आयकर विभाग 193 सकेत, मेरठ ने इसको उचित बाजारी मूल्य 1,61,735 रु० आंका है जबकि खरीदार ने इस फैक्टरी को 1,00,000/- रु० में ही खरीदा है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 25-9-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1), के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, वहायन ग्राहर प्रावृत्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 सितम्बर 1979

निवेश सं० 1018-पी० एन० गा० बाद—7980—
अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 83 से 85, 87 में .91 है तथा जो आम
करकार मंडल में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के
कार्यालय, दादरी गे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-2-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्राप्तरथ से हुई किसी आय की वायत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपवारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्त :—

1. श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता, 1170, कुचा महाजनी,
चांदनी चौक, दिल्ली (अन्तरक)

2. मैसर्स आर० एन० ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटेड, 1170
कुचा महाजनी, चांदनी चौक, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के
निए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी आदेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 19 वीधा ,14 बिस्ता 17 कच० ग्राम
पुरारमंडल तह० दादरी जिला गाजियाबाद में 1,50,000/-
रु० की बेची गयी। इस भूमि की दर इस स्थान पर 12000/-
रु० प्रति बीचा है। तथा इसका उचित बाजारी मूल्य
2,24,000/- रु० है। जिसको कि खरीदार ने 1,50,000/-
रु० में खरीदा है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 25-9-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. डी. एन. एस.—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निर्देश सं. 673/एक्वि.0/ओरेया/78-79/63290—ग्राम:
मुझे, बी. सी. चतुर्वेदी,
ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें उसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की भारा 269-च के अधीन सक्ष म प्राधिकारी को, यह विषयास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार
मूल्य 25,000/- रु. ये अधिक है।

और जिसकी सं. 828 है तथा जो मौ. सौफट में स्थित
है (और इससे उपाखण अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, औरइया में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 21-2-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिक्रम के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विषयास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य से
उसके वृश्यमान प्रतिक्रम से ऐसे वृश्यमान प्रतिक्रम का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और
अस्तरिती (अन्तरितियों) के द्वितीय ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिक्रम, निम्नसिद्धित उद्देश्य से उक्त अस्तरक
सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरक है तुर्हि किसी वाय की वाक्त, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी वाय या किसी उन या अन्य अस्तरकों
को जिस्मे भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या उनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
वाय वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उत्ता, अब उक्त प्रधिनियम की भारा 269 च के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269 च की उपचारा (1) के
अधीन निम्नसिद्धित अस्तरकों, अवृत्।—

1. श्री मिश्री लाल पुत्र सालिंग राम ब्राह्मण, निवासी ग्राम
व डा० सौफर परगना औरेया, जि० इटावा। (अन्तरक)

2. श्री प्रेमण्कर पुत्र श्री कृष्ण कुमार, श्रीमती दुलारी देवी
बेवा चंशीधर, निवासी ग्राम व डा० सौफर परगना औरेया,
श्रीमती रमा देवी पत्नी श्री राधा कृष्ण, श्रीमती वित्ती देवी
पत्नी श्री राम नरेण, श्री बीरेन्द्र कुमार पुत्र श्री राजा राम निवासी
नगला बरोपुर, गांध व डा० सौफर परगना औरेया जि०
इटावा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधिया तत्सम्बन्धी अस्तित्वों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधिया, और
भी प्रवधियाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अस्तित्वों में से किसी अस्तित्व द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदृढ़
किसी अन्य अस्तित्व द्वारा, अप्रोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

लेखदाता :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रम्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रम्याय में दिया गया
है।

प्रमुख

आराजी नम्बर 828, रक्का 8.35 फ्ल० लगानी
रु० 147.15 जो गांव सौफर परगना औरेया, जि० इटावा
में स्थित है।

बी. सी. चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 27-9-1979

मोहर:

प्रकप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 681/इटावा/7980/6381—अतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13 किता है, तथा जो छिमारू में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इटावा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-79 को

पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी बन या अन्य ग्राहितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्तरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावर अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अनन्तसो कुंवर बेवा दुनडे राम उर्फ बूजमोहन सां मो० नरहोली मिठरआ पर० इटावा डा० कुह्या। (अन्तरक)

2. श्री प्ररविन्द कुमार व प्रमोद कुमार व आतमास्वर पुत्रगण रामस्वरूप व उमेश बाबू दत्तक सूबेदार विलायत शिवशकलाल सुभाष बाबू पुत्र शिवशकलाल निवासी नरहोली मिठरआ पर० जिला इटावा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताशरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभ्राषित हैं, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी कास्त 13 किता लगात 173.15 पे०
(20-29)

वाके मो० छिमारू पर० व जिला
इटावा पूर्ण स्वामित्व का भूमि है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-9-1979

मोहर:

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 काशलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-कानपुर
 कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 1152/अर्जन/सदाबाद/7980/6382—ग्रातः
 मुझे, भी० सी० चतुर्वेदी,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए
 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 ए० से अधिक है और

जिसकी सं० है तथा जो बाके मौजा नेग
 नीगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 सदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन, दिनांक 6-2-79 को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उद्दिश बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
 वृश्यमान प्रतिफल का पमद्द अतिशत अधिक है और
 अस्तरक (मन्त्रकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के
 बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ये वास्तविक रूप में किया
 नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
 विविध में सभी छरते या उससे बचते में सुविधा
 के लिए घोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को, जिसे आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण
 में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपचारा (1)
 के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, जर्जर :—

1. श्री होती पुत्र श्री बाला डा० नेरा पो० खास तह०
 सदाबाद, जिला मथुरा।
 (अन्तरक)

2: श्रीमती गंगा देवी परनी कमल सिंह सा० मौ०
 सत्यघोष पो० भालुपुरा, तह० व जिला आगरा। (अन्तरिती)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के
 लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्वीराती अवित्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

कृषी भूमि 16-40 डि० लगानी 135.64 जो बाके
 मौजा नेराबगिर तह० सदाबाद, जिला मथुरा में स्थित है।

भी० सी० चतुर्वेदी
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-9-1979

मोहर:

प्रकाश बाई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़ 1, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 1137/एक्सिव०/ घाटनपुर/6383—ग्रतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब
के प्रधीन समय प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण
है हि स्थावर आमानि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इष्ट से अधिक है

और जिसकी मठ० 192 है तथा जो भजग गुगरा में स्थित
है (और इसमें उपोबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घाटनपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 9-2-1979

को पूर्वोत्तम सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल के
अन्दरूनी प्रतिगत से प्रधिन० ३ और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
निखित म वास्तविक रूप म निर्धारित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहिता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य साहित्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोजनार्थ प्रत्यक्षरी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ब के अनुसरण
में, वे, उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त:—

1. श्री बाबूराम पुत्र इन्द्रजीत सां० चिलहरा मजरा
गुगरा पो० पासी खेड़ा त० घाटनपुर जि० कानपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती राजवती सधना ललू चिह्न जि० टोका नगर
त० दिनरामनु जि० फरुखाबाद हाल मुकाम मजरा गुगरा
पो० पासी खेड़ा त० घाटनपुर जि० कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी भरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरस्ती अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोइन्स्ट्राक्टरी के पास
सिविल में किए जा सकें।

इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधान्य 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधान्य में विद्या
गया है।

अनुसूची

आराजी 1 किता नम्बर 192 रकवा 12वीचा 12 विस्वा
और 15विस्वती (लगान 64.95) वाके भौजा गुगरा त०
घाटनपुर जि० कानपुर।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, कानपुर

तारीख: 27-9-1979

मोहर:

प्रस्तुत प्राइंटी एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर, 1979

निर्देश सं० 766-ए/78-79/देहरादून—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22 है तथा जो पलटन बाजार देहरादून में स्थित है (ग्रीष्मे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुमति की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्नह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तथा पाया यथा प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरक विवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तर्राष्ट्र से हुई किसी व्याय की वादा 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में युक्तिकाल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी उन्नयन या अन्य भास्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युक्तिकाल के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-व्याय (1) के प्रधीन, विवरित व्यक्तियों, वर्णत :—

1. श्री के० आर० नुरबला पुत्र श्री स्व० आर० एन० नुरबला निवासी 36 लैटिन रोड, देहरादून और श्री बी० एस० चड्डा पुत्र श्री स्व० श्री सोरबजी चड्डा

(अन्तरक)

2. श्री मोतीलाल पुत्र श्री सोहन लाल, श्री जगदीश कपूर पुत्र श्री मोती लाल, सतीश चन्द्र कपूर पुत्र श्री मोती लाल निवासी 67 चक्रवाता रोड, देहरादून। (अन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोक्षस्वाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होया, जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

पूर्ण स्वामित्व जायदाद 22 पलटन बाजार देहरादून में 100,000/- रुपये की बेची गई जिसका कि बाजारी मूल्य 130,000/- रु० है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 1-10-1979

मोहर :

प्रकाश याई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को आया
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर, 1979

निवेश सं० 1020-८/78-79—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्भुदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को आया 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है, तथा जो इन भ्लाक सी चौहान सापिंग सेंटर हरिहार रोड, देहरादून में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-2-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अद्यत्य से उक्त प्रस्तरण विवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तर्गत से हुई किसी आय की वावन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या पत्त्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाले अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की आया 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आया 269-व की उपचारा (1) के अधीन विम्बलिकित अवित्यों, अपौत्:—

1. श्री शिव प्रताप सिंह चौहान माईनर पुत्र श्री डी० एस० चौहान तथा श्री डी० एस० चौहान पुत्र स्व० श्री भवानी सिंह निवासी 10 नरदेव शास्त्री मार्ग, देहरादून। (अन्तरक)

2. श्री पिशोरी लाल मलहोत्रा पुत्र स्व० श्री सरदार चन्द और श्री सुनील कुमार मलहोत्रा पुत्र श्री पिशोरी लाल मलहोत्रा 12-ए रेस कोर्स देहरादून। (अन्तरिती)।

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत किए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या लक्ष्यमूल्यी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविधि जो भी प्रविधि द्वारा वे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रत्येक द्वारा, अधोइस्तावरी के पास लिखित भौं लिखित भौं किये जा सकें।

प्रधानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति हैं, वही प्रत्येक होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1 इन भ्लाक सी हरिहार रोड, देहरादून में स्थित है। इसका क्षेत्रफल 34.70 वर्ग मीटर है।

बी० सी० चतुर्भुदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979

मोहर:

ब्रह्म प्राई० ई० एन० एस०—————
यावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर 1979
निर्देश सं० 1021-प/78-79—ग्रन्त: मुझे, बी० सी०
चतुर्वेदी,

यावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी भारा 269-प
के अधीन सलाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है

और जिसकी सं० 2 इन ब्लाक सी है तथा जो इन ब्लाक
सी औहान शापिंग सेंटर हरिद्वार रोड, देहरादून में स्थित
है 'ग्रीर इससे उपायद घनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 9-2-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिकार से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों)
और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए
उब आया या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्थानण
लिखेत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(a) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की संधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, पर्वत:—

13—306GI/79

1. श्री शिव परताप सिंह औहान माझनर पुत्र श्री ई०
एम० औहान और श्री ई० एस० औहान स्व० श्री भवानी
सिंह निवासी 10 नारदेव शास्त्री मार्ग, देहरादून। (अन्तरक)

2. श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री एस० बालबीर
सिंह और एम० जगजीत भिंह पुत्र श्री गुरदियाल सिंह
45 रीठा मन्डी, देहरादून। (अन्तरिती)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
प्रवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अस्तरित द्वारा, औहोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूधी

दुकान नम्बर 2 इन ब्लाक सी औहान शापिंग सेंटर
हरिद्वार रोड, देहरादून में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979

मोदूर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेज, कानपुर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर 1979

निर्देश मं० 1022-ए०/78-79—ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-९ है तथा जो चौहान शापिंग सेंटर देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-1979

को पूर्वोक्त संघर्ष के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयाप्तोक्त संघर्ष का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत प्रधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) घन्तरण से दुई किसी आय को बचत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर बेने के घन्तरक के दावित में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या भव्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के^१ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री शिव प्रताप चौहान पुत्र श्री डी० एस० चौहान 10 नारदेव शास्त्री मार्ग, देहरादून। (घन्तरक)

2. श्री सुरेशन्द धन श्री मुखन्दन 31 इन्द्रेश, देहरादून। (अन्तर्गती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघर्ष के घन्तन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संघर्ष के घन्तन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संघर्ष में इतन्द फिर्सी घन्य व्यक्ति द्वारा, घन्तरिती के पास लिखित में कि, जा सकते।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त अधिनियम के घन्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस घन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुर्लान नं० सी०-९ चौहान शापिंग सेंटर चन्द नगर देहरादून में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979
मोहर:

प्रलेख प्राई. टी. एन. एस.—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 851-ए/कानपुर/78-79—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 90ए है तथा जो ब्लाक वी स्कीम VII गुटह्या कानपुर में स्थित है (और इससे उगाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कायलिय कानपुरमें, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-2-1979

को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकरण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकरण से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिय (घन्तरियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

(क) घन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत] उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी छिपी आय या किमी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम द्वारा घन्तरण कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. श्रीमती माधुरी गुप्ता पुत्री स्व० बाबूगाम गुप्ता निवासी 7/198 स्वरूप नगर, कानपुर। (अन्तरक)

2. श्री जमन लाल मलहोत्रा, रामकिसन मलहोत्रा, पीतम प्रकाश मलहोत्रा, सुरेन्द्र प्रकाश मलहोत्रा पुत्र श्री नाथूराम मलहोत्रा निवासी 113/16 स्वरूप नगर, कानपुर। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरें कार्रवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधिया, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 90ए ब्लाक वी स्कीम 7 गुटह्या कानपुर में स्थित है तथा जिसका क्षेत्रफल 575.5 वर्गमीटर है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979

मोहर:

प्रकाश आई०टी० एम० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 1024-ए/78-79—अतः मुझे, बी० सी० चन्द्रबेंदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, पहले विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 8 लाख सी है तथा जो चौहान शापिंग सेन्टर हरिहार रोड, देहरादून में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-2-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या आय-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमार्य अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

1. श्री शिव प्रताप सिंह चौहान पुत्र श्री डी० एस० चौहान द्वारा श्री डी० एस० चौहान 10 नारदेव सास्ती मार्ग, देहरादून। (अन्तरक)

2. श्री हन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री सरदार ईसर सिंह (अन्तरिती)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिकारी के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिकारी के संबंध में कोई भी प्रावेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताभारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रह्लाद 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रह्लाद में दिया गया है।

अनुसूची

तुकान नम्बर 8 लाख सी चौहान शापिंग सेन्टर हरिहार रोड, देहरादून में स्थित है।

बी० सी० चतुर्बेंदी
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979
मोहर:

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस० --

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269 अ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 1023-ए/78-79—आतः मुझे बी० सी०
चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उपचाल 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-अ के प्रधीन संबंध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो हरिहार रोड, देहरादून में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 23-2-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (प्रस्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब पाया जाया प्रतिफल विव्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में की करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभाव प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अ०; अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ए के घन्तुसरण में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ए की उपचारा (1) के प्रधीन, जिसे उचित अवितरण, अर्जन :

1. श्री शिव प्रसाद सिंह चौहान द्वारा संरक्षक श्री डी० एम० चौहान 10 नारदेव शास्त्री मार्ग, देहरादून। (अन्तरक)
2. श्री पूरन लाल अहूजा पुत्र श्री तख्तराम आहूजा 127 मनूरंज, देहरादून। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवितरणों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितरणों में से किसी अवित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथे होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कूकान हरिहार रोड, देहरादून।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर दिनांक 1 अक्टूबर 1979

निर्देश सं० 833ए/ मंसूरी/78-79--अतः
 मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
 के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है जो तथा बलांव ग्रेव स्टेट कुलरी
 मंसूरी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
 अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
 कार्यालय, मंसूरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
 बायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
 किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-ए के
 अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की
 उपशारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित अवधार:—

(1) श्री हरि मोहन होमल स्वागत निवासी कुलरी
 मंसूरी।
 (अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल, बिनोद कुमार, बृजभूषण, श्रीमती
 अग्री देवी निवासी रीजेंट हाउस कुलरी, मंसूरी।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाता--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 अविक्षियों में से किसी अविक्षियाँ द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में वकारन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
 किसी अन्य अविक्षियाँ द्वारा, प्रशोद्धताभारी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

संज्ञोक्तरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अब होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

पूर्ण स्वामित्व बलनट ग्रेव स्टेट कुलरी मंसूरी। जिसका
 क्षेत्रफल 940.77 वर्ग गज है।

बी० सी० चतुर्वेदी
 सभाम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979

मोहर:

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 738-ए/सहारनपुर-7980—अतः, मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1093, है तथा जो देहरादून सहारनपुर खंड में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-2-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र लाला चतर सेन व कान्ती प्रमाद पुत्र श्री बखतावर सिंह निवासी कस्बा मीरापुर डाक० खाना खास तह० जनलठ, जिला मुजफ्फर नगर, व सेठ भगवान स्वरूप मंसूरी पुत्र रामगोपाल महेश्वरी, अनिल कुमार महेश्वरी पुत्र सेठ भगवान स्वरूप महेश्वरी निवासी मकान नं० 5/783 मोहल्ला कहर खालायार, सहारनपुर।
(अन्तरक)

2. खरीदार का नाम :—आनन्द प्रकाश मेहता पुत्र मुकुन्द लाल मेहता निवासी चर्चे रोड सहारनपुर व जगदीश सिंह पुत्र सरदार मोहत सिंह निवासी 175 जनकपुरी सहारनपुर, व सुदर्शन कुमारी पति भनोहर लाल निवासी मकान 2 न्यू ज्वाला नगर, सहारनपुर।
व सत्य प्रकाश पुत्र आत्मा राम निवासी मोहल्ला मटिया महेल खाला पार्क सहारनपुर, व सुरेण चन्द्र जैन पुत्र बाबू-राम जैन निवासी बड़तला यादगार सहारनपुर, व सरदार भूपेन्द्र सिंह पुत्र सरदार करतार सिंह गिल कलोनी सहारनपुर व मोहल्लाल्पुर पुत्र जोधा राम निवासी गौरीशंकर सहारनपुर।।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सेकिसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभासित हैं, वही अथवा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फैश्टरी जिसका नाम स्टैन्डर इंजीनियरिंग कारपोरेशन स्थित देहरादून सहारनपुर रोड, सहारनपुर में है थोक फ्ल 18 बिस्वा पुर्णा है, इसमें एक ठीन सेट, दो कमरे आगे पीछे व एक कमरा चौकीदार टीन पोखा, व एक कमरा बिना छत व एक मिट्टी डलाई, व एक आयरान इंजन 15-11 हर्संपावर मैय पंखा सेकेन्ड हैन्ड में बिजली फिटिंग बिजली लाइन व डोमेस्टिक पावर स्थित सड़क दोरकी पर व तह० जिला सहारनपुर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तरीख : 1-10-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अक्टूबर 1979

निदेश सं० 976-ए/कानपुर—श्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 13/392 ए-1 है तथा जो सिविल लाइन कानपुर में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर म, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री नवाब आसिफ जान बल्द शेख बारिक अली निवासी 40/109 परेड, कानपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सईदा बेगम जोजा श्री मुहम्मद शामिल शाहिद परवेज व रासिद जमाल तारिक जमाल पिसरान मुहम्मद, शामिल साकिन न० मकान न० 40/63 परेड शहर, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बल्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 13/392ए-1 सिविल लाइन कानपुर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 415 वर्ग गज है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 1-10-1979

मोहर:

प्र० प्र० श्री ई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

4/14 आसफ़उली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 21 सितम्बर 1979

निर्देश सं० श्री ई० ए० सी०/पक्य०/I/एस० आर०-III/
2-79/1060/78-79—यतः, मुझे, कु० अंजनी ओजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा आया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 61 है, तथा जो कैलाण अपार्टमेंट
लाला लाजपत राय रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें
उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-2-1979
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
14—306GI/79

1. श्री सुभाष भाटला निवासी 99, आनन्द लोक,
नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री अभय सिंह निवासी 4 अशोक रोड, इलाहाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई प्रो आझेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैतात्मकी के पास
लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 61, कैलाण अपार्टमेंट, जो लाला लाजपत राय
मार्ग पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1600 वर्ग फुट है।

कु० अंजनी ओजा
सक्रम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-I

तारीख : 21-9-1979

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1,
4/14 के आसफ़ अली मार्ग नई दिल्ली 1
नई दिल्ली-1, विनोक 20 सितम्बर 1979

निवेदण सं० आई० ए० सी० /एक्य०/I/एस० आर०/III/
2-79/1052/78-79—यतः मुझे, कु० अंजनी ओजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-थ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, सथा जो गांव नेब सराय नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 22-2-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :—

1. श्री शिव लाल पुन्न श्री मोहन राम निवासी गांव नेब
सराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मै० एलबी दुगली इंजीनियरिंग कं० (प्रा०) लि०,
192, गौल्फ लिक्स, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है !

अनुसूची

कृषि भूमि जो 64 बीघा १ बिस्वा है और जो गांव
नेबसराय, तहसील मैहरौली, नई दिल्ली में स्थित है ।

कु० अंजनी ओजा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-9-1979

मोहन

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14क, आसफाबली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 21 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०/II/2-79
1031 —यतः, मुझे, कु० अंजनी ओजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-16 है, तथा जो नई दिल्ली साउथ एक्स्टेंशन
पार्ट-II नई दिल्ली में स्थित है (श्रीरामसे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आसफाबली रोड, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-2-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दशवर्षान प्रतिफल से, ऐसे दशवर्षान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० एच० कमाबैल पत्नी एच० कमपैल पता 11ए/
39 बैस्टनै एक्स्टेंशन एरिया, करोल बाग, नई दिल्ली, ।
(अन्तरक)

2. श्री किशन लाल वर्मा पुत्र श्री ज्ञान अन्द वर्मा और श्रीमती
उषा रानी वर्मा पत्नि श्री किशन लाल वर्मा पता :—नई
दिल्ली साउथ एक्स्टेंशन पार्ट-II, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2 ½ मंजला भवन सी०-16 नई दिल्ली साउथ एक्स्टेंशन
पार्ट-II, नई दिल्ली जिसका माप 200 वर्ग गज है।

कु० अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख : 21 सितम्बर 1979

रो०८ :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14 क, आमफली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III
2-79/1085—यतः, मुझे, कुमारी अंजनी ओजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ई 551 है, तथा जो ग्रेटर कैलाण-II नई दिल्ली-48 में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 फरवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मती सुदर्शन धीर पता :—ए 75 टैगोर नगर लुधियाना

(अन्तरक)

2. स० अमरक रिह सपुत्र स० जवाहर रिह ई-229, ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नम्बर ई-551, ग्रेटर कैलाण-II नई दिल्ली-48 में है। जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 27-2-1979 को सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में पंजीकृत हुई। श्रेवफल 400 रुपए गज है।

कुमारी अंजनी ओजा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-9-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एम्य०/।/एस० आर०-III/
2-79/1085 अनः मुझे, कु० अंजनी ओजा, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एम-273 है, तथा जो ग्रेटर कैलाण-II नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 26 फरवरी 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कंर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० सी० घर्द सुप्रब श्री जे० एम० घई, पता :—
सी-II/77 मोती बाग-I नई दिल्ली।

2. श्रीमती उर्मिला पति श्री राकेश जैन, पता :—
एस 418 ग्रेटर कैलाण-I नई दिल्ली-48।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नम्बर एम-273 ग्रेटर कैलाण-II नई दिल्ली
जिसका माप 400 वर्ग गज है।

कुमारी अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-9-1979
मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/I/एस० आर०-III
3-79/1127—यतः मुझे, कुमारी अंजनी ओजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-7 है, तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली में
स्थित है (ग्रोइसे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 9-3-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. ले० कर्नल आई० पी० दत्ता ओ० एन० एफ० खेडा
फर्म कार्टर पुरी जिला गुडगांव (हरियाणा)।
(अन्तरक)

2. श्री बलराम सान्धू और विक्रम सान्धू पुत्र श्री के०
एस० सान्धू माँ और संरक्षक श्रीमती अर्जन
सान्धू पता :—डब्ल्य० 18 ग्रीन पार्क, नई
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मकान नं० एफ-7, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली की पहली और
बरसाती मंजलें जो कि 311 वर्ग गज प्लाट पर बनी हुई हैं।

कुमारी अंजनी ओजा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 22-9-1979

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 17th September 1979

No. A. 35014/1/79-Admn. II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri A. Gopalakrishnan, a permanent grade A Officer of the CSSS cadre of Union Public Service Commission, to officiate on *ad hoc* basis as Section Officer (Special) in the Commission's office for the period from 3-9-1979 to 30-11-1979, or until further orders whichever is earlier.

2. On his appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of Shri A. Gopalakrishnan will be regulated in terms of the Ministry of Finance Deptt. of Expenditure O.M. No. F. 10(24)-E. III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 3rd October 1979

No. P/1857-Admn. I.—Shri Gyan Prakash, an officer of the Indian Economic Service and officiating as Officer on Special Duty (Advisers' Panel) in the office of Union Public Service Commission, relinquished charge of the post of Officer on Special Duty (Advisers' Panel) in this office with effect from the forenoon of 3rd October, 1979.

The services of Shri Gyan Prakash are placed at the disposal of the All India Handicrafts Board, New Delhi.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

New Delhi-110011, the 28th September 1979

No. P/1827-Admn. I.—The services of Dr. A. C. Mathai formerly Lecturer in Civil Engineering in the College of Engineering, Government of Kerala, Trivandrum and officiating as Deputy Secretary, Union Public Service Commission are replaced at the disposal of the Government of Kerala College of Engineering, Trivandrum with effect from 28-9-1979 (AN).

Y. R. GANDHI

Administrative Officer

for Chairman

Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 11th October 1979

No. 29 RCT 5.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri N. N. Mookerjee, I.A.S. (A.M. 1964), as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, w.e.f. the forenoon of 5th October, 1979, until further orders.

K. L. MALHOTRA

Under Secretary (Admn.)

for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 10th October 1979

No. N-36/66-Ad. V.—Shri N. J. Karnik, Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, (E.O.W., Bombay) expired on 5th October, 1979 at 0145 hrs.

Q. L. GROVER

Administrative Officer (E)

C.B.I.

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 12th October 1979

No. E-16014(2)/1/78-Pers.—On repatriation to his parent department i.e. BSF, Shri M. B. Sen relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, ASP Durgapur w.e.f. the afternoon of 15th Sept. 1979.

No. E-38013(3)/5/79-Pers.—On transfer Shri Santokh Singh relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit HIL, New Delhi w.e.f. the forenoon of 21st August, 1979 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Group HQs., Delhi with effect from the same date.

The 17th August 1979

No. E-29020/28/79-GA. I.—The President is pleased to appoint Shri T. P. BASU, substantively as Asstt. Commandant in the Central Industrial Security Force with effect from 30th January, 1978.

SURENDRA NATH
Inspector General/CISFOFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL
INDIA

New Delhi-110011, the 11th October 1979

No. 11/55/79-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri M. R. Dahri, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 19th September, 1979 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. His headquarters will be at Bhopal.

3. The above *ad hoc* appointment will not bestow upon Shri Dahri any claim to regular appointment to the grade. The services rendered by him on *ad hoc* basis will not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 12th October 1979

No. S(67)/All.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri A. V. Naik Satam, Technical Officer (Photolitho) to officiate as Deputy Manager (Photolitho), Government of India Patents Printing Press, Bombay, with effect from the afternoon of 18th September, 1979, until further orders.

P. B. KULKARNI
Joint Director (Admn.)

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas-455002, the 11th October 1979

E. No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Deptt's Notification of even number dated 27-3-1979, the *ad hoc* appointment of Shri V. Venkataramani, as Technical Officer (Intaglio Printing) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of three months with effect from 1-9-79 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

The 12th October 1979

No. BNP/C/5/79.—Shri Ashok Joshi a permanent Junior Supervisor (Numerota) is appointed as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) purely on *ad hoc* basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FR—40—1200/- (Group "B" Gazetted) w.e.f. 12-10-1979 (F.N.) for a period of 3 months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

This *ad hoc* appointment does not confer any prescriptive right on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis and the *ad hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

P. S. SIVARAM
General Manager

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR
GENERAL OF INDIA**

New Delhi-2, the 10th October 1979

No. 1877-CA-I/68-78.—The Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri N. Basakran, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government service under provisions of Government of India, Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt.(A) dated 26-8-77 with effect from 16-8-1979 (A.N.).

The 11th October 1979

No. 1889-CA-I/346-69.—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has permitted Shri B. Vasanth Rao, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government service under provisions of FR 56 (K) with effect from 2-10-1979 (A.N.).

M. S. GROVER
Deputy Director (Commercial)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH**

Gwalior, the 27th September 1979

No. OE. I/296.—Shri M. R. Kapoor, a permanent Accounts Officer, is permitted to retire from Government service with effect from 30-9-1979 afternoon on attaining the age of superannuation.

D. C. SAHOO
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
CENTRAL REVENUES**

New Delhi-2, the 16th October 1979

No. Admn.I/0.0.352/5-5/Promotion/79-80/1318.—Shri D. Sehgal an officiating Audit Officer of this office retired voluntarily from service of the Government of India, with effect from the afternoon of 31st October, 1978, after completion of more than 20 years of qualifying service in terms of G.I., Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt. (A) dated 26-8-1977.

2. Shri Sehgal entered Government service on 9-4-1948 and his date of birth is 21-9-1929.

(Sd.) ILLEGIBLE
Join Director of Audit (Admn.)

**DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110022, the 9th October 1979

No. 18462/AN-I.—The President is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts

Service, in Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000/-) of that service in a substantive capacity with effect from 1st November, 1978.

Sl. No. and Name of the officers

S/Shri

1. C. V. K. Reddi
2. S. V. Subramanian
3. R. B. Kapoor
4. B. K. Banerjee
5. S. S. Shukla
6. H. S. Mehta
7. S. Mallick
8. Dipankar Sarkar
9. C. V. Nagendra
10. G. Bhattacharya
11. R. Venkataranam
12. B. N. Rallan
13. R. N. Tyagi
14. K. P. Rao
15. R. Krishnamurthi
16. V. S. Jafa
17. R. Sampathkumar
18. B. Swaminathan
19. R. Kalyanasundaram
20. B. V. Adavi.

R. L. BAKHSHI
Addl. Controller General of Defence Accounts
(Admin.)

MINISTRY OF LABOUR

**DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE
AND LABOUR INSTITUTES**

Bombay-400 022, the 11th October 1979

No. 17/24/75-Estt.—The Director General, Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to accept the resignation of Shri S. M. Divekar, Productivity Officer (Statistical) in the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay from Government Service with effect from the 30th June, 1979 (Afternoon).

A. K. CHAKRABARTY,
Director General

**MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION
(DEPARTMENT OF COMMERCE)**

**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS**

New Delhi, the 11th October 1979

**IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)**

No. 6/481/57-Admn(G)/7326.—On attaining the age of superannuation, Shri H. L. Bahi relinquished charge of the post of Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st August, 1979.

No. 6/1216/77-Admn(G)/7335.—On attaining the age of superannuation, Shri Khushi Ram, an officer of the selection grade of the CSS relinquished charge of the post of Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of 31st August, 1979.

C. S. ARYA,
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 27th September 1979

No. A-19008(156)/74-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Kailash Nath, Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation) in the Branch Small Industries Service Institute, Jammu as Assistant Director (Gr. I) (Economic Investigation/Production In/Ex) on ad-hoc basis in the same Institute with effect from the 4th September, 1979 (F.N.), until further orders.

No. A-19018(401)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D. Bandyopadhyay as Assistant Director (Gr. I) (Metallurgy) in Extension Centre, Yamuna Nagar with effect from the forenoon of 3rd September, 1979, until further orders.

The 28th September 1979

No. A-19018(427)/79-Admn.(G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri A. S. Axant, Small Industries Promotion Officer (Glass/Ceramics) Small Industries Service Institute, Madras as Assistant Director (Gr. II) (Glass/Ceramics) in the Small Industries Service Institute, Madras with effect from the forenoon of 3rd August, 1979, until further orders.

M. P. GUPTA,
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 10th September 1979

No. A-1/1(870).—The President is pleased to appoint Shri K. K. Deewan, Asstt. Director (Grade I) (Gr. III of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Dte. General of Supplies & Disposals, New Delhi, to officiate on ad-hoc basis as Deputy Director of Supplies and Disposals (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate General at New Delhi, with effect from the forenoon of 24.9.79.

K. KISHORE
Deputy Director (Administration),
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 11th October 1979

No. A-19011(257)/79-Estt.A.Vol.I.—Shri P. G. Kulkarni a temporary Grade III Officer of I.S.S. has been posted as Deputy Mineral Economist (S) in the Indian Bureau of Mines, Nagpur, with effect from the forenoon of 24.8.79, until further orders.

S. BALAGOPAL.
Head of Office

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-9, the 9th October 1979

No. 4(85)/77-SI.—Consequent on the acceptance of his resignation, Shri S. C. Tanna, Programme Executive, All India Radio, Pune relinquished charge of his post on the afternoon of 31st August, 1979.

N. K. BHARDWAJ,
Deputy Director of Administration
for Director General

15—306 GI/79

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 5th October 1979

No. A-19012/1/79-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri G. S. Singer, Officiating Artist Grade-I, Film Division, New Delhi to officiate as In-Between-Animator in the Films Division, Bombay with effect from the forenoon of the 3-9-1979, until further orders.

N. N. SHARMA,
Asst. Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 10th October 1979

No. A.12026/6/79-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Sia Ram Goel to officiate as Accounts Officer in this Directorate on a regular basis with effect from 3rd October, 1979, until further orders.

No. A-38013/1/79-Est.—On attaining the age of superannuation, Shri N. Parmanand, Accounts Officer of this Directorate retired from Government Service with effect from the afternoon of September, 30, 1979.

J. R. LIKHI,
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th October 1979

No. A.12025/12/78-Admn.1(Part).—The President is pleased to appoint Dr. A. B. Hiramani to the post of Deputy Director (Research) in the Central Health Education Bureau, Dte. G.H.S., New Delhi w.e.f. the afternoon of the 6th September 1979 in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration

New Delhi, the 12th October 1979

No. A.19019/13/79-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Hakim Mohd. Ilyas Khan to the post of Unani Physician in the Central Government Health Scheme Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 6th September, 1979.

The 15th October 1979

No. A.19019/14/79-CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Mohd. Kutbuddin Farooqui, to the post of Unani Physician in the Central Government Health Scheme, Hyderabad, on temporary basis with effect from the forenoon of 6th August, 1979.

S. P. PATHAK,
Deputy Director Admn. (CGHS)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 12th October, 1979

No. A-199223/1/78-A.III.—Dr. M. Rajah Rom, Marketing Officer of this Directorate at Jamnagar, died on 24.9.79.

No. A-19025/78/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri K. K. S. Sirohi, officiating as Asstt. Marketing Officer on short-term basis, has

been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) on regular basis, w.e.f. 15.9.79 (F.N.), until further orders.

The 16th October, 1979

No. A-1925/17/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri H. N. Shukla, officiating as Asstt. Marketing Officer on short-term basis has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) on regular basis w.e.f. 15.9.79 (FN), until further orders.

B. L. MANIWAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 9th October 1979

No. NAPP/Adm/1(156)/79-S/11278.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri Vijay Pal Singh, an officiating Assistant Security Officer to officiate as Land Management Officer on *ad-hoc* basis in a purely temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960. in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of September 25, 1979 until further orders.

S. KRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 9th October 1979

No. AMD-1/12/79-Adm.—In supersession of this office Notification of even number dated 23rd August, 1979, Director Atomic Minerals Division, of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Som Nath Sachdeva, Hindi Translator in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from forenoon of 16 August, 1979 to afternoon of 15th September, 1979 and from forenoon of 24th September, 1979 to afternoon 27th September, 1979 vice Shri T. S. Narayanan, Assistant Personnel Officer, who proceeded on leave/training.

No. AMD-1/12/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. U. Narayanan, Permanent Assistant in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 28th September, 1979 upto afternoon of 31st October, 1979 vice Shri T. S. Narayanan. Assistant Personnel Officer proceeded on training.

No. AMD-1/12/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Lachhmi Narain, Permanent Upper Division Clerk/officiating Assistant in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 3rd October, 1979 to the afternoon of 9th November, 1979 vice Shri J. R. Gupta. Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

M. S. RAO
Senior Admin. & Accounts Officer

DIRECTORATE GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th October 1979

No. A.32014/2/79-FW.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Sandeep Kalra to the post of Assistant Project Officer, in the Civil Aviation Department with effect from 29th August, 1979 (FN), on an *ad-hoc* basis

for a period of six months and to post him to the Equipment Directorate at Headquarters.

V. V. JOHRI
Assistant Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGE

Dehradoon, the 12th October 1979

No. 16/326/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, is pleased to appoint Shri G. N. Kharwal, Research Officer working on *ad-hoc* basis as Research Officer on regular basis with effect from 23-3-79 until further order.

GURDJAL MOHAN
Joint Secretary

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Bangalore, the 9th October 1979

No. 15/79.—The following Inspectors of Central Excise (SG) have been promoted to officiate as Superintendent of Central Excise & Customs, Group 'B' in the time scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against their names and until further orders :—

S/Shri.

1. V. N. Deshpande—16-7-1979 Forenoon.
2. L. N. Desai—9-7-1979 Forenoon.
3. S. G. Naik—6-8-1979 Forenoon.
4. M. M. Guard—9-8-1979 Forenoon.
5. G. H. Patil—9-7-1979 Forenoon.

R. N. SHUKLA, IRS
Collector

Baroda, the 12th September 1979

No. 12/79.—Shri H. N. Sabawala, Superintendent of Central Excise, Group 'E' Surat Division has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-8-1979.

The 9th October 1979

No. 13/79.—Shri J. M. Dave, Assistant Collector of Central Excise, Group-A (I.R.) Ahmedabad has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-9-1979.

No. 14/79.—Shri P. S. Pandya, Superintendent of Central Excise, Group-B AHMEDABAD Division-III has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-9-1979.

J. M. VERMA
Collector of Central Excise, Baroda

**DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the October 1979

No. 10/79.—Shri M. C. Mullick, Office Superintendent, is appointed to officiate as Administrative Officer in the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at New Delhi with effect from 25-9-1979 (Forenoon) vice Shri S. N. Verma appointed as Inspecting Officer Group 'B'.

(Sd.) ILLEGIBLE,
Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 11th October 1979

No. 114R(7)/78.—The President is pleased to appoint Shri Bharati N. Bera, as Engineer Officer, in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta with effect from 1st August 1978 (Forenoon), until further orders.

K. S. SIDHU
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the October 1979

No. 19013/6/79-Adm.IV.—Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri Vinod Kaul to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Hydromet) on a purely and *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 16-8-79 (AN) until further orders.

The 9th October 1979

No. A-19012/776/19-Adm.V.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. L. Kawale as Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Civil) in the Ganga Basin Water Resources Organisation in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8th August, 1979 until further orders.

2. Shri Kawale will be on probation for a period of two years in the post of E.A.D./A.E. w.e.f. 8-8-1979.

The 10th October 1979

No. 19013/7/79-Adm.IV.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. Venkataraman, Senior Professional Assistant (Hydro-Met) to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Hydromet) on purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 17-8-79 (FN) until further orders.

The 16th October 1979

No. 19013/9/79-Adm.IV.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri P. Bhuyan, Senior Professional Assistant (Hydromet), to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Hydromet), on a purely temporary and *ad-hoc* basis, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the forenoon of 16-8-1979 until further orders.

J. K. SAHA
Under Secretary
Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS)
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 9th October 1979

No. 23/2/77-ECII, the following officers of Central Public Works Department have retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st August, 1979 (A.N.).

S. No., Name of Officer and Present Designation

- (1) Shri T. Victor—Executive Engineer (Valuation) Unit III, Income Tax Department, Bangalore.

(2) Shri K. M. Agrawal—Executive Engineer (Civil), 'H' Division, CPWD, New Delhi.

2. Shri G. S. Gopalakrishnan, Executive Engineer (Civil) Valuation Cell, New Delhi has retired from service w.e.f. 29-8-1979 (A.N.) on acceptance of his notice of voluntary retirement.

S. S. P. RAU
Dy. Director of Admn.
for Director General (Works)

MINISTRY OF RAILWAYS

RAILWAY BOARD

New Delhi, the 24th September 1979

No. 78/W6/TK/2.—The Ministry of Railways (Railway Board) hereby accord approval to the transfer of the maintenance of the Narrow Gauge track in Parasia Yard (1.17 kms.) on Nagpur Division or Central Railway to South Eastern Railway.

2. This adjustment has been made in the interest of proper maintenance of railway track.

K. BALACHANDRAN
Secretary, Railway Board
Ex. officio Jt. Secy. to the Govt. of India

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 14th September 1979

No. P(GAZ)185/Accounts.—The following officers of Indian Railway Accounts Service of this Railway are confirmed in Senior Scale of that Service with effect from the dates indicated against each :—

- (i) Sri P. K. Basu (as Chief Cashier) w.e.f. 25-9-77.
(ii) Sri P. Parthasarthy (as S.A.O.) w.e.f. 6-7-79.

N. NILAKANTA SARMA
General Manager

MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of U.P. Gases Private Limited

Kanpur, the 9th October 1979

No. 11750/3788L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the U.P. Gases Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Registrar of Companies, U.P.,
Kanpur

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
"Balamurugan Chit Fund (Pondicherry) Private Limited."*

Pondicherry, the 8th October 1979

No. 93.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name 'Balamurugan Chit Fund (Pondicherry) Private Limited' has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA
Registrar of Companies,
Pondicherry

INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL
Bombay-400020, the 10th October 1979

No. F.48-Ad(AT)/79.—Shri Banwari Lal, Additional Chief Executive Officer, Zilla Parishad, Ballia, Government of U.P., is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches, Allahabad in a temporary capacity with effect from 4-10-1979 (Forenoon) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- until further orders *vice* Shri H. C. Srivastava, Assistant Registrar, transferred.

He will be on probation for two years with effect from 4-10-1979 (Forenoon).

P. D. MATHUR
President
Income Tax Appellate Tribunal

FORM ITNS—

(1) Kalyani Consultants Pvt. Ltd.
Regd. Office : 221/D Parvati Niwas,
Kalyani Nagar,
Pune-411014.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD,
PUNE-411009

Pune-411009, the 27th September 1979

Ref. No. CA.5/SR/BOM/457/79-80.—Whereas, I, Shri A. C. CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 185 Village Godoli Satara and C.T.S. No. 523A Sadar Bazar Satara, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 30-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Bharat Forge Co. Ltd.,
Regd. Office : Mundhwa,
Pune-411036.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at Revenue Survey No. 185 Village Godoli Satara and C.T.S. No. 523A Sadar Bazar, Satara containing the plots 1 to 27, 29 to 43, 45, 48 to 59, 74 to 107 admeasuring about 3, 50, 20.65 Sq. Meters.

A. C. CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. N. Visalakshmy Ammal and Others,
Trichur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR,
COCHIN-682 016

Cochin-682016, the 4th October 1979

Ref. L.C. 319/79-80.—Whereas, I, K. NARAYANA MENON, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 1313/6 to 8 as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 3-5-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) K. C. Prakashan and 6 others,
Kollara House, Mission Quarters,
Trichur.
(Transferee)
- (3) Combined Tutorial College,
Trichur.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

37 cents of land with buildings in Sy. Nos. 1313/6, 7 and 8 of Trichur Village, as detailed in the Schedule attached to Document No. 2658/79 dated 3-5-1979 registered at the S.R.O., Trichur.

NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Cochin.

Date : 4-10-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Viro Devi wd/o Lala Nagina Mal
S/o Ralla Ram,
Jaitu Mandi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 17th September 1979

Ref. No. A.P. 608/79-80.—Whereas, I, Sukhdev Chand, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, an dbearing No.

As per Schedule situated at Jaitu Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on March 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Kalish Rani w/o Shri Kaur Sain,
Shri Kaur Sain s/o Babu Ram,
B-VI-107, Gali Master Mansa Ram,
Jaitu.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)

(4) Any body interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDEULE

Residential house with one room constructed over a plot of land 87.11 sq. yds. as mentioned in the Registration Deed No. 1460 of 3/79 of the Sub-Registrar, Jaitu.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 17th August 1979

Ref. No. A.P. 609/79-80.—Whereas, I, Sukhdev Chand being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kasori Gate, Ferozepur City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sohan Lal, Raj Pal Kapoor
S/o Mohani Lal s/o Ram Chand,
Mohalla Dollian wala,
Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Shri Sant Ram s/o Mohanlal s/o Banke Mal
Prop. Firm Sant Ram Sham Lal,
Mohalla Dollian wala,
Ferozepur City.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Constructed property on a plot of area 165 sq. yards as mentioned in the Deed No. 5310 of February 79 of the Sub-Registrar, Ferozepur.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 17-8-79

Seal :

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 17th August 1979

Ref. No. A.P. 610/79-80.—Whereas, I, Sukhdev Chand being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Makhu Gate Circular Road, Ferozepur City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—306 GI/79

(1) Shri Rattan Kumar Sarda
S/o Phul Chand
R/o Mohalla Moharian wala,
Ferozepur City.

(Transferor)

(2) Shri Jagtar Singh s/o Arjan Singh,
Veni Singh s/o Gurmukh Singh,
Mangal Singh s/o Gurmukh Singh,
R/o I/s Baghdadi Gate,
Ferozepur City.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Deed No. 5646 of Feb. 79 of the Sub-Registrar, Ferozepur.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 17-8-79

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 10th September 1979

Ref. No. A.P. 614.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Civil Lines, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Ramesh Chand s/o Shri Sada Lal, Advocate, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Ajit Parshad Jain s/o Shri Gian Chand Jain, D-12, Civil Station, Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property. (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/2 share residential plot of land of size 54'×198' in Civil Lines, Bhatinda as mentioned in the Registration Deed No. 5141 of February 1979 of the Sub-Registrar, Bhatinda.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Harbans Lal,
Jaitu Mandi.
(Transferor)
- (2) Shri Bhup Singh s/o Shri Kunda Singh,
Smt. Mukhtiar Kaur w/o Shri Bhup Singh,
Nahaianwala.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Persons in occupation of the property)
- (4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 10th September 1979

Ref. No. A.P. 615.—Whereas, I, SUHKDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Village Nahianwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

100 Kanals of Agr. land situated at Nahainwala as mentioned in the registration Deed No. 5226 of February, 1979 of the sub-Registrar, Bhatinda.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 10-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Daljit Kaur w/o Shri Sawan Singh, Advocate, Muktsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA**

Bhatinda, the 10th September 1979

Ref. No. A.P. 616.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kotkapura Road, Muktsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muktsar on February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Gurdeep Singh Sindhu s/o Sant Singh Sindhu, Haibinder Singh s/o Sant Singh Sindhu, Japinder Singh s/o Gurdeep Singh, Shri Dalbir Singh s/o Shri Gurdeep Singh R/o North Field Kothi, Kotkapura Road, Muktsar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Persons in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single story residential Kothi constructed over a plot of land 73 Marlas mentioned in the registration Deed No. 3093 of February, 1979 of the Sub-Registrar, Muktsar.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Suraj Bhan s/o Bindra Dass
S/o Sg. Labhu Ram,
Kotkapura.

(Transferor)

(2) Shri Mehar Chand s/o Nanak Chand
S/o Ramditta Mal
C/o M/s. Chaman Printing Press,
Railway Road, Kotkapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 17th September 1979

Ref. No. A.P. 622.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Faridkot on Feb., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop-cum-Printing Press with one room at the first floor constructed over a plot of land 100 sq. yard in area as mentioned in the Registration Deed No. 215 o Fefbruary 1979 of the sub-Registrar, Faridkot.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-9-1979

Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110001**

New Delhi, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb.34/4865.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-4/5A (Part) situated at Model Town Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Dutt Sharma,
S/o Pt. Manohar Lal
R/o C-4/5A, Model Town Delhi.
(Transferors)
- (2) Smt. Trishla Jain w/o Sudhir Kumar Jain
R/o H. No. E-43, New Raj Nagar,
Ghaziabad.
(Transferees)
- (3) Shri Barsati Lal Sharma
R/o C-5/5A, Model Town, Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building, built on free hold plot of land bearing plot No. C-4/5-A (part) measuring 146.10 sq. yards situated in the colony known as Model Town area of village Malikpurchaoni Delhi State Delhi bounded as under :—

North : House built on plot No. C-4/6
South : Middle wall and remaining portion of property No. C-4/5A.
East : Road
West : Plot No. C-4/5

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-10-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb.7/4838.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4223/1, situated at Ansari Road, Daryaganj, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Km. Sunita Narain, Nisha Narain and Surekha Narain (Minors daughters of Sh. Raj Narain Through Smt. Usha Narain w/o Sh. Raj Narain, A-17, Green Park New Delhi).

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Pal w/o Sh. J. S. Pal, 382, Than Singh Nagar Anand Parbat, New Delhi.

(2) Smt. Asha Pal w/o S. D. Pal R/o B-5/175, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Associated Pigment Co. Ltd.
Ravi Rubber Works.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of property No. 4223/1 Ward No. XI area 117 sq. yds. situated at Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-2 bounded as under :—

East : Property No. 4224

West : Ansari Road

North : Gali

South : Property No. 4222

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-10-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001**

New Delhi, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb.6/411/4837.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4223/1, situated at Ansari Road, Daryaganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 2-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Km. Sunita Narain, Km. Nisha Narain, Km. Surekha Narain (Minors) daughters of Shri Raj Narain Through Smt. Usha Narain w/o late Sh. Raj Narain, R/o A-17, Green Park New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rahu Pal, Rishi Pal & Gunjal Pal (minors) Sons of S. D. Pal through Smt. Asha Pal W/o S. D. Pal R/o B-5/175, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Metal & Minerals Corporation P. Ltd. 4223/1, Ansari Road, Daryaganj, Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor except garrage, Basement of property No. 4223/1, Ansari Road, Daryaganj New Delhi built on plot of land measuring 117 sq. yds. out of 351.5 sq. yards bounded as under :—

East : Property No. 4224

West : Ansari Road

North : Gali

South : Property No. 4222

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 10-10-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb.8/4842.—Whereas, I, R. B. L. AGGRAWAL, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4223/1, situated at Ansari Road, Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Km. Sunita Narain, Km. Nisha Narain, Km. Surekha Narain (Minors) daughters of Shri Raj Narain Through Smt. Usha Narain w/o late Sh. Raj Narain, R/o A-17, Green Park New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri J. S. Pal s/o Ram Rattan Pal, 382, Than Singh Nagar, Anand Parbat, N. Delhi, Km. Kajjal Pal D/o S. B. Pal through Smt. Asha Pal W/o S. B. Pal, R/o B-5/175, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Alcobux Metals Corporation
4223/1, Ansari Road, Daryaganj, Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One garrage on the ground floor, entire second floor and two barsatis on the top floor with the land measuring 117 sq. yds. i.e. 1/3rd undivided land out of 351.5 sq. yards bearing property No. 4223/1, situated at Ansari Road, Darya Ganj, Ward No. XI, New Delhi-110002 and bounded as under :—

East : Property No. 4224 of Shri Bhagwan Dass
West : Ansari Road
North : Gali
South : Property No. 4222 of Shri Kirpa Shankar.

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17—306GI/79

Date : 10-10-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb.71/4963.—Whereas, I,
R. B. L. AGGRAWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
1732 situated at Sohan Ganj, Shora Kothi,
Subzi Mandi, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
Delhi on February 1979
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Beni Prashad s/o Dhanrup Mal
R/o 1732, Sohanganj, Shora Kothi, Subzi Mandi,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nahat Singh Jain s/o Shital Prashad Jain,
Shri Pal Jain self and Vijay Pal Jain (Minor)
Shri Mahipal Jain, Pradeep Kumar Jain
Sons of Nahar Singh Jain,
Smt. Kamlesh Wati W/o Nahar Singh Jain,
2880, Gali Dharamshala, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

(3) 1. Shri R. P. Kaushik
2. Shri Kishori Lal
3. Shri Man Singh
All R/o 1732, Sohanganj, Shora Kothi,
Subzi Mandi, Delhi.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed house on plot No. 59 and 60 area 288 sq. yds. bearing property No. 1732 situated at Sohan Ganj, Shora Kothi, Ward No. 12, Subzi Mandi, Delhi bounded as under :—

East : Property of Shri Umrao Singh

West : Gali

North : Property of others

South : Property of Pt. Jai Narain.

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-10-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi, the 12th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb.44/4936.—Whereas, I,
R. B. L. AGGRAWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

746 to 748 (1/2 portion)
situated at Church Mission Road, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 24-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfector to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lala Faqir Chand s/o Lala Magat Ram, Karta M/s. Mangat Ram Faqir Chand (HUF), R/o 1-B, Underhill Road, Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Om Prakash, Chander Prakash, Ved Prakash, Anand Prakash Sons of Faqir Chand R/o 1-B, Underhill Road, Delhi and Shri Yash Pal Malhotra s/o Laxmi Narain Malhotra R/o D-87, East of Kailash, New Delhi.
(Transferee)

(3) S/Shri 1. Mohan Lal Narula, 746, Church Mission Road, Delhi.
2. Gurcharan Singh, Joginder Singh and Gurbax Singh, 748, Church Mission Road, Delhi.
3. Guru Nanak Tyre House, 748, Church Mission Road, Delhi, (1/2 back portion)
4. Gurdit Singh Jolly, 748, Church Mission Road, Delhi, (1/2 back portion)
5. Neon Signs, 748, Church Mission Road, Delhi.
(Top Floor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 746-748 (New)/403A (Old) in Ward No. 3, Church Mission Road, Sarai Ahmed Pai, Delhi bounded as under :—

North : Hotel Prince
South : Vikrant Hotel Building
West : Gali
East : Main Church Mission Road.

R. B. L. AGGRAWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-10-1979

Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s Scindia Investments P. Ltd.
Regd. office at Gwalior, Madhya Pradesh.
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Modi S/o Sita Ram Modi,
Sh. Inder Kumar Modi S/o Sita Ram Modi &
Krishan Kumar Modi S/o Sita Ram Modi
all R/o 8-Rajpur Road, Civil Lines, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 12th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb. 79/4966.—Whereas I,
R. B. L. AGGRAWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-1/37 situated at Rajpur Road, Civil Lines, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 37 in block A-1 built on free hold plot of land measuring 1521 sq. meters situated at Rajpur Road, Civil Lines, Delhi bounded as under :—

East	30' wide Road.
West	Rajpur Road.
South	Block A-2/37, Rajpur Road,
North	30' wide Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date:: 12-10-1979

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

- (1) M/s Scindia Investment P. Ltd.,
having its Regd. office at Gwalior, Madhya Pradesh.
(Transferor)
- (2) M/s Roop Chand Vinod Kumar (HUF) through
their Karta Sh. Roop Chand Kateria, 145 Jain
Colony, Veer Nagar, Rana Pratap Bagh, Delhi-7.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 12th October 1979

Ref. No. IAC/Acq.II/Feb. 79/4964.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-2437, situated at Rajpur Road, Civil Lines, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 24-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 37 in Block A-2, built on a freehold plot measuring 1250 sq. meters situated at Rajpur Road, Civil Lines Delhi bounded as under :—

East	30' wide Road.
West	Rajpur Road.
North	Block A-1/37, Rajpur Road,
South	30' wide Road.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 12-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Md. Abul Fazil Borabora,
Rupahi Ali, Jorhat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bimal Bhattacharjee,
Rupahi Ali, Jorhat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 6th August 1979

Ref. No. A-225/JRT/78-79/416-17.—Whereas I, R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 3828 & 3825 P. Patta No. 17 block No. 1, Jorhat town, situated at Rupahi Ali Road Jorhat town in the district of Sibsagar situated at Assam.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jorhat on 4-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land measuring 2 (Two Katta. 4½ (Four and half) Lacha alongwith a house of Assam type measuring One thousand (opp) situated at Rupahi Ali road Jorhat town in the district of Sibsagar, Assam.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kamaluzzaman Hazarika,
Rupahi Ali, Jorhat.

(Transferor)

(2) Shri Bhowarllal Gattani,
s/o Shri Champallal Gattani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

SHILLONG

Shillong, the 6th August 1979

Ref. No. A 226/JRT/78-79/418-19.—Whereas I, R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as, the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 3885, P.P. Patta No. 80 block No. 1, of Jorhat town, situated at Rupahiali road of Jorhat town in the district of Sibsagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ac, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jorhat on 6-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 1 (One) katta, $\frac{1}{2}$ (A. Half) Lacha, situated at Rupahiali road of Jorhat town in the district of Sibsagar to Assam.

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 15th June 1979

Ref. No. P.R. No. 686 Acq. 23-1415/19-8/79-80.—Whereas I, S. C. PARikh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 138, Ward No. 13, situated at Athwa Lines area T.P. Scheme No. 5, New City Survey No. 2773, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Urmilaben Bapubhai Shroff,
Gopipura, Surat at present
54, Mani Bhuvan,
Huji's Road, Bombay.

(Transferor)

2. Satisbhai Babubhai Shroff,
Gopipura, Surat at present
54, Mani Bhuvan,
Huji's Road, Bombay.

(Transferee)

(2) Shri Mahendra Chhagan Lal Zaveri,
Opp. Jain Temple,
Athwa Lines, Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land admeasuring 467.86 sq. metres, situated at Ward No. 13, Nondh No. 138 and Ward No. 13, Nondh No. 139 in the T.P. Scheme No. 5, Surat. The new city Survey No. Nondh No. 2773 duly registered with the registering authority at Surat in the month of February, 1979.

S. C. PARikh
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Vimalaben wd./of Rangildas Parmanand das,
Raskapoortwala, Siddhmata Sheri,
Wadi Falia, Surat.

(Transferor)

(2) Kanchanlal Somabhai,
Javapura, Kanbi Sheri,
Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1979

Ref. No. PR No. 690/Acq. 23-1319/19-7/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Nondh No. 692
situated at Siddhmata Sheri, Wadi Falia, Ward No. 9, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-2-1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—
18—306GT/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Ward No. 9, Nondh No. 692 admeasuring 129 sq. yds. situated at Siddhmata Sheri, Opp. Ghoshari Lohana Mohajan Wadi, Surat duly registered in the month of February, 1979 with the Registering Authority at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 17-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th July 1979

Ref. No. P.R. No. 687 Acq. 23-1421/19-7/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 121, 122, 123, 124 & S. No. 96, 97 & 127 situated at Village Sultanabad (Dumas) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in February 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Chimanlal Mulchand, Navapura, Fakira Puja Sheri, Surat.
2. Shri Chandrakant Mulchand, Navapura, Nagardas Sheri, Surat.

(Transferors)

- (2) Shri Govindbhai Dahyabhai Patel, Bhimpura, Choryasi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building, situated at S. No. 121, 122, 123, 124 and S. No. 96, 97 and 127 admeasuring 16,000 sq. yds. situated at Sultanabad (Dumas), Surat duly registered at No. 1089 dated 20-2-1979 with Registering Authority at Surat in the month of February, 1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th July 1979

Ref. No. P.R. No. 689 Acq. 23-1422/19-7/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 329-B Ward No. 13, situated at Arogyanagar, Athwa, Surat and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 23-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Hasmukhlal Ishvarlal Gandhi,
Soni Falia, Main Road,
Surat.

2. Natverlal Jekisandas Mehta,
Surat.

(Transferor)

(2) Nayanaxi Dineshchandra Vaidya,
2/1086, Sagrampura, Chhavalani Sheri,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western side land admeasuring 422.34 sq. mts, situated at Arogyanagar, Athwa, Ward No. 13, Nondh No. 329-B (Out of Nondh No. 329-B Plot No. 5), Surat duly registered with Registering Authority in the month of January, 1979 at Registration No. 827/79.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date : 9-7-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 13th July 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2243(829)/1-1/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 79-1, 80, M.S. No. 1275/E/1, FP 390, of TPS. 3, Ahmedabad, situated at Mithakhali, alias Changispur, Nr. Chandra Colony, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Ahmedabad on 28-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Vinodaben d/o Madhavlal Nathubhai Pushpak No. 1, Nr. Chandra Colony, Gulbai's Tekra, Mithakhali, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Mangaldas Dahyabhai Patel, Varjinia House, Vijapur, North Gujarat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A bungalow known as "Pushpak No. 1" standing on a plot of land adm. 835 sq. yds bearing S. No. 79-1; 80, M.S. No. 1275-E-1; FP No. 390, S.P. No. 1, of TPS. 3, situated at Mithakhali, Chandra Colony, Near Gulbai's Tekra, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 1974 dated 28-2-1979 by Registering Officer, Ahmedabad.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Manjulaben Kantilal
Smt. Madhubala Pravinchandra & Others,
Diwan Para, Main Road,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Harilal Nanjibhai Joshi,
Opp. P.O. 5, Bhaktinagar Society,
Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1979

No. Acq. 23-I-2085(830)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. On Dr. Yagnik Road, Nr. Ramkrishnanagar Temple, Rajkot, situated at Yagnik Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 15-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 692-6-54 sq. yds, situated on Dr. Yagnik Road, Near Ramkrishna Ashram, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 742 dated 15-2-1979.

S. C. PARikh
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 18-7-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 27th July 1979

Ref. No. P.R. No. Acq.23/1320/19/7-79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 386, Ward No. 1, situated at Bhaya Mahollo, Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Surat on 8-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Faranroz Khudabux,
Narwadia Building,
Malkanbag, Jogeshwari,
Bombay.

(Transferor)

(1) 1. Shri Jayantilal Bhagubhai;
2. Shri Gamanlal Jayantilal;
3. Shri Ghanshyam Jayantilal;
Begampura, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building, situated at Nondh No. 386, Bhaya Mahollo, Nanpura Wd. No. 1, Surat admeasuring 223 sq. yds. duly registered with Registering Authority at Surat on 8-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 27-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380009, the 18th August 1979

Ref. No. P.R. No. 711 Acq. 23-1488/7-4/79-80.—Whereas I,

S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rev. No. 256, Paiki Tika No. 68, Plot No. 25, situated at Nutan Coop. Housing Society Ltd. No. 1, Dudhia Talav, Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Navsari on 17-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Rajan Manubhai Desai;
2. Sushilaben wd./of Bapubhai;
3. Nitaben Manubhai Desai;
Nutan Coop. Housing Society Ltd.,
Dudhia Talav, Navsari.
(Transferees)
- (2) 1. Hariklal Pursottam Kapadia;
2. Mabeshchandra Harilal Kapadia;
3. Natverla Harilal Kapadia;
4. Pratulchandra Harilal Kapadia;
2-3, Tata Housing Centre,
Jallubhai Park Road,
Andheri West, Bombay.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Land bearing Rev. No. 256, paiki Tika No. 68, Plot No. 25, Measuring 415.208 sq. metres, situated at Nutan Coop. Housing Society, Dudhia Talav, Navsari, duly registered with Registering Authority at Navsari on 17-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 18-8-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380009, the 20th August 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2083(840)/11-I/79-80.—Whereas I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 258-1, Paiki Land,
Lalbaug & near Kashivishwanath Temple, Junagadh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Junagadh on 26-2-1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the
said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the of this notice under sub-section
(1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely : —

S/Shri
(1) 1. Nagardas Kalidas,
2. Pranjal Kalidas,
3. Amrutlal Kalidas,
4. Dhirajlal Gordhandas &
5. Navinchandra Gordhandas—through their Power
of Attorney Holder Shri Tulsidas Kalidas of
Nagar Road, Harkisan Mansion, Junagadh.
(Transferors)

(2) Yadunandan Co-op. Hous. Soc. Ltd.,
through : President Shri Bharatbhai N. Kambaliya,
Ahir Brothers, Cloth Merchant,
Mandvi Chawk, Junagadh.
(Transferees)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—**

(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 258/1 Paiki Acre 1-0 gunthas situated
at Lalbaug and Kashivishwanath Temple, Junagadh duly
registered by Registering Officer, vide sale-deed No. 203/
26-2-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 20-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 20th August 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2083(841)/11-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 258/1, Paiki Land, Lalbaug & near to Kashivishwanath Temple, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 28-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—306GI/79

S/Shri
(1) J. Nagardas Kalidas,
2. Pranjal Kalidas,
3. Amrutlal Kalidas,
4. Dhirajlal Gordhandas
5. Navinchandra Gordhandas—through their Power of Attorney Holder Shri Tulsidas Kalidas, Nagar Road, Harkishan Mansion, Junagadh.

(Transferors)

(2) Yadunandan Co-op. Hous. Soc. Ltd., through : President Shri Bharatbhai N. Kambaliya, Ahir Brothers, Cloth Merchant, Mandvi Chawk, Junagadh.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 258/1 Paiki A-2 & 27 gunthas, situated at Lalbaug & near Kashivishwanath Temple, Junagadh duly registered by Registering Authority vide sale-deed No. 213/28-2-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 20-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 20th August 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2079(842)/11-6/79-80.—Whereas I, S. C. PARikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 481/C building known as "RAMNAVMI" situated at Dr. Gordhandas Road, Satta Bazar, Veraval (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Veraval in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Radhaben alias Narmadaben Mansukhlal Shah, 39, Rungtopark, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay-54 through her power of Attorney Holder Shri Chunilal Tribhovandas Shah, Subhas Road, Veraval.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal Dayalji Thakker, Village : Madiya Hatina, Dist. Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Building known as "Ramnavmi" at S. No. 481-C, situated at Dr. Gordhandas Road, Baharkot, Satta Bazar, Veraval, duly registered by Registering Officer, Veraval vide sale-deed No. 397/February, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARikh
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-8-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 20th August 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2084(843)/11-1/79-80.—Whereas I,
S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 258-1 land situated at Lalbaug & Kashivishwanath Temple, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Junagadh on 28-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Tulsidas Kalidas, himself & P.A.H. of
Shri Nagardas Kalidas,
Shri Pranjal Kalidas,
Shri Amrutlal Kalidas,
Shri Dhirajlal Gordhandas,
Shri Nitinchandra Gordhandas,
At Nagar Road,
Harkisan Mansion, Junagadh.

(Transferors)

(2) Shri Laxmi Corporation,
through : partner Shri Mohanlal Dharamshi Dhruv,
Uperkot, "Mohan Niwas", Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 258/1, Paiki A-3-27G, situated at Lalbaug & Kashivishwanath Temple, Junagadh, duly registered by Registering Officer, Junagadh, vide sale-deed No. 214, 28-2-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-8-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1979

No. Acq. 23-I-2331.(846)/11-6/79-80.—Whereas I, S. C. PARikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Muni. Ward No. 10, land adm. 5463 sq. mtr. with office room etc. situated at Talala Road & adjacent to Somnath Talkies, Verawal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Verawal on 27-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Soni Rughnath Jivabhai Lodhiya & Others, of Bangalore, through Power of Attorney Holder Shri Soni Devji Nathubhai, Photographer Studio, Satta Bazar, Verawal.

(Transferors)

(2) 1. Shri Rameshchandra Keshavlal Keshubhai's Lati
2. Shri Dhirajlal Keshavlal Verawal.
3. Shri Hargovind Liladhar, Harivallabh Niwas, Rajmahal Road, Verawal.
4. Shri Tulsidas Jadavji, Near Court, Verawal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5463 sq. mtr. in Municipal Ward No. 10, with compound wall & office etc. situated at Talala Road and adjacent to Somnath Talkies, Verawal, duly registered by Registering Officer, Verawal vide sale deed No. 489/27-2-1979 (37-G form received in 1st F.N. of March, 1979) i.e. property as fully described therein.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

S. C. PARikh
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 23-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th September 1979

Ref. No. P.R. 722 Acq. 23-1392/6-1/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 195/2 situated at 9-Bhaktinagar, Wadi Ward, Pratapnagar Road, Umiya Vijay Saw Mill, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 23-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gazfar Ali Fatch Ali,
9-Bhaktinagar, Wadi Ward,
Pratapnagar Road, Umiya Vijay Saw Mill,
Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Umiya Vijay Saw Mill,
9-Bhaktinagar, Wadi Ward,
Pratapnagar, Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property situated at 9-Bhaktinagar, Wadi Ward, Pratapnagar Road, Umiya Vijay Saw Mills, Baroda duly registered on 23-2-1979 being registration No. 196 at Sub-Registrar Office, Baroda.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-9-1979

Seal :

FORM IINS—

(1) Shri Premibhai Thobhanbhai Mistri,
Rampura, Main Rd, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Gopalbhai Devrajbhai Patel,
Mahidhpura, Kansara Sheri, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th September 1979

Ref. No. P.R. 726 Acq. 23-1326/19-7/78-79.—Whereas I, S. C. PARikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 3416 and 3423, situated at Limda Sheri, Rampura, Ward No. 7, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 27-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building situated at Nondh No. 3416 and 3423, Limda Sheri, Rampura, Wd. No. 7, Surat duly registered under No. 1159 dated 27-2-1979 with registering Officer, at Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 7-9-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. 733 Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas I,
S. C. PARikh,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. 141, old S. No. 159-1, 159-2, 161, 162 & 176 paiki, situated at Village Laskana, Tal. Kamrej (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kamrej on 15-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Karta of H.U.F. Guardian & Manager

1. Shri Hasmukhlal Dahyabhai
2. Sushilaben Dahyabhai,
Rampura, Main Road, Surat.

(Transferors)

(2) Partner of M/s. Samir Diamond Mfg.

1. Satish Kirtilal Kothari
 2. Pradip Kirtilal Kothari
 3. Smt. Madbu Satish Kothari
 4. Smt. Kalpana Pradip Kothari
 5. Mahendra Shantilal Zaveri
 6. Smt. Smita Narendra Mehta
 7. Smt. Darshna Ashwin Mehta
- Resi : address of No. 1, 81, Sudhna Society, Varachha Road, Surat.
Resi : address of No. 2 to 7 : 2502, "Panch Ratna" Opera House, Bombay.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 Hector situated at village Laskana Taluka Kamraj, bearing Block No. 141 paiki, old S. No. 159-1, 159-2, 161, 162 and 176, duly registered on 15-2-79 with the Registering Authority at Kamrej.

S. C. PARikh
Competent Authority,
Inspecting Ass'tt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-9-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 734 Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plock No. 141, old S. No. 180 and 176 paiki situated at Village Laskana, Talaka, Kamrej (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrej on 15-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Karta of H.U.F. Guardian and Manager
 1. Shri Vasantlal Duhyabhai Jarivala
 2. Tarunkanta, wife of Vasantlal Duhyabhai
 3. Rajesh Vasantlal
 4. Paresh Vasantlal
 Rampura, Main Road, Surat.
 (Transferors)

(2) Partner of M/s. Samir Diamond Mfg.
 1. Satish Kirtilal Kothari
 2. Pradip Kirtilal Kothari
 3. Smt. Madhu Satish Kothari
 4. Smt. Kalpana Pradip
 5. Mahendra Shantilal Zaveri
 6. Smt. Smita Narendra Mehta
 7. Smt. Darshna Ashwin Mehta
 Resi : Address : No. 1, 81, Sudhna Society, Varachha Rd. Surat.
 Resi : Address : No. 2 to 7 : 2502, "Panch Ratna" Opera House, Bombay.
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Land bearing Block No. 141 paiki old Survey No. 180 and 176 duly registered with Registering Authority in the month of February, 1979 at Kamrej.

S. C. PARIKH
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-9-1979
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dahyabhai Vajeram,
Rampura Main Road,
Surat.

(Transferors)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 735 Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 138, Rev. S. No. 175 and 177, situated at Village Laskana, Taluka—Kamrej (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrej on 15-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Partner of M/s. Samir Diamond Mfg.
1. Satish Kirtilal Kothari
2. Pradip Kirtilal Kothari
3. Smt. Madhu Satish Kothari
4. Mahendra Shantilal Zaveri
5. Smt. Kalpana Pradip Kothari
6. Smt. Smita Narendra Mehta
7. Smt. Darshna Ashwin Mehta
Resi : Address of No. 1, 81, Sadhna Society, Varachha Road, Surat.
Resi : Address : No. 2 to 7 : 2502, Panch Ratna "Opera House" Bombay.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3 Hectare of 30 sq. mts. bearing block No. 138, Rev. S. No. 175 and 177 situated at village Laskana, Taluka, Kamrej duly registered with Registering Authority at Kamrej.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
20—306GI/79

FORM I.T.N.S.— —

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 736/Acq 23-II/19-2/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 76, S. No. 57, Paiki,
situated at Village : Segva, Tal. Kamrej
(and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrej on 23-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Kalyanbhai Maganbhai Patel
Shri Natverbhai Maganbhai Patel
Vill. Segva, Tal. Kamrej.

(Transferors)

(2) Shri Thakorbhui Naranbhai Patel,
Vill. Segva,
Tal. Kamrej.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 31552 sq. ft. situated at village Segva, Tal. Kamrej, duly registered with the Registering Officer, at Kamrej, on 23-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Kalyanbhai Maganbhai Patel,
Shri Natverbhai Maganbhai Patel,
Vill. Segva, Tal. Kamrej.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 737/Acq. 23-II/19-2/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 76, S. No. 57, Puiki, situated at Village Segva, Tal Kamrej (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kamrej on 23-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Rameshbhai Thakorbhui Patel,
Vill. Segva,
Tal. Kamrej.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land admeasuring 31784 sq. ft. situated at Village Segva, Tal Kamrej, duly registered with the Registering Authority, at Kamrej, on 23-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 739/Acq. 23-II/7-3/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 440 Paiki and S. No. 443 Paiki City S. No. 3154 to 3162, situated at Deshra-Billimora, Tal. Gandevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on 17-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or tiny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Kantagauri Ishwerlal Desai
2. Taruben Dahyabhai Desai,
Chikhali, Tal. Chikhali.

(Transferors)

- (2) 1. Mohanbai Kuberbhai Patel
2. Parshottambhai Kuberbhai Patel
3. Navnital Ranchhodhbhai Patel
C/o Ranchhodhbhai, Kababhai,
Deshra-Mahadevnagar, Billimora.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 440, 443 Paiki City S. No. 3154 to 3162 admeasuring 2818 sq. mtrs. situated at Deshra-Billimora duly registered in the month of February 1979 (17-2-1979) with the Registering Authority at Gandevi.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Zinabhai Kesurbhai Rana
Shri Purshottamdas Kesurbhai Rana
Valsad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 741-Acq. 23-II/7-3/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 623 and Sur. No. 31 Paiki, situated at Chikhala Gram Panchayat, Tal. Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulsar on 28-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Pravinkumar Ravjibhai Patel,
C/o Prakash Poultry Farm,
Dungari, Tal. Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the ~~said property~~ may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the ~~said immovable property~~, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the ~~said Act~~, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 623 and S. No. 31 Paiki land adm. A-9, G. 23, situated at Chikhala Gram Panchayat duly registered with Registering Authority at Bulsar on 28-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 15-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Somabhai Nanabhai,
Avi-Pati, Tekri-Fadia,
Bharuch.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 742/Acq. 23/4-3/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 5, Paiki,
situated at Near S.T. Stand, Bharuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharuch on 9-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Partners of :
M/s. Ajanta Corporation :
(1) Poonambhai S. Prajapati,
1. Poonambhai S. Prajapati,
2. Nayankumar M. Majumdar,
A-1206, Officer's compound,
Near S.T. Stand,
Bharuch.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land being Survey No. 5, Paiki A-3, G. 14, sub-plot B admeasuring 7074 sq. yds. duly registered with Sub-Registrar, Broach, on 9-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 743/Acq. 23-II/1284/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 18, Paiki 0.26 Guntha, & S. No. 21 Paiki 0.16 Guntha, situated at Moje Mojampur, Tal. Bharuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Broach on 7-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Ibrahim Isc Adam Mitha,
Ahmed Isc Adam Mitha Patel
Bal Kaliben, wd/o
Isc Savalim Mitha Patel,
Vill. Mojpur,
Tal. Bharuch.

(Transferors)

(2) Partners of M/s. Narhariprasad & Co.
1. Vinodchandra Bhanuprasad Pandya,
2. Dilipkumar Narhariprasad Bhatt,
3. Jyotiben Dineshbandra Pandya,
5. Sumanben Narhari Bhatt,
Bharuch.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 18 Paiki A.O.-G. 26 at S. No. 21, Paiki A.O.-G. 16 at village Majaoanpur, Tal. Bharuch, registered in the month of February, 1979 at Broach.

S. C. PARIKH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 744/Acq. 23-II-1313/19-8/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 890.

Situated at Ward No. 1, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 23-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Maher Kavasha Nanavati-P.H. Holder
Mrs. Khorshed Rustamji,
Jesis Bldg., Jamshedji Road, Parsi Colony,
Dadar, Bombay.
2. Dolat Maher Nanavati,
Jesis Bldg., Jamshedji Road, Parsi Colony,
Dadar, Bombay.

(Transferors)

- (2) 1. Pasanji Kharshedji Bombawala,
Kherni Bazar, Lal Gate,
Surat.
2. Sashesbhai Kharshedji,
Kherni Bazar, Lal Gate,
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and bldg., situated at Nondh No. 890, Wd. No. 1, Surat duly registered with the Registering Authority at Surat on 23-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 17-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 744-A Acq. 23-II/19-8/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 889-A and 889-B, situated at Ward No. 1, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—306G/79

- (1) 1. Maher Kavasha Nanavati—P.A. Holder
Mrs. Khorshed Rustamji,
Jesis Bldg., Jamshedji Road,
Parsi Colony, Dadar, Bombay.
2. Dolat Maher Nanavati,
Jesis Bldg., Jamshedji Road,
Parsi Colony, Dadar, Bombay.

(Transferees)

- (2) 1. Pasanji Khar Chandji Bambawala,
Kerni Bazar, Lal Gate,
Surat.
2. Sasheshbhai Kharchandji,
Kerni Bazar, Lal Gate,
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building, situated at Nondh No. 889-A and 889-B at Ward No. 1, Surat duly registered with the Registering Authority at Surat on 23-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ishwerlal Parhubhai Pate 1,
Village Bhaliya,
Tal. Bardoli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Indravan Pranlal Bhatt, guardian of
Minor Sanjaykumar Chetankumar,
Darji Sheri, Nanpura,
Surat.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 745/Acq. 23-II-1324/19-7/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.

Nondh No. 1939, Wd. No. 2, situated at Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Surat on 20-2-1979
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building, situated at Nondh No. 1939, Ward
No. 2, Surat admeasuring 475.6 sq. mtrs. duly registered
with Registering Authority at Surat on 20-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDIOMM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 746/Acq.23-II/1325/19-7/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,
being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1939, Ward No. 2, Situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 20-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Shankerbhai Dayaram Patel,
Village Timba,
Taluka Kamrej,
Dist. Surat.

(Transferor)

(2) Raviraj Flats Co. Op. Housing Society,
Chairman : Subashchandra Kantilal,
Hiramodi Sheri, Sangampura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Nondh No. 1939, Wd. No. 2, Paiki land at Surat admeasuring 475.6 sq. mts. duly registered with Registering Authority at Surat on 20-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 17-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Madhumati Nanalal Surti
29, Narmalnagar,
Athwa Lines, Surat.
Surat.

(Transferor)

(2) Shri Mohmad Morarji Champanerl,
30, Officer's Colony,
Ukai, Tal. Vyara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 747/Acq. 23-II/1445/19-8/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under section 269B of
the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rev. Sur. No. 42, Plot No. 28,
situated at Athwa area, Surat

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Surat on 26-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957
(27 of 1957) :

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Athwa, Rev. Nur. No. 42, Plot No. 26,
duly registered on 26-2-1979 at Surat admeasuring 385 sq.
metres.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Jaswantsingh Gulabsingh Thakor,
Nagar Falia,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th September 1979

Ref. No. P.R. No. 748/Acq. 23-II/19-8/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No. 1690 situated at Narmad Society, Ward Athwa, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 28-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Jawahar Kumudchandra Doctor,
10/637, Khapatia Chakla,
Mahavir Swami Street,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Sur. No. 1690, situated at Narmad Society, Ward Athwa, Surat admeasuring 366.52 sq. mts. duly registered on 28-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 17-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Jethabhai Chunibhai Patel,
Motivada, Taluka Pardi
Dist. Valsad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 18th September 1979

Ref. No. P.R. No. 758/Acq. 23-II-1338/7-5/79-80.—
Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 64, 65 & 75, situated at Motiwada, Pardi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 8-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) 1. Shri Laljibhai Veljibhai Shah
2. Danjibhai Veljibhai Shah
3. Jadavjibhai Laljibhai Shah
"Victor Farm", Killa-Pardi
Dist. Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 64, 65 & 75, admeasuring 2 Acres, 2 Acres 24 Gunthas and 3 Acres 33 Gunthas, situated at Motiwada Pardi, duly registered No. 156, 157 & 158 on 3-2-1979 at Pardi.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 18-9-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Suleman Ismail Mohid,
Resi. Chala.
Talu. Pardi
Dist. Bulsar.

(Transferor)

(2) M/s. Shakti Enterprise,
Vapi,
Valanda Manzil, Near Zanda Chowk,
1st floor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 18th September 1979

Ref. No. P.R. No. 759/Acq. 23-II-1451/7-5/79-80.—
I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 320-A, Paiki, S. No. 320-B Paiki,
situated at Chala-Vapi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 12-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land, situated at Chala-Pardi, bearing S. No. 320-A & 320-B, Paiki, duly registered No. 159 on 12-2-1979 with Sub-Registrar, Pardi.

S. C. PARJKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th September 1979

Ref. No. PR. No. 770-Acq. 23-II/1323/19-7/79-80.—
 Whereas, I, S. C. PARIKH,
 being the Competent Authority under Section
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'),
 have reason to believe that the immovable property,
 having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
 bearing No.
 Nondh No. 864/A-1, Ward-No. 1,
 situated at Athugar Mohallo, Surat
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act,
 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
 Surat on 20-2-1979
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid
 property, and I have reasons to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration
 for such transfer as agreed to between the parties has not
 been truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of :—

(1) Shri Morarbhai Keshavbhai Patel,
 Moje Bihmp or Tal. Choryasi,
 Dist. Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ram Apartment Co. Opp. Hous. Sos. Ltd.,
 Chairman : Jitendrabhai Thakorbhai Naik,
 Athugar, Mohallo, Nanpura,
 Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

Land and building, situated at Athugar Mohallo, Nanpura,
 Surat, Nondh No. 864/A-1, Wd. No. 1, Surat, duly regis-
 tered on 20-2-1979 with registering Authority, at Surat.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

S. C. PARIKH
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely :—

Date : 20-2-1979

Seal :

FORM ITNS.

- (1) 1. Khushalbhai Nathabhai Patel
 2. Lallubhai Chhitabhai Patel—self
 3. Naginbhai Lallubhai
 Village Siker, Tal. Valod,
 Dist. Surat.

(Transferors)

- (2) Partner of M/s. Limbar Agencies,
 Shri Lallubhai Lakabhai Bhakta,
 Village Dasad, Tal. Kamrej,
 Dist. Surat.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
 ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th September 1979

Ref. No. PR. No. 780-Acq. 23-II/7-4/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 275/1 Paiki, situated at Station Road, Bardoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on 8-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 275/1, Paiki, situated at station Road, Bardoli, admeasuring A.O. G-11, duly registered with authority at Bardoli, on 8-2-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. PARIKH
 Competent Authority.
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
 22—306GI/79

Date : 24-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th September 1979

Ref. No. PR. No. 781-Acq. 23-II/7-4/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 275/1 Paiki situated at Station Road, Bardoli (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on 8-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

(1) 1. Khushbulhai Nathabhai Patel,
2. Lallubhai Chitabhai Patel,
3. P.A. Holder of Naginbhai Lallubhai Patel,
Vill. Siker, Tal. Valod,
Dist. Surat.

(Transferors)

(2) Partners of :
M/s. Limber Agency,
Shri Lallubhai Lakhabhai Bhakta,
Village Dasad, Tal. Karmap.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R.S. No. 275/1, Paiki, situated at station Road, Bardoli, admeasuring A-6, G-10, duly registered on 8-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 24-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Girdharlal Ghelabhai,
Jankalyan Society,
Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

Ref: No. Acq. 23-I-2495(849) /16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open land with plinth at Jagnath Sheri No. 25, situated at Jagnath Sheri No. 25, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 27-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—306GT/79

(2) 1. Shushilaben Chandulal,
2. Kanchanben Chandulal,
3. Manjulaben Chandulal,
Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land with plinth adm. 250 sq. yds. of Jagnath Plot, situated at Sheri No. 25, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 944 dated 27-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2496(850)/16-6/79-80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 451, Paiki Plot No. 39, situated at Rajya Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 15-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanakrav Jagjivan Shah
C/o Mansukhlal Jivraj Shah,
Shoraf Bazar,
Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Shashikant Odhavji Raja,
Jayraj Plot,
Sheri No. 8,
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 213.8 sq. yds. bearing S. No. 451 Paiki plot No. 39, situated on Rajya Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 741 dt. 25-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nandlal Jivraj Shah, C/o Shri Mansukhlal Jivraj Shah, Shoraf Bazar, Rajkot.
(Transferor)

(2) Smt. Ilaben Kiritkumar Kamdar Kiran Society, Block No. 38, Behind Galaxy Cinema, Rajkot.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2497(851)16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 451, Paiki Plot No. 40 situated at Raiya Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 15-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor o pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 213-8 sq. yds. bearing S. No. 451, Paiki Plot No. 40, situated on Raiya Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 740 dated 15-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tulsidas Haridas, Power of Attorney Holder of
1. Smt. Hiralaxmi Tulsidas and 2. Smt. Jayshriben
Pushkaray Three bati Chawls, Dwarka.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2498(852)/16-6/79-80.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 451, Paiki Plot No. 36, situated at Raiya Road,
Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 15-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to te undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDE

An open plot of land admeasuring 168-0-126 sq. yds. bearing S. No. 451, Plot No. 36, situated on Raiya Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 735 dt. 15-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-9-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.**

**ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.**

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2499(853)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARJKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 451, Paiki Plot No. 36, situated at Raiya Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 15-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tulsidas Haridas, Power of Attorney Holder of
1. Smt. Hiralaxmi Tulsidas and
2. Smt. Jayshriben Pushkarray 3 Batti Chawk,
Dwarka.
(Transferor)

(2) 1. Shri Dharamshibhai Khimjibhai Rathod,
2. Smt. Ansuyaben Damjibhai Rathod, 5, Junction
Plot, Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to te undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 168-0-126 sq. yds. bearing S. No. 451, Plot No. 36, situated on Raiya Road Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 736 dated 15-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kanchanben Shivilal Shah C/o Mansukhlal Jivaj Shah, Sharaf Bazar, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nandlal Ramjibhai Raja, Behind Academy, Panchnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

No. Acq.23-I-2500(854)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bhaga Duda Plot situated at Western side of Race Court, Bhagaduda Plot, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 22-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chap^{xx}.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 213.8 sq. yds. bearing plot No. Bhaga Duda Plot, situated on the western side to Race Course, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 890 dated 22-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-9-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri Kanchanben Shivlal Shah, C/o Mansukhlal Jivraj Shah, Saraf Bazar, Rajkot.
(Transferor)
- (2) Shri Nandlal Ramjihi Raja, Behind Academy, Panchnath Plot, Rajkot.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I**

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

No. Acq. 23-I-2501(855)/16-6/79-80.—Whereas, I
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/-and bearing

No. Bhaga Duda Plot situated at Western side Race Course to Bhaga Duda Plot, Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 22-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the persons mentioned within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the aforesaid persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land c. m. 213.8 sq. yds. bearing plot at Bhaga-Duda Plot, situated on the side to Race Course, Rajkot and as fully described in the sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
23—306GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

No. Acq23-2502(857)/16-6/79-80.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Bhagaduda Plot, Paiki Plot No. 39, situated at Western side to Race Course Bhagaduda Plot, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 16-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kanakray Jagjivan Shah,
 Jayraj Plot, Sheri No. 8,
 Hemondra Niwas,
 Rajkot.

(Transferors)

(1) Shri Shashikant Odhavji Raja,
 C/o Shri Odhavji Bhavanbhai Raja,
 Danapith, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 213.8 sq. yds. bearing Bhagaduda Plot Paiki Plot No. 39, situated on Western side of Race Course, Bhagaduda Plot, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 764 dated 16-2-1979.

S. C. PARIKH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nandlal Jivarajbhai C/o. Shri Mansukhla 1
Jivraj Shah, Sharaf Bazar, Rajkot.
(Transferor)

(2) Smt. Ilaben Kiritkumar Kamdar, C/o. Kiritkumar
Kamdar, Kiran Society, IIInd floor, Block No. 38,
Behind Galaxy Cinema, Rajkot.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

No. Acq. 23-1-2503 (857)/16-6/79-80.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Bhagaduda Plot, Paiki Plot No. 39, situated at Western
side to Bhagaduda Plot, Rajkot.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 16-2-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 213.8 sq. yds. bearing Bhagaduda plot, Paiki Plot No. 39, situated on the western side of Race Course, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 764 dt. 16-2-79.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 13-9-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the
following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) 1. Patel Dahyabhai Tejabhai,
2. Patel Mohanlal Tejabhai,
3. Patel Pravinchandra Tejabhai, Opp. Jagnath Mandir, Kailash Rajkot.

(Transferor)

- (2) Rajkot Nagrik Sahakari Bank Ltd., Nagrik Bhavan, Dhebarbhai Road, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 13th September 1979

No. Acq. 23-1-2197(818)/16 6/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Structure at Bedipara situated at Bedipara, Main Road, Nr. the Bank of river Oori, 10x Talkies, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rajkot on 8-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The structure standing on land admeasuring 489.75 sq. yds. situated at Bedipara, near the bank of the river, main road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 644 dated 8-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ratilal Nageshwar Pathak, Karta of H.U.F. of
Shri Ratilal Nageshwar Pathak, Dhebar Road, Opp.
S.T. Bus Stand, Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Shri Patel Maghabhai Nathubhai.
2. Shri Rajnikant Meghabhai, Gundawadi, Rajkot.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I

AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009 the 25th September 1979

No. Acq. 23-1-2198(659)/16-6/79-80.—Whereas, 1,
S. C. PARIKH,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. House No. 15, Ward No. 6, situated at Dhebar Road, Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 26-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A building standing on land admeasuring 82-1 sq. yds. bearing House No. 15, Ward No. 6, situated in between Rajpur Para and Dhebar Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 970 dated 28-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 25-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380 009, the 25th September 1979

Ref. No. P.R. 783 Acq. 23-II/1352/7-1/79-80.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rev. S. No. 165/1, Paiki situated at Village : Abrama, Tal. Valsad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulsar on 3-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Maganbhai Nichhabhai Naik, Karta of H.U.F. Abrama—Tal. Valsad, at present : Govt. Quarters, M-8, Gulbai Tekra, Ahmedabad-15.
(Transferee)

(2) Partners of Ajusia Tiles and Industries,
1. Arjunbhai ohanlal Tank,
2. Babubhai Mohanlal Tank,
3. Bharatkumar Nanalal, Makwana, Dharampur Road, Abrama, Tal. Valsad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Rev. S. No. 165/1 Paiki eastern portion, situated at Village : Abrama, Tal. Valsad, duly registered with Registering Authority at Bulsar on 3-2-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 25-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Ramanlal Nichhabhai Desai.
2. Shri Pratapbhai Ramanlal Desai.
3. Shri Kiritkumar Ramanlal Desai Valsad, Pardi Valsad.

(Transferors)

- (2) Partners of Ajusia Tiles and Industries,
1. Arjunbhai Mohanlal Tank.
2. Babubhai Mohanlal Tank.
3. Bharatkumar Nonalal Makwana, Dharampur Road, Abrama, Tal. Valsad.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Ahmedabad-380 009, the 25th September 1979

Ref. No. P.R. 784 Acq. 23-II/1352/7-1/79-80.—
 Whereas, I, S. C. PARIKH,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
 immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 Rev. S. No. 165/1 Paiki land Village : Abrama, Taluka,
 Valsad.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 Bulsar on 3-2-1979,
 for an apparent consideration which
 is less than the fair market value of the aforesaid property,
 and I have reason to believe that the fair market value of
 the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
 sideration and that the consideration for such transfer as
 agreed to between the parties has not been truly stated in the
 said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of
 30 days from the service of notice on the re-
 spective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the pub-
 lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
 1957 (27 of 1957);

Land bearing Rev. S. No. 165/1 Paiki middle portion of
 land situated at Village : Abrama, Taluka, Valsad duly re-
 gistered on 3-2-1979 at Bulsar.

S. C. PARIKH
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 25-9-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II

Ahmedabad-380 009, the 25th September 1979

Ref. No. P.R. 785/Acq. 23-1352/7-1/79-80.—
 Whereas, I, S. C. PARikh,
 being the Competent Authority under section
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
 referred to as the 'said Act'), have reason to believe
 that the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 Rev. S. No. 165/1, Paiki land situated at Village : Ab-rama,
 Tal. Valsad,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred, under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Bulsar on 3-2-1979,
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration and
 that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

(1) Shri Pragjibhai Nichhabhai Karta of H.U.F. Abrama
 Tal : Valsad at present, 18, Suhas Society, Fatch-
 ganj, Baroda-18.
 (Transferors)

(2) Partners of 'Joshi Tiffs and Industries'
 1. Arjunbhai Mohanlal Tank,
 2. Babubhai Mohanlal Tank
 3. Bharatkumar Nanalal Makwana, Dhamampur
 Road, Abrama, Tal. Valsad
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
 able property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
 in as are defined in Chapter XXA of the
 said Act, shall have the same meaning as
 given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Land bearing Rev. S. No. 165/1, Paiki Western portion
 situated at Village : Abrama, Tal. Valsad, duly registered on
 3-2-1979 at Bulsar.

S. C. PARikh
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range J, Ahmedabad

Date : 25-9-1979
 Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri Ramjibhai Kalabhai Patel,
2. Shri Keshavbhai Dahyabhai Patel, Tankudia
Para, Jetpur.
(Transferees)

(2) M/s. Harikrishna Dyeing and Printing Industries,
through : partner Shri Sureshbhai Dahyabhai, Tanku-
dipara. Nr. Chandra Maulchshwar Mandir, Jetpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 25th September 1979

Ref. No. Acq. 23-I-2208(860)/16-3/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 715 situated at Near Chandra Mauleshwar Mandir, Jetpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jetpur on 1-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2236 sq. yds. 2 sq. ft. bearing S. No. 715, situated near Chandra Mauleshwar Mandir, Jetpur.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—
24—306GI/79

Date : 25-9-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE
AHMEDABAD**

Kanpur, the 22nd August 1979

Ref. No. 1139/Acq/Orai/1929.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Orai on 22-2-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Dashrat Singh s/o Gokaran Singh, Shri Satendra Singh Saingar Advocate s/o Shri Vijai Bahadur Singh r/o Rajendra Nagar, Kasba and Post Orai Distt. Jalaun.

(Transferor)

(2) S/Shri Satendra Kumar Singh Bhadaria s/o Shri Sheo Varan Singh Bhadaria r/o Amkheda Pargana and Distt. Jalaun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 22-8-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Brijendrapal Singh S/o Jaswant Singh R/o Hartoli, P.O. Nathla Hasanpur Pargana Baran Distt. Bulandsahar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 29th August 1979

Ref. No. 438-A/Bulandsahar/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 3418 on 6-6-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Smt. Daulat Kunwar w/o Chhitar Singh r/o Dhiwari, Rodalpur Pargana Baran P.O. Nathla, Distt. Buland Sahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 443 and 444 situated in Rodanpur P.O. Nathna Pargana Baran Distt. Bulandshahar sold for an apparent consideration of Rs. 40000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-8-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 30th August 1979

Ref. No. 416-A/Ghaziabad/7980.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 3-4-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Virendra Singh Bhalla s/o Shri Anant Singh Bhalla R/o House No. 90 Greater Kailash, Part No. 1 New Delhi-48, Mukhtar-a-Aam and Shri Sant Kumar S/o Lala Dalpat Rai R/o House No. D-13/Dayanand, Ghaziabad present R/o Anandi Lal Podar Road Malah State Bombay 64, Maharashtra. (Transferors)

(2) Shri Deep Chand Gupta S/o Shri Govind Ram r/o 135 Turaonagar, Ghaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 172 (Old No. 155) situated in Dayanand Model Town East Ghaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 30-8-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Dularc Tewari S/O Ramadhin Tawari
28/1 Phoolkhana, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Rani w/o Shri Shivaji Pd. R/O 28/130 Sirki
Muhal Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 1st September 1979

Ref. No. 974-A/Kanpur.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Kanpur on 7-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No. 28/122 situated in Kashmiri Ahata,
Sirki Muhal Kanpur sold for an apparent consideration of
Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 1-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gautam Rohtagi, D-20, Panchsheel Enclave
New Delhi-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhanu Agarwal, 16/50 Civil Line, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE**

Kanpur, the 3rd September 1979

Ref. No. 948-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Kanpur on 19-2-1979.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at 16/72 Civil Line Kanpur sold
for an apparent consideration of Rs. 1,35,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said
Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 3-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Dharam Veer s/o Sri Sardar Kesar Singh, r/o Kasganj Distt. Etah.
(Transferor)
- (2) Smt. Sarla Devi w/o Shri Suresh Chand Agarwal, Kasganj Distt. Etah.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 6th September 1979

Ref. No. 1122/Acq/Kannauj/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kosganj on 2-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/2 Double storied Kothi situated in Circular Road, Kasganj Etah sold for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-9-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Dharam Veer s/o Sri Sardar Kesar Singh
R/O Kasganj, Distt. Etah.
(Transferor)
(2) Shri Suresh Chandru Agarwal s/o Shri Panna Lal
Agarwal R/O Kasganj, Etah.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Kanpur, the 6th September 1979

Ref. No. 1121/Acq/Kasganj/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kasganj on 2-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/2 Double storeyed Kothi situated on Circular Road, Kasganj Distt. Etah sold for apparent consideration of Rs. 75,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-9-1979.

Seal .

FORM ITNS—

(1) Shri Sarman s/o Shri Jeewa Ram Village Dataiji
Teh. Ferozabad Distt. Agra.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th September 1979

Ref. No. 1119/Acq/Ferozabad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ferozabad on 7-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/S Janta Sahkari Grah Nirman Samit Ltd. Ferozabad Hem Chand Secretary s/o Shri Lala Rameshwar Dayal Agarwal R/O Jalesar Road Ferozabad Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Village Dataiji Teh. Ferozabad Distt. Agra sold for an apparent consideration of Rs. 6000/- the F.M.V. of which is Rs. 1,14,380/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—306GI/79

Date : 6-9-1979.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE**

Kanpur, the 22nd September 1979

Ref. No. 795-A/Ghaziabad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 6-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Kiran Singh S/O Shri Pooran Singh R/O Aurangnagar Kinnahpur Pargana Jalalabad Teh. and Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Modi Singh, Malkhan Singh Sons of Shri Sukhdeo Singh R/O Shekhpur Gehpur P.O. Ismailpur Teh. Sikandrabad Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring Bighas 5)3+8 2/3 situated in Aurangnagar Kinnahpur Pargana Jalalabad Distt. Ghaziabad. The rate of agricultural land in this village is Rs. 17000/- per Bigha while the transferee has purchased it at the rate of Rs. 13,000/- per Bigha.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1). Jamuna Giri Tanaya Bal Giri Goswami, Takabpura,
Lalitpur Distt. Jhansi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

(2) Shri Raja Ram Ikodaya S/O Shri Raghu Nath Das
Ikodaya, Pura Ukta Post Para Pargana and Tehsil
Tambale, Smt. Sushila Bai Bewa Shri Ram Das
Ikodaya Gram & Post Pura Paragana and Tehsil
Tambale, Chhimmi Lal Gupta s/o Shri Ram Das
Gupta Civil Lines, Lalitpur Distt., Jhansi.
(Transferee)

Kanpur, the 24th September 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

Ref. No. 1114/Acq/Jhansi/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immoveable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Lalitpur on 26-2-1979,
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922); or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Single storeyed house situated in Takbpura, Lalitpur Distt. Jhansi sold for an apparent consideration of Rs. 42750/- the fair market value of which has been determined at Rs. 54,798/-.

THE SCHEDULE

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-9-1979
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ram Kala S/o Shri Manphool Singh r/o Mujipura Pargana Shikarpur Tehsil Budhana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 24th September 1979

Ref. No. 788-A/Budhana/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana on 15-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(2) Shri Om Prakash Ram Kumar sons of Shri Ishwar Chand, Bishesh Kumar, Subodh Kumar Baljan, Deepak Kumar Nabalig sons of Shri Dharam Veer Singh Tyagi R/O Khubbapur Pargana Shikarpur Tehsil Budhana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasra No. 256/1 measuring 17 Bigha 10 Biswa 4 Biswansi situated in Village Khubbapur Pargana Shikarpur Tehsil Budhana Distt. Muzaffarnagar sold for apparent consideration of Rs. 92,000/- the F.M.V. of which is Rs. 1,42,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 24-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s Nav Bharat Ice and Cold Storage Delhi Road,
Meerut.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th September 1979

Ref. No. 966A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 2-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) M/s Shanker Ice and Cold Storage, Sikri Kalan, Modinagar Partners :—Balkrishan Raghunath Saber s/o Late Mathya Das, Smt. Maya Wanti w/o Late Mathya Das, Smt. Meera Bai w/o Late Chunni Lal, Shri Chamman Lal s/o Sri Chunni Lal, R/O Mohalla Gurunanakpura Modinagar, Sri Balbir Chand S/O Shri Dayal Chand, R/O Hapur Road, Modinagar and Sri Nand Ram Singh and Jagat Singh sons of Shri Raja Ram r/o Raghunathpur Khera Tehsil Hapur Distt., Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property Ice and Cold Storage situated in V. Sikrikalan Paragana Jalalabad, Teh. and Dist. Ghaziabad measuring 4840 S. Yards sold for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/- the F.M.V. of which comes to Rs. 1,61,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-9-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahendra Kumar Gupta, 1170, Kucha Mahajani, Chandni Chowk, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Aryan Brothers (Pvt.) Ltd. R/O 1170 Kucha Mahajani, Chandni Chowk, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE**

Kanpur, the 25th September 1979

Ref. No. 1018 P.N./Ghaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 23-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land 19 Bigha, 14 Biswa 17 Biswansi situated in village Karkarmandan Teh. Dadri Distt. Ghaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 1,50,000/-, the F.M.V. of which comes to Rs. 2,24,000/- at the rate of Rs. 12,000/- per Bigha in that area.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-9-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Misri Lal S/O Shri Salig Ram Brahman, R/O
V&P.O. Saunfar Pargana Auraiya Distt., Etawah.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th September 1979

Ref. No. 673/Acq/Auraiya/78-79/6380.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Auraiya on 21-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Prem Shankar S/O Krishna Kumar, Smt. Dulari Devi Widow of Shri Bansidher Brahman R/O V & P.O. Saunfar Pargana Auraiya Smt. Rama Devi w/o Shri Radha Kishan, Smt. Vitti Devi w/o Sri Ram Naresh, Shri Birendra Kumar s/o Shri Raja Ram Brahman R/O Nagla Varipur V. & P.O. Saunfar Pargana Auraiya Distt. Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 828, area 8.35 (Di) lagani Rs. 147.15 situated in V. Saunfar Pargana Auraiya Distt. Etawah.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 27th September 1979

Ref. No. 681/Etawah/79-80/6381.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the office of the Registering Officer
at Etawah on 2-2-1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following
persons, namely :—

(1) Smt. Atansi Kunwar widow Shri Tunde Ram alias
Brij Mohan r/o Narholi Midarwa Paragana, Teh. &
Distt., Etawah.
(Transferor)

(2) Shri Arbind Kumar minor aged 17½ Years, Promod
Kumar minor 15 years Atam Swar Minor 13 Years
sons of Shri Ram Sarup, Umesh Baboo minor 17
years adopted son of Shri Subedar, Villayat Shiv
Shanker Lal R/O Narholi, Midarwa Paragana and
Distt., Etawah.
Chhimaru Paragana and Distt., Etawah (Full Owner).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of **30 days** from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within **45 days** from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XVA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 13 Kita Lagan 173.15 situated in Village
10-29
Chhimaru Paragana and Distt. Etawah (Full owner).

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hoti s/o Shri Bala R/O Nera, Tehsil Sadabad Distt., Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ganga Devi w/o Kamal Singh R/O Satyog, Post Office, Bhalupura Distt., Agra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th August 1979

Ref. No. 1152/Acq/Sadabad/79-80/6382.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sadabad on 6-2-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
26—306GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 16-40 (Di) Lagani 135.64 situated in V. Nergbagir Tch., Sadabad Distt. Mathura.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 27th September 1979

Ref. No. 1137/Acq/Ghatampur/78-79/6383.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghatampur on 9-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property **as aforesaid exceeds** the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer **as agreed to between** the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Baboo Ram S/O Shri Inderjeet R/O Chilhara Majra Gugra P.O. Pasi Khera Teh. Ghatampur Distt. Kanpur.
(Transferor)

(2) Smt. Rajwati w/o Shri Laloo Singh, R/O Tikanagra Teh. Chhibramau Distt. Farrukhabad Present address Chilhara, Majra Gugra P.O. Pasi Khera Teh. Ghatampur Distt. Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land LK Kita No. 192 area 12 Biga 12 Biswa 15 Biswansi (Lagan Rs. 64.95) situated in V. Gugra Teh. Ghatampur Distt. Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. R. Nurballa s/o Late Shri R. N. Nurballa
R/O 36, Lyttou, Dehradun and Shri B. S. Chandra
S/O Late Shri Sorab Ji Chandra.

(Transferor)

(2) Shri Moti Lal S/O Shri Sohan Lal, Shri Jagdish
Chandra Kapoor S/O Shri Moti Lal, Satish Chand
Kapoor s/o Shri Moti Lal R/O 67 Chakrata Road,
Dehradun.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 766-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Dehradun on 15-2-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Free-Hold property situated at 22 Paltan Bazar Dehradun sold for apparent consideration of Rs. 1,00,000/- the F.M.V. of which 1,30,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. /Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 9-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Shiv Pratap Singh Chauhan (Minor) S/O Shri D. S. Chauhan, Shri D. S. Chauhan S/O Late Shri Bhawani Singh R/O 10 Nardeo Shastri Marg, Dehradun.
(Transferor)

(2) Shri Pishori Lal Malhotra S/o Late Sardar Chand and Shri Sunil Kumar Malhotra s/o Shri Pishori Lal Malhotra, 12A Race Course, Dehradun.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 situated in Block C, Chauhan Shopping Centre, Hardwar Road Dehradun with land underneath.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979.

Seal :

FORM II NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 1021-A/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Dehradun on 9-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shiv Pratap Singh Chauhan (Minor) s/o Shri D. S. Chauhan and Shri D. S. Chauhan s/o Late Shri Bhawani Singh R/O 10 Nardeo Shastri Marg Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Param Jit Kaur w/o S. Balbir Singh and S. Jagjit Singh s/o S. Gurdyal Singh R/O 45 Ritha Mandi, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 situated in Block C, Chauhan Shopping Centre, Hardwar Road, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Shiv Pratap Singh Chauhan s/o Shri D. S. Chauhan, 10 Nardeo Shastri Marg Dehradun.
(Transferor)
- (2) Shri Suresh Chandra S/O Shri Sukhnandan, R/O 31 Indrjeet Nagar, Dehradun.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 1022-A/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Dehradun on 29-3-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. C-9 situated in Chauhan Shopping Centre, 1-
Chandernagar Dehradun.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act, to the following per-
sons, namely :—

Date : 1-10-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Mahdhuri Gupta D/o Late Baleu Ram Gupta
R/O 7/198 Sarupnagar Kanpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 851-A/Kanpur.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 5-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Jaman Lal Malhotra, Ram Kishan Malhotra, Pritam Prakash Malhotra, Surender Prakash Malhotra sons of Shri Nathu Ram Malhotra R/O 113/16 Sarupnagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot No. 90A Block B Scheme VII Gutaiya Kanpur measuring 575.5 Sq. Yds.—

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 1024-A/78-79.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dehradun on 23-2-1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

(1) Shri Shiv Pratap Singh Chauhan s/o Shri D. S.
Chauhan through Shri D. S. Chauhan R/O 10
Nardeo Shastri Marg Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Inderjeet Singh s/o Shri Sardar Isher Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8 situated in Block C, Chauhan Shopping Centre,
Hardwar Road, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shiv Pratap Singh Chauhan through his guardian D. S. Chauhan R/o 10 Nardeo Shastri Marg Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Poonam Lal Ahuja s/o Shri Takhat Ram Ahuja 127 Moniganj, Dehradun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 1023-A/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dehradun on 23-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop, Hardwar Road, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22. 306G/79

Date : 1-10-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Mohan Hotel Swagat r/o Kulri, Mussoorie.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mohan Lal, Vinod Kumar, Brij Bhushan, Smt. Angoori Devi, all R/o Regent House, Kulri, Mussoorie.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 833-A/Mussoorie.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mussoorie on 9-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Free-hold Walnut Grove Estate situated in Kulri, Mussoorie.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-10-1979,
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 738-A/Saharanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 7-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prakash Chand s/o L. Chatur Sen and Kanti Pd. S/O Shri Bakhtawar Singh Vaish, Agarwal R/O Town Meerapur P.O. Teh. Janseth Distt., Muzaffarnagar and Seth Bhagwan Sarup Maheshwari s/o Seth Ram Gopal Maheshwari and Seth Anil Kumar Maheshwari S/O Seth Bhagwan Sarup Maheshwari R/O House No. 5/783 Mohalla Kaharan-Khalapar, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Anand Prakash Mehta s/o Shri Kukund Lal Mehta R/O Church Road, Saharanpur, Shri Jagdish Singh s/o Sardar Sohan Singh R/O 175, Janakpur Saharanpur, Smt. Sudarshan Kumari w/o Shri Manohar Lal R/O House No. 2, Jwalanagar, Saharanpur, Shri Satya Prakash S/O Shri Atma Ram R/O Matyamahal-Khalapar, Saharanpur, Suresh Chand s/o Shri Babu Ram Jain R/O Bartala Yadgar, Saharanpur, Sardar Bhupendra Singh s/o Sardar Kartar Singh r/o of Gill Coloney Saharanpur and Manohar Lal s/o Shri Jodharam, r/o Gauri Shanker Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ek Hata with Tinshed, Kainchinuma Iron Angle, two rooms, one room with Tinposh for chokidar, one room without roof, Bhatti Dhalal, Oil Engine Maker Karma, 10-11 Horse Power with second-hand fan complete and in running condition, with complete electric fittings and right of electricity and domestic power connection with security, 18 Biswa Pukhta (4 Biswa in Khasra No. 1093 and 14 Biswa in Khasra No. 1083/2).

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nawab Asif Ja s/o Sheikh Waik Ali, R/O 40/109 Parade Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE: KANPUR**

Kanpur, the 1st October 1979

Ref. No. 976-A/Kanpur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 6-2-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. Saeeda Begam w/o Mohd. Shamil, Shahid Parvez, Rashana Camal, Tariq Jamal sons of Mohd. Shamil R.O 40/63 Parade, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bungalow No. 13/392A-1 Civil Line Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-10-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Subhash Battla,
99, Anandlok, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I.

414A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-110001

New Delhi, the 21st September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-HII/2-79/1060/78-79.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 25,000/- and bearing Flat No. 61 situated at Kailash Apartments, Lala Lajpat Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-2-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 61 at Kailash Apartments measuring 1600 Sq. Ft. situated on Lala Lajpat Rai Road, New Delhi.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 21-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 20th September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/2-79/1052.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural Land situated at Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1822) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shiv Lal S/o Shri Mohan Ram, Resident of Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Elbee Dugal Engineering Co. (P) Limited, 192, Golf Links, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 64 Bighas & 1/2 Biswa, situated in the revenue Estate of Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.
Delhi/New Delhi.

Date : 20-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. B. H. Campbell W/o Mr. H. Campbell,
Resident of 11-A/39 Western Extension Area,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal Verma S/o Shri Gian Chand Verma
& Smt. Usha Rani Verma W/o Shri Krishan Lal
Verma R/o P-16, New Delhi South Extension
Part-II, New Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 21st September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/2-79/1031.—Whereas I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-16 situated at New Delhi South Extension Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asaf Ali Road, New Delhi on 17-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A 2½ (Two and half) storeyed Building known as P-16, New Delhi South Extension Part-II, New Delhi built on plot measuring 200 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 17-2-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-9-1979.

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Mrs. Sudarshan Dhir,
A-75, Tagore Nagar, Ludhiana (Punjab).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Amrik Singh son of Shri Jawaher Singh
President of E-229, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFAJ ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 22nd September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/2-79/1085.—Whereas 1. MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-551, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 27-2-1979

for an apparent consideration which is less than the Fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A single storeyed house No. E-551, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 400 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 27-2-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-1979.

Seal -

FORM ITNS

(1) Shri R. C. Ghei S/o J. M. Ghei
Resident of C-II/77, Moti Bagh-I, New Delhi,
(Transferor)

(2) Smt. Urvashi W/o Shri Rakesh Jain,
Resident of S-418, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/2-79/1083.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. M-273 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-2-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-273, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 400 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 26-2-1979.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-9-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Lt. Col. I. P. Datta S/o Shri P. Datta
Resident D.L.F. Khera Farm Carter Puri, Distt.
Gurgaon (Haryana).

(Transferor)

(2) S/Shri Balram Sandhu & Vikram Sandhu
SS/o Shri K. S. Sandhu through their Mother &
Guardian Smt. Swarn Sandhu Resident of W-18,
Green Park, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 22nd September 1979

No. IAC/ACQ-I/SR-III/3-79/1127.—Whereas I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.F-7 (First Floor & Barsati Floor) situated at Green Park, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

First Floor & Barsati Floor of House No. F-7 Green Park, New Delhi built on Plot measuring 311 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 9-3-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-9-1979.

Seal :